जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 7 दिसम्बर, 2025

समय किसी का इंतजार नहीं करता...

COUNTDOWN BEGINS
25
DAYS LEFT

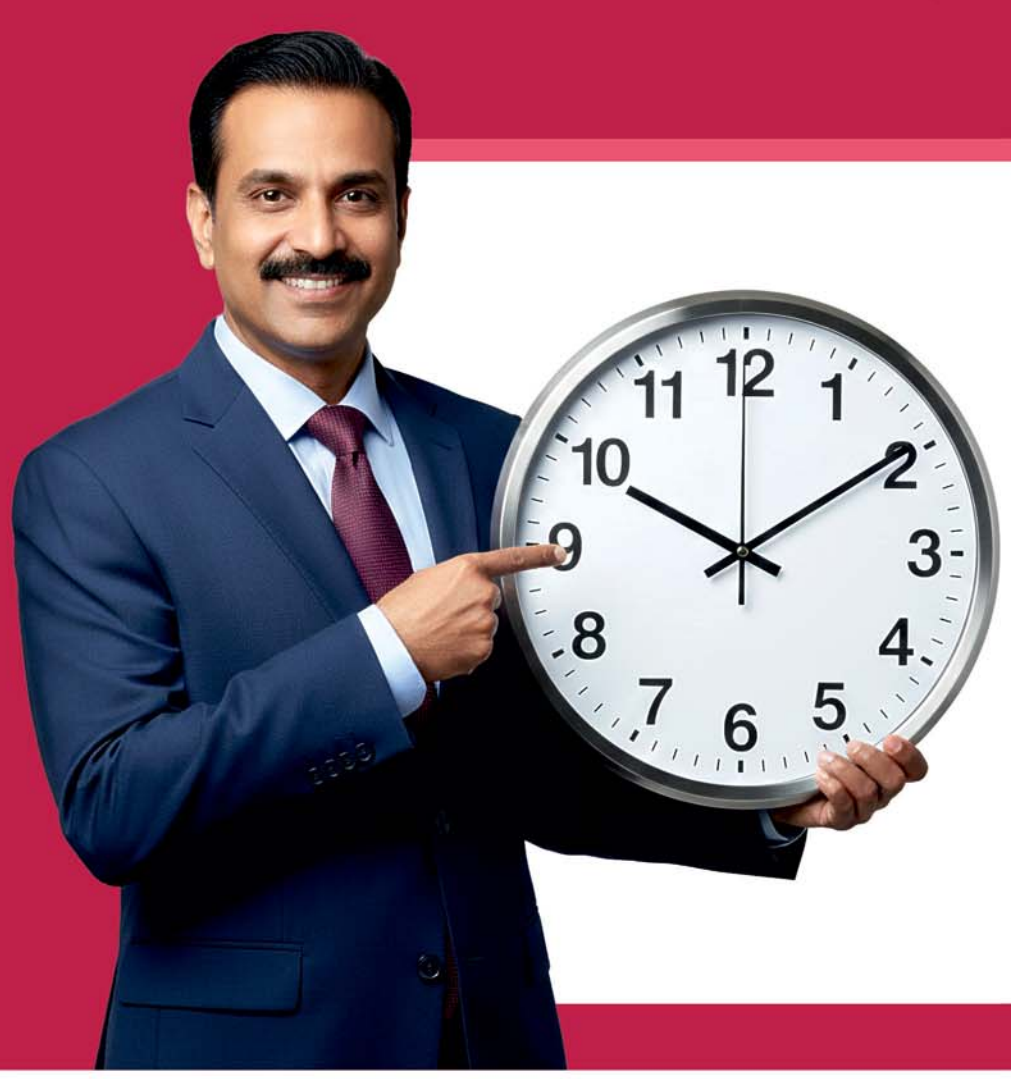

31 दिसम्बर को 10 लाख रेट बढ़ेगी

FIXED PRICE GUARANTEED

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट छोटी छोटी प्राइस में

NO MIDDLE-MEN

कोठी: सिर्फ ₹4700/Sq Ft

फ्लैट: सिर्फ ₹4000/Sq Ft

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

पजेशन: 31 दिसम्बर 2025 से शुरु

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

संसार के दुःखियों में पहला दुःखी निर्धन है। उससे दुःखी वह है जिसे किसी का ऋण चुकाना हो। इन दोनों से अधिक दुःखी वह है, जो सदा रोगी रहता हो और सबसे दुःखी वह है, जिसकी पत्नी दुष्टा हो। –विदुरनीति

व्याधिक्षमत्व क्या है?

लगभग 5000 वर्ष पूर्व की बात है। भगवान आत्रेय के शिष्य अग्निवेश ने अपने गुरु से एक प्रश्न किया:– भगवन! देखने में आता है कि हितकारी आहार का उपयोग करते हुये भी कुछ लोग रोगी हो जाते हैं, जबकि अहितकारी आहार लेते हुये भी कुछ लोग निरोगी देखे जाते हैं। ऐसी स्थिति में क्या अच्छा है और क्या बुरा, इसकी पहचान कैसे की जाये? इस प्रश्न का जो उत्तर आत्रेय ने दिया, वह आज भी यथावत विज्ञान-संगत है। आत्रेय का उत्तर था:– अग्निवेश! हितकारी आहार करने वाले लोगों में आहार के कारण होने वाले रोग उत्पन्न नहीं होते और हितकारी आहार लेने मात्र से समस्त रोगों का भय दूर नहीं हो जाता। हानिकारक भोजन के अलावा भी रोगों के तमाम कारण, जैसे ऋतुओं का विपरीत होना, प्रज्ञापराध या जानबूझकर गलती करना, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध का अतियोग, मिथ्या योग एवं विषम योग आदि ऐसे कारण हैं जो उचित भोजन लेने के बावजूद भी मनुष्य को बीमार कर देते हैं। इसीलिये हितकारी आहार लेने वाले रोगी हो जाते देखे जाते हैं। हानिकारक आहार का उपयोग करने वालों में पथ्य, आहार, व शरीर की स्थिति में भिन्नता होने से हानिकारक आहार तुरन्त हानि नहीं पहुंचा पाते। सभी अपथ्य बराबर दोष वाले नहीं होते, न ही सभी दोष बराबर बलवान होते, और न सभी शरीर व्याधिक्षमत्व या रोग प्रतिरोधक क्षमता से संपन्न होते (न च सर्वाणि शरीराणि व्याधिक्षमत्वे समर्थानि भवन्ति। च.सू.28.7)। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि एक ही अपथ्य आहार जगह, समय, संयोग, वीर्य, व मात्रा की भिन्नता के कारण या ज्यादा खा लेने से और अधिक अपथ्य हो जाता है। वही दोष विविध कारणों से, विरुद्ध चिकित्सा वाला, धातुओं में पहुंचा हुआ, शरीर के प्राणायतनों में उत्पन्न, मर्म पर चोट करने वाला, अत्यंत कष्टदायी अतिशय जल्दी रोगों को उत्पन्न करने वाला होता है। अंत में आत्रेय यह भी बताते हैं कि मूल रूप से शरीर की बनावट भी नैसर्गिक व्याधिक्षमत्व पर प्रभाव डालती है। बहुत मोटे या बहुत दुबले लोग, रक्त, मांस, व अस्थियों के सुसंगठित न होने के कारण बेडौल शरीर वाले लोग, दुर्बल, अल्पसत्त्व या कमजोर मनोबल वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता नहीं होती। जबकि इनके उलट लक्षणों वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता होती है। इन अपथ्य आहारों, दोषों व शरीर की भिन्नता के कारण बीमारियाँ भी कम या ज्यादा, जल्दी या देर से उत्पन्न होती हैं।

अब आपको यह स्पष्ट हो गया होगा कि क्यों कुछ लोग प्राय: कभी बीमार नहीं पड़ते। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें जीवन के अंतिम दिन तक लगभग सभी क्लिनिकल पैरामीटर्स सामान्य बने रहते हैं। जैसा कि आपने पूर्व में पढा, वस्तुत: इस चमत्कार के पीछे कोई चमत्कार नहीं बल्कि व्याधिक्षमत्व है। प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक व्याधिक्षमत्व सिद्धांत-प्रिन्सिपल ऑफ़ इम्यूनिटी-के जनक माने जाते हैं।

जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेराइव्ड) व्याधिक्षमत्व मज़बूत है वह मुश्किल से ही बीमार पडता है। यदि बीमार पड भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है। व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्व।व्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है। मानसिक बीमारियों के सन्दर्भ में सत्त्व गुण जितना अधिक होगा, व्याधिक्षमत्व उतना ही बेहतर होगा। शरीर में सहज व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में यह बात महत्वपूर्ण है कि शरीर में दुरुस्त मांसपेशियों, संरचना, स्वरुप व मज़बूत इन्द्रियों वाला व्यक्ति रोगों के बल से कभी प्रभावित नहीं होता। भूख, प्यास, ठंडी, गर्मी, व्यायाम को ठीक से सहन करने वाला, सम अग्नि वाला, बुढ़ापे की उम्र में ही बूढ़ा होने वाला, मांसपेशियों के सही चय वाला व्यक्ति ही स्वस्थ है (च.सू.21.18): सममांसप्रमाणस्तुसमसंहननोनर:। दृढेन्द्रियोविकाराणां न बलेनाभिभूयते।। क्षुत्पिपासातपसह: शीतव्यायामसंसह:। समपक्तासमजर: सममांसचयोमत:।।

आधुनिक वैज्ञानिक संदर्भ में व्याधिक्षमत्व को इम्यूनिटी कहा जाता है। यह प्रतिरक्षा तंत्र संक्रमण, बीमारी या अन्य अवांछित तत्वों के आक्रमण से बचने के लिये शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है। किसी व्यक्ति में व्याधिक्षमत्व में कमी होने से शरीर इम्यूनो-कॉम्प्रोमाइज्ड स्थिति में आ जाता है। ऐसी स्थिति में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होने से रोगजनन आसानी से होता है। इम्यूनिटी किसी व्यक्ति के शरीर में विशिष्ट एन्टीबॉडी या श्वेतरक्त कौशिकाओं की क्रिया से किसी विशेष संक्रमण, विषाक्त पदार्थ या हानिकारी जीवन-शैली से होने वाले रोगों का प्रतिरोध करने की क्षमता के रूप में समझा जाता है।

तात्पर्य यह है कि व्याधिबल की विरोधिता व व्याधि की उत्पत्ति में प्रतिबंधक होना व्याधिक्षमत्व है। अभिप्राय यह है कि शरीर में उत्पन्न बीमारी केबल या तीक्ष्णता को रोकने और बीमारी की उत्पत्ति को रोकने वाली क्षमता को व्याधिक्षमत्व कहा जाता है। व्याधिक्षमत्व को बल, ओज और प्राकृत श्लेष्मा के रूप में भी जाना जाता है। बल वह शक्ति है जिसके द्वारा शरीर विभिन्न चेष्टाओं से कार्य संपन्न करता है। इस कार्योत्पादक शक्ति को व्यायाम-शक्ति से जाना देखा जाता है। बल तीन प्रकार के होते हैं। सहज बल शरीर और मन पर आधारित होता है। उम्र के साथ शरीर की वृद्धि से प्राप्त बल को कालज बल कहा जाता है। खान-पान, जीवन-शैली और व्यायाम आदि की युक्ति से प्राप्त बल को युक्तिकृत बल कहा जाता है। रोग से रक्षा करने वाले को बल कहा जाता है।

व्याधिक्षमत्व को परिभाषित करते हुये चरकसंहिता के दिग्गज टीकाकार आचार्य चक्रपाणि ने लगभग 900 साल पहले लिखा (च.सू. 28.7 पर चक्रपाणि): व्याधिक्षमत्वं व्याधिबलविरोधित्वं व्याध्युत्पादप्रतिबन्धकत्वमिति यावत्। तात्पर्य यह है कि व्याधिबल की विरोधिता व व्याधि की उत्पत्ति में प्रतिबंधक होना व्याधिक्षमत्व है। अभिप्राय यह है कि शरीर में उत्पन्न बीमारी केबल या तीक्ष्णता को रोकने और बीमारी की उत्पत्ति को रोकने वाली क्षमता को व्याधिक्षमत्व कहा जाता है।

व्याधिक्षमत्व को बल, ओज और प्राकृत श्लेष्मा के रूप में भी जाना जाता है। बल वह शक्ति है जिसके द्वारा शरीर विभिन्न चेष्टाओं से कार्य संपन्न करता है। इस कार्योत्पादक शक्ति को व्यायाम-शक्ति से जाना देखा जाता है। बल के तीन प्रकार हैं (च.सू.11.36): त्रिविधंबलमिति- सहजं, कालजं, युक्तिकृतं च। सहजंयच्छरीरसत्त्वयो: प्राकृतं, कालकृतमृतुविभागजंवय: कृतं च, युक्तिकृतंपुनस्तद्यदाहारचेष्टायोगजम्। बल तीन प्रकार के होते हैं। सहज बल शरीर और मन पर आधारित होता है। उम्र के साथ शरीर की वृद्धि से प्राप्त बल को कालज बल कहा जाता है। खान-पान, जीवन-शैली और व्यायाम आदि की युक्ति से प्राप्त बल को युक्तिकृत बल कहा जाता है। रोग से रक्षा करने वाले को बल कहा जाता है। व्याधिक्षमत्व को ओज और ओज को बल के रूप में भी समझा जाता है (सु.सू.15.19) रसादीनां शुक्रान्तानां धातूनां यत् परं तेजस्तत् खल्वोजस्तदेव बलमित्युच्यतेस्व शास्त्रसिद्धान्तात्। रसादिक तथा शुक्रान्त धातुओं के उत्कृष्ट सार भाग को ओज कहते हैं तथा आयुर्वेद के अनुसार उसी का दूसरा नाम बल है। यही बल व्याधियों से शरीर की रक्षा करता है। यहाँ एक बात समझना आवश्यक है ओज और बल हालाँकि एक कहे गये हैं किन्तु ओज को कारण और बल को कार्य माना जाता है। ओज का रूप, रस और वर्ण होने से द्रव्य है जबकि बल इसका कार्य है। यहाँ व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में बल (कार्य) और कारण (ओज) को एक मान लिया जाता है। इसी सन्दर्भ में प्राकृत कफ को बल या व्याधिक्षमत्व का कारण माना जाता है (च.सू.17.117): प्राकृतस्तुबलं श्लेष्मा विकृतो मल उच्यते।स चैवौज: स्मृत:काये स च पाप्मोपदिश्यते।। यही कारण है कि कफज प्रकृति में उत्तम बल, पित्तज प्रकृति के व्यक्तियों में मध्यम बल तथा वातज प्रकृति के व्यक्तियों में अवर बल होता है।

इस प्रकार व्याधिक्षमत्व का तात्पर्य व्याधि-बल का विरोध शरीरगत बल द्वारा किया जाता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले विभिन्न भावों को दशविधि रोगी परीक्षा के भावों में भी देखा जाता है। उदहारण के लिये व्यक्ति की मूल प्रकृति का बल से सीधा सम्बन्ध होता है। सबसे उत्तम सम प्रकृति (वात-पित्त-कफज) है, परन्तु किसी जनसंख्या में समप्रकृति वाले बहुत कम होते हैं। अत: व्यवहार में कफ प्रकृति वालों को बेहतर बल वाला माना जाता है। इसके साथ ही सार भी बल को प्रभावित करता है। सारयुक्त से तात्पर्य यह है कि व्यक्ति में साररूप धातुओं का नियमित निर्माण होता है। सार धातुओं के सम्यक प्रकार से उत्पन्न होते रहने पर शरीर में व्याधिक्षमत्व बढ़िया बना रहता है। जैसा कि पूर्व में चर्चा की गयी है, बल का मुख्य कारक ओज है जो सभी धातुओं का सार है। साररूप में यह सभी धातुओं में व्याप्त होकर धातुओं की रक्षा करता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले अन्य भावों में सात्म्य, सत्त्व, अग्नि, शारीरिक-शक्ति व वय हैं। अग्निबल को आहार करने की क्षमता से परखा जा सकता है। आहार-शक्ति (आहार की मात्रा) अग्निबल पर आश्रित है। यदि व्यक्ति की आहार शक्ति मज़बूत है तो भोजन का पाचन और धातुओं की पुष्टि यथोचित होने से शरीर मज़बूत रहता है। व्यायाम-शक्ति या शारीरिक रूप से श्रम करने की शक्ति भी बल का संकेतक है। व्यक्ति की वय या उम्र का भी बल से संबंध होता है। युवावस्था में उत्तम बल और जरा या बुढ़ापा आने पर बल कम रहता है।

व्याधिक्षमत्व का रोगों से बचाव और उपचार में अनिवार्यता को देखते हुये यह प्रश्न स्वाभाविक है कि व्याधिक्षमत्व को बढ़ाने के लिये कौन सी युक्ति का क्रियान्वयन किया जाये? व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये बल व ओज की वृद्धि में सहायक द्रव्यों और क्रियाओं का इस प्रकार युक्तिपूर्वक नियमित सेवन करना चाहिये, जिससे व्याधिक्षमत्व का संरक्षण व वृद्धि हो किन्तु प्रकृति, अग्नि, धातुओं व मलक्रिया का समत्व तथा आत्मा, इन्द्रियों व मन की प्रसन्नता यथावत बनी रहे। यह विषय इतना विस्तृत है कि पूरा आयुर्वेद इसमें समाहित है। तथापि संक्षेप में व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये सात रक्षा-दीवारों की निरंतर और सम्यक सार-सम्हाल करना आवश्यक है। इनमें (1) आहार या खानपान, (2) विहार या जीवनशैली, (3) स्वस्थवृत्त या व्यक्तिगत स्वास्थ्य विषयक क्रियायें, (4) सद्वृत्त या व्यक्तिगत सदाचरण, (5) पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें, (6) रसायन या उम्र-आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, और अंतत: (7) औषधि या चिकित्सा शामिल हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

"प्रवासी राजस्थानी दिवस" - जड़ों से जुड़ाव का अवसर

डॉ. सुबोध अग्रवाल

प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन देश-दुनिया में बसे राजस्थानियों के जड़ों से जुड़ाव का बेहतरीन अवसर है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रति वर्ष प्रवासी राजस्थानी दिवस आयोजित करने का निर्णय इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थानियों को देश-दुनिया में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभाते हुए देखा जा सकता है। 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन इसलिए भी अर्थवान हो जाता है कि राजस्थानियों या यों कहें कि मारवाड़ियों की देश दुनिया में आज ही नहीं अपितु सदियों से विशिष्ट पहचान रही है।

दूसरा यह कि प्रवासी राजस्थानियों की एक खास बात यह है कि उनका अपनी जन्मभूमि के प्रति लगाव हमेशा से ही रहा है। साल में एक बार परिवार के साथ वे अपने पारिवारिक देवताओं को ढ़ोकने अवश्य आते हैं तो अपने गांव-ढ़ाणी के लिए कुछ करने के लिए हमेशा तत्पर रहते आये हैं। पिलानी का तकनीकी संस्थान इसका जीता-जागता उदाहरण है।

शिक्षण संस्थान, चिकित्सालय, धर्मशालाएं और इसी तरह के विकास कार्यों में अपने पूर्वजों के नाम पर कुछ ना कुछ करने की भावना प्रवासी राजस्थानियों में सदियों से रही है। इससे एक बात साफ हो जानी चाहिए कि राजस्थानियों ने अपनी या अपने पूर्वजों की जन्मभूमि से हमेशा से जुड़ाव बनाये रखा है। शेखावटियों के गांवों में इसे आसानी से देखा जा सकता है। अब बदलाव इस मायने में देखा जाना चाहिए कि प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जन्मभूमि में भी उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण दिया जा रहा है।

राजस्थान में औद्योगिक निवेश से अपने प्रदेश के आर्थिक विकास में भागीदार बनने के साथ ही रोजगार, कौशल विकास और इसी तरह की अन्य आर्थिक-सामाजिक सहभागिता बढ़ने से पीढ़ियों पहले राजस्थान से बाहर गए प्रवासियों को राजस्थान में ही औद्योगिक निवेश का बेहतर अवसर उपलब्ध हो पा रहा है। आज देश दुनिया के लोग यहां तक कि जापानी जोन में जापान के निवेशक सफलतापूर्वक उद्योगों का संचालन कर रहे हैं तो प्रवासी राजस्थानियों को तो राजस्थान से जुड़ने का इससे बेहतर अवसर और क्या हो सकता है। राज्य सरकार ने औद्योगिक निवेश को लेकर नई उद्योग नीति, राजस्थान निवेश नीति सहित अनेक नीतियां जारी कर निवेशकोन्मुखी माहौल तैयार किया है। यह इसी से समझा जा सकता है कि राइजिंग राजस्थान दिसंबर 2024 में आयोजित किया गया तो उसमें 30 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हस्ताक्षरित हुए और अब तेजी से ग्राउण्ड ब्रेकिंग हो रही है।

कुछ जड़ें कभी खत्म नहीं होतीं- वे बस अपने लोगों का घर लौटने के बहाने का इंतजार करती हैं। चाहे वे अपने जन्म के रेगिस्तानी गाँवों में रहते हों या राजस्थान की भावना को देश के अन्य प्रदेशों या दूर देशों में ले गए हों। राजस्थान की कहानी लिखने में सदियों से ही प्रवासी राजस्थानियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 10 दिसंबर को जयपुर में प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाना उस बड़े परिवार से जुड़ने का अवसर हैं जिसने बिना किसी आहट के राजस्थान के विकास को शक्ति दी है - उसका डायस्पोरा।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में, यह भावनात्मक बंधन अब एक रचनात्मक आंदोलन में बदल गया है। देश-विदेश में होने वाले रोड शो के माध्यम से संदेश साफ दिया गया है कि दुनिया में कहीं भी रहने वाला हर राजस्थानी, राजस्थान का है। आज, राजस्थान ने घरेलू और वैश्विक दोनों डायस्पोरा को समान सम्मान देकर, उन्हें राज्य के विकास के विजन में भागीदार बनाने के सार्थक और सकारात्मक प्रयास होने जा रहे हैं।

यह सिर्फ एक आउटरीच प्रयास से कहीं ज्यादा है। यह उद्देश्य की घर वापसी है। कई लोग जो कभी अवसरों की तलाश में राजस्थान छोड़कर गए थे, अब अवसर पैदा करने के लिए वापस लौटना चाहते हैं। वे विचार, निवेश, नवाचार और गौरव लाते हैं - एक शक्तिशाली मिश्रण जो समुदायों को बदल सकता है। अगर यह भावना मजबूत होती है, तो 10 दिसंबर को एक दिन उस पल के रूप में याद किया जा सकता है जब राजस्थान की वैश्विक पहचान फिर से पूरी हो गई। क्योंकि कुछ यात्राएं वहीं खत्म नहीं होतीं जहां से वे शुरू होती हैं - वे और भी समृद्ध होकर वापसी करती हैं।

शासन की यह भावना - नीति। लोग। प्रगति। - सभी क्षेत्रों में दिखाई देती है। इसका एक शक्तिशाली उदाहरण राजस्थान की ऊँट विरासत का पुनरुद्धार है। 11 साल बाद, राज्य ने ऊँटों के अंतर-राज्य परिवहन पर से प्रतिबंध हटा दिया है, यह कदम ठीक समय पर उठाया गया क्योंकि 1992 में ऊँटों की आबादी 7.5 लाख से घटकर आज लगभग 1 लाख रह गई है। जिसका मकसद सुरक्षा था, उसने लगभग व्यापार को खत्म कर दिया, कीमतें गिरा दीं, और पालने वालों की आजीविका की श्रृंखला तोड़ दी। ऊँट, हमारा राज्य पशु, सिर्फ गौरव का प्रतीक नहीं है - यह लचीलेपन, रेगिस्तानी संस्कृति और पुष्कर की आत्मा का प्रतीक है। बैन हटाने से, सरकार ने पारंपरिक बाजारों को फिर से जिंदा करने, ऊंट पर आधारित टूरिज्म को बढ़ावा देने और ऊंटनी के दूध जैसे डेयरी इनोवेशन को सपोर्ट करने का रास्ता खोल दिया है, जिसकी कीमत अब 80-100 प्रति लीटर है और यह ग्लोबल मार्केट में भी पहुँच रहा है।

राजस्थान का सबसे मशहूर मेला, पुष्कर, बस कुछ ही हफ्ते दूर है। इसके शानदार रेत के टीले, लोक गीत और खूबसूरती से सजे ऊंटों ने हमेशा दुनिया को मोहित किया है। फिर भी, हाल के सालों में घोड़ों की संख्या ऊंटों से ज्यादा हो गई है - जो रेगिस्तान की विरासत के इस उत्सव के लिए एक चिंताजनक संकेत है। इसे फिर से जिंदा करने के लिए सिर्फ पॉलिसी बदलने से ज्यादा कुछ करना होगा - सस्टेनेबल मार्केट, राइका और रेबारी चरवाहों का वेलफेयर, और ऊंट उत्पादों और कल्चरल टूरिज्म को ज्यादा बढ़ावा देना होगा। सोच-समझकर उठाए गए कदमों से, पुष्कर आने वाली पीढ़ियों के लिए यादगार बना रह सकता है।

यही बदलाव राजस्थान के पश्चिमी रेगिस्तानों में भी दिख रहा है। जिन जगहों को कभी बंजर माना जाता था, वे आज भारत की कृषि सफलता में भरपूर योगदान दे रही हैं। जीरा अब 5.5 लाख हेक्टेयर से ज्यादा भूमि पर उपजाया जा रहा है, जिससे राजस्थान भारत के कुल उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा पैदा करता है। अनार, जिसकी रेगिस्तानी मिट्टी में खेती करना कभी सोचा भी नहीं जा सकता था, वह अब सालाना 1.6 लाख टन की सफलता की कहानी बन गया है, जिससे बाड़मेर के 8,000 से ज्यादा हेक्टेयर जमीन हरे-भरे बागों में बदल गई है। इसबगोल (इसबगोल की भूसी) धीरे-धीरे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांग वाली फसल बन गई है क्योंकि यह खारे हालात में भी अच्छी तरह उग सकती है। और शायद इन सब में सबसे ज्यादा प्रेरणादायक है - जैतून की खेती, जिसे ग्लोबल पार्टनरशिप के साथ शुरू किया गया था, अब 5,000 से ज्यादा हेक्टेयर के विजन की ओर बढ़ रही है और इसने भारत का पहला घरेलू जैतून का तेल भी बनाया है।

इन कहानियों को जो चीज एक साथ जोड़ती है, वह सिर्फ तरक्की नहीं, बल्कि गर्व है। यह विश्वास है कि राजस्थान अपनी विरासत की रक्षा करते हुए अपने भविष्य को आकार दे सकता है। यह भरोसा है कि जब किसान और सरकार इनोवेशन और सपोर्ट के साथ एक साथ खड़े होते हैं तो रेगिस्तान भी खिल सकते हैं। और यह पक्का यकीन है कि राजस्थान के लोग, चाहे वे कितनी भी दूर चले जाएं, हमेशा इसकी आगे की यात्रा का हिस्सा बने रहेंगे।

जब हम 10 दिसंबर को अपने डायस्पोरा का स्वागत करने के लिए अपनी बाहें खोलते हैं, तो हम उन्हें सिर्फ जश्न मनाने के लिए नहीं बुला रहे हैं - हम उन्हें कल के राजस्थान को मिलकर बनाने के लिए बुला रहे हैं। एक ऐसा राजस्थान जो अपने अतीत का सम्मान करता है, अपने वर्तमान का निर्माण करता है, और अपने ग्लोबल परिवार की ताकत से अपने भविष्य के सपने देखता है। क्योंकि राजस्थान सिर्फ एक भौगोलिक स्थान नहीं है - यह एक जुड़ाव है। एक ऐसा रिश्ता जो दिलों में रहता है, यादों में बसता है और तरक्की बनकर घर लौटता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यह सकारात्मक पहल निश्चित रुप से राजस्थान के विकास में प्रवासी राजस्थानियों की सहभागिता बढ़ाने में सहायक है।

-डॉ. सुबोध अग्रवाल,
(आईएएस)
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
राजस्थान सरकार

सांभर की पुरानी बसावट का 103 साल पुराना रिकॉर्ड आठ साल से गायब

इस रिकॉर्ड में तत्कालीन बसावट के मानचित्र तक मौजूद हैं, इसे "1940 से पूर्व संधारित खसरा मौजा आबादी रजिस्टर" बोला जाता था

सांभरझील, (निसं)। सांभर नगर पालिका में ब्रिटिशकाल का करीब 103 साल पुराना महत्वपूर्ण रिकॉर्ड करीब आठ साल से गायब है। इस रिकॉर्ड में तत्कालीन बसावट के मानचित्र तक मौजूद हैं। मकानों की पूरी नापचौक तो दर्ज है ही, साथ ही इस रिकार्ड को खंगालने पर पता चल सकता है कि किसकी चबूतरी कितनी है यानी एक-एक इंच तक का हिसाब तत्कालीन बसावट के समय का अंकित है, जिसमें रिकॉर्ड दर्ज है उसे "1940 से पूर्व संधारित खसरा मौजा आबादी रजिस्टर" बोला जाता था। सांभर की एक शख्सियत की ओर से वर्ष 2014 में इसका प्रमाणित रिकॉर्ड लिया गया था। वर्ष 2018 के बाद से बताया जा रहा है कि अब यह रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। कहां गायब हो गया है या जानबूझकर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। नकल प्राप्तकर्ता की ओर से इस महत्वपूर्ण रिकॉर्ड को लेकर चिंता तो जाहिर की है साथ ही अंदेशा भी जताया है कि कहीं उसे तानाशाही पूर्ण पूर्ण तरीके से डेस्ट्रॉय नहीं कर दिया जाए। यदि इस रिकॉर्ड को गायब कर दिया गया तो पुरानी बसावट में बसी आबादी के बाशिंदों को पता ही नहीं चलेगा कि वह उसकी वास्तविक सीमा कहां तक है। इससे भविष्य में ऐसे लोगों को कई कानूनी प्रक्रियाओं से जूझना पड़ सकता है। बताया जा रहा है कि वर्ष 1922 से ब्रिटिश गवर्नमेंट के समय सांभर म्युनिसिपालिटी का पहला चेयरमैन बना था। यहां पर सांभर शामलात म्युनिसिपालिटी एक्ट 1947 उस समय प्रभावी था। नगर पालिका का पुराना भवन जिस पर अभी ताले लटके हैं तथा नई बिल्डिंग में शिफ्ट होने के बाद से इसे वीरान छोड़ दिया गया है। इस पुरानी बिल्डिंग में आजादी से पहले का महत्वपूर्ण रिकॉर्ड है, जिसकी कोई सार संभाल व देखरेख नहीं की जा रही है।

- **इसमें मकानों की पूरी नापचौक तो दर्ज है ही, साथ ही इस रिकार्ड को खंगालने पर पता चल सकता है कि किसकी चबूतरी कितनी है**
- **वर्ष 2018 के बाद से बताया जा रहा है कि अब यह रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, कहां गायब हो गया है या जानबूझकर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है**

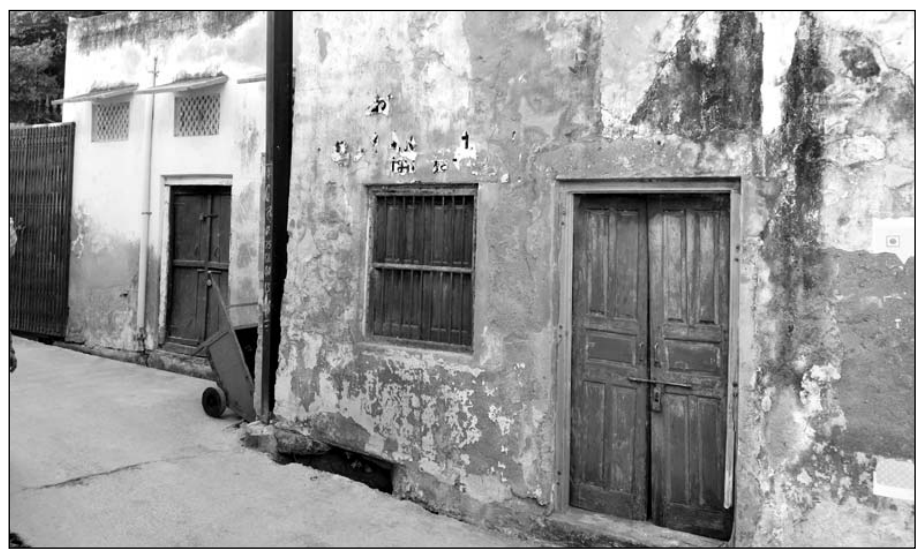

सांभर पालिका के पुराने भवन पर ताले लटके होने से पुराने रिकॉर्ड की सार-संभाल नहीं की जा रही है।

सीकर में पारा 1.2 डिग्री दर्ज

सीकर, (निसं)। शेखावाटी इलाके में कड़ाके की सर्दी पड़ने लगी है। प्रदेश में सबसे ठंडा इलाका फिलहाल शेखावाटी है। सीकर में शुनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 1.2 डिग्री दर्ज किया गया था। आगामी 3 दिन तक सर्दी का यही क्रम बना रहेगा। फसलों पर बर्फ जमने लगी है, जिससे किसान सुबह-सुबह ट्यूबवेल से पानी के फव्वारे छिड़ककर फसलों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार सीकर सहित पूरे शेखावाटी इलाके में न्यूनतम तापमान लगातार नीचे जा रहा है। पिछले 36 घंटों से सीकर में तापमान जमाव बिंदु के करीब ही टिका हुआ है। फतेहपुर के कृषि अनुसंधान केंद्र में आज सुबह 1.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। शुक्रवार को यह 1 डिग्री न्यूनतम और 24.5 डिग्री अधिकतम रहा। पिछले 5 दिन से सीकर में लगातार तेज सर्दी बनी हुई है। मौसम साफ होने की वजह से चार दिन पहले हुई मावठ के बाद सर्दी और तेज हो गई है। गांवों में लोग ठंड से कांप रहे हैं। मौसम विभाग ने फिलहाल शीतलहर का कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। बीती रात ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई और दिन में भी सर्दी का असर महसूस हुआ। विभाग के मुताबिक, सीकर में अगले एक हफ्ते तक सूखी और कड़ाके की सर्दी रहेगी। तीन दिन बाद मौसम में कुछ बदलाव आ सकता है। वहीं, प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अगला एक हफ्ता मौसम शुष्क रहेगा।

- **आगामी तीन दिन तक सर्दी का यही क्रम बना रहेगा, फसलों पर बर्फ जमने लगी**

राशिफल रविवार 7 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 4:12 तक, शुक्ल योग रात्रि 8:07 तक, वणिज करण प्रात: 7:55 तक, चन्द्रमा रात्रि 10:38 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 4:12 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 4:12 से आरम्भ होगा। भद्रा प्रात: 7:55 से रात्रि 6:25 तक रहेगी। आज मंगल धनु राशि में रात्रि 8:17 पर प्रवेश करेगा। आज चतुरथी व्रत, सौभाग्य सुंदरी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:25 से 9:43 तक, लाभ-अमृत 9:43 से 12:18 तक, शुभ 1:36 से 2:54 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:07, सूर्यास्त 5:29 तक

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से संपर्क हो सकता है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन
व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कर्क
व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनगर्ल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मनोरंजन का माहौल रहेगा।

कन्या
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला
आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ-मांगलिक कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 126 प्रभात जयपुर, रविवार 7 दिसम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

120 Bahadur, Paltan Legends Of Indian Courage

J. P. Dutta once told Col Bishan Singh, "Kahaniyan hum nahi banate, Colonel saab… aap log banate hain. Hum sirf unki awaaz ko buland karte hain."

A Respect Deserved

This day, 104 Tuskegee Airmen Arrested for Defying Segregation in the U.S. Army Air Corps

'इंडिगो एयरलाइन्स को अडानी ग्रुप को सौंपने की तैयारी में वर्तमान संकट उत्पन्न करवाया गया है'

विपक्ष द्वारा सरकार पर यह गंभीर आरोप लगाया जा रहा है

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। देश भर में इंडिगो की उड़ानों में जो भारी गतिरोध उभरा है, वह हाल के समय में एक बड़ा विमानन संकट बन गया है, लेकिन जो बात सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करती है, वह है जिम्मेदारी का पूरी तरह से अभाव। हजारों यात्री हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं और आखिरी समय में फ्लाइट कैंसल करना यात्रियों की जेब पर भारी पड़ रहा है, न तो सरकार, न एयरलाइन और न ही नियामक संस्था ने इस संकट की जिम्मेदारी लेने की ओर कदम उठाया है।

इंडिगो, जो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है और घरेलू यातायात का लगभग 60 प्रतिशत भार संभालती है, ने "संचालन संबंधी चुनौतियों" का हवाला देते हुए सामान्य बयान जारी किए हैं, लेकिन इन व्याख्याओं ने नुकसान के पैमाने को हल करने में बहुत कम मदद की है।

वहीं, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने चुप्पी साध रखी है और स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया है कि यात्रियों को देरी, फिर से बुकिंग और आपातकालीन यात्रा खर्चों के कारण हुए वित्तीय नुकसान का मुआवजा कौन देगा।

- **विपक्ष के अनुसार, अचानक तकनीकी खामियाँ उभर आईं, पायलैट्स की कमी उत्पन्न हो गई तथा शैड्यूल ब्रेकडाउन हो गए तथा इस फेलियर की जवाबदेही लेने को कोई अभी तक तैयार नहीं है, न तो एयरलाइन्स, न सरकार और और न ही रेग्युलेटर।**
- **विपक्ष का आगे यह तर्क है कि अडानी ग्रुप ने अपना शिकंजा एयरपोर्ट, प्रशिक्षण सुविधाओं व एविएशन सर्विस सैक्टर पर पहले ही फैला दिया है। अब वो इंडिगो एयरलाइन्स का टेक ओवर करने को तैयार है और यह वर्तमान संकट इंडिगो एयरलाइन्स में सुनियोजित तरीके से करवाया गया, जिससे इंडिगो एयरलाइन्स टेक ओवर के प्रस्ताव के लिए "सॉफ्ट" (मुलायम) हो जाए और टेक ओवर आसान शर्तों के तहत हो जाए।**
- **एक पुराने एविएशन विशेषज्ञ का इस बारे में कहना है कि एक एयरलाइन्स को इतना बढ़ने देना कि 60 प्रतिशत मार्केट उसे कब्जे में हो जाए तथा दूसरी ओर एविएशन सैक्टर के आधारभूत ढांचे पर इतना छा जाए कि सरकार की क्षेत्र में संतुलन बैठाने की क्षमता खत्म हो जाए, यह खतरनाक स्थिति है।**

विपक्ष यह आरोप लगा रहा है कि यह संकट सिर्फ संचालन संबंधी विफलता नहीं हैं, बल्कि यह एक ऐसा कृत्रिम संकट है, जिसे इंडिगो को अडानी ग्रुप को सौंपने के लिए खड़ा किया गया है। अडानी समूह तेजी से हवाई अड्डों, प्रशिक्षण सुविधाओं और विमानन सेवाओं में अपनी घुसपैठ बना रहा है।

तकनीकी समस्याओं, चालक दल की कमी और शेड्यूल में बदलाव की घटनाओं में अचानक वृद्धि ने संदेह उत्पन्न किया है, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि यह अराजकता, विमानन क्षेत्र में एक बड़े रणनीतिक पुनर्संयोजन का हिस्सा हो सकती है।

विशेषज्ञ हैरान हैं और सरकार तथा नगर विमानन महानिदेशालय से सवाल पूछ रहे हैं कि ऐसी किसी जोड़-तोड़ को आधिकारिक रूप से स्वीकार क्यों नहीं किया जा रहा? व्यवधानों का समय और पैमाना यह संदेह पैदा करता है कि इस क्षेत्र के दो प्रमुख शक्ति केन्द्र, देश की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीतालक्ष्मी सहित तीन सह आरोपियों की जमानत खारिज

जयपुर, 6 दिसंबर। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत ने आईटीएटी जयपुर बेंच में रुपए लेकर फैसले देने से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप मामले में, आरोपी सीता लक्ष्मी सहित वकील राजेन्द्र सिसोदिया व अन्य पक्षकार मुजम्मिल को जमानत से इनकार करते हुए उनकी अर्जी खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ गंभीर आरोप हैं और मामले में अनुसंधान चल रहा है। ऐसे में इस स्तर पर आरोपियों को जमानत नहीं दी जा सकती।

- **सीतालक्ष्मी, वकील राजेन्द्र सिसोदिया और पक्षकार मुजम्मिल, इनकम टैक्स अपील ट्रिब्यूनल में भ्रष्टाचार के आरोपी हैं, कोर्ट ने जमानत देने से इन्कार करते हुए कहा, इन पर गंभीर आरोप हैं, जमानत नहीं दी जा सकती।**

आरोपी सीता लक्ष्मी सहित दोनों आरोपियों ने कोर्ट से उन्हें जमानत देने का आग्रह किया था। इस मामले में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति के भोज में शशि थरूर का आमंत्रण फिर "विवादित" हुआ

शशि थरूर ने कहा, वे पर राष्ट्र मामलों के लिए गठित स्थाई संसदीय समिति के अध्यक्ष हैं, अतः, उन्हें आमंत्रित किया गया है, रूस के राष्ट्रपति को दिए गए भोज में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गर्व से याद किया कि 20 साल पहले जिस शब्द का उन्होंने इस्तेमाल किया था, वह आज जियापोलिटिकल सम्बंधों में कहीं अधिक सही साबित हो रहा है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति भवन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ डिनर निमंत्रण पर भी प्रकाश डाला, जो दो दिन की राजकीय यात्रा पर भारत आए थे।

थरूर ने कहा कि राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार रात को उनकी उपस्थिति का कारण विदेश मामलों पर संसदीय स्थायी समिति (पार्लियामेटरी स्टैन्डिंग कमेटी ऑन एक्स्टरनल अफेयर्स) के अध्यक्ष के रूप में उनके द्वारा किया गया कार्य था।

इस राजकीय डिनर, जिसे थरूर ने "उत्कृष्ट बताया, के बाद उन्होंने एनडीटीवी के सीईओ तथा एडिटर-इन-चीफ राहुल कँवल से कहा, "मैं काफी समय बाद राष्ट्रपति भवन आया हूँ। कुछ वर्षों तक मुझे लगता था कि उनका रुख थोड़ा अलग है। ऐसा लगता है कि इस बार उन्होंने थोड़ा खुलने और दूसरों की बात सुनने का निर्णय लिया है और साफ बात तो यह है कि चूँकि विदेशों के साथ वही रिश्ते तो होते हैं, जिनसे हमारी संसदीय स्थायी समिति संबंधित होती है, इसलिए यहां की बातचीत तथा माहौल आदि को जानना उपयोगी है। इस कारण, मैं यहां आने पर बहुत प्रसन्न हूं। बस यही कारण है, इससे ज़्यादा कुछ नहीं।"

कांग्रेस के कई नेताओं, जैसे पवन खेड़ा और जयराम रमेश, ने इस पर सवाल उठाया कि पार्टी सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को राजकीय डिनर के लिए आमंत्रित नहीं किया गया।

ये प्रतिक्रियाएँ तब आईं, जब थरूर ने शुक्रवार को संसद के बाहर संवाददाताओं को यह बताया कि उन्हें राजकीय डिनर का निमंत्रण मिला है

- **थरूर ने इस विषय में आगे कहा कि वे भोज में अवश्य जाएंगें, क्योंकि राष्ट्राध्यक्षों व उनकी टीम के लोगों तथा भारतीय टीम के बीच हुए वार्तालाप को प्रत्यक्ष देखकर उनको, उनके संसदीय समिति के अध्यक्ष के बतौर काम में मदद मिलेगी।**
- **थरूर की भोज में मौजूदगी को जयराम रमेश व पवन खेड़ा ने उचित नहीं माना। उनके अनुसार यह उपस्थिति, कांग्रेस पार्टी के, सरकार के प्रति घोषित रूख, सोच व नीति के खिलाफ है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनमाने हवाई किराए पर केन्द्र सरकार सख्त, किराए पर कैप लगाया

लेकिन इससे सरकार की जवाबदेही पूरी नहीं हो जाती

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को इंडिगो के सभी घरेलू उड़ानों में भारी देरी और निरस्तीकरण (कैंसिलेशन) के बाद, एयरलाइन टिकटों की कीमतों में बढ़ोतरी को नियंत्रित करने के लिए हवाई किराये की सीमा निर्धारित करने की घोषणा की।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने इस बात को गम्भीरता से लिया है कि मौजूदा संकट के दौरान कुछ एयरलाइनों द्वारा अत्यधिक उच्च हवाई किराए वसूलने की शिकायतें आ रही हैं। बयान में कहा गया है, "यात्रियों को किसी भी प्रकार के अवसरवादी मूल्य निर्धारण से बचाने के लिए, मंत्रालय ने अपनी नियामक शक्तियों का उपयोग करते हुए, सभी प्रभावित मार्गों पर उचित और यथोचित किराए सुनिश्चित करने का आदेश दिया है।"

मंत्रालय ने कहा, "एक आधिकारिक निर्देश सभी एयरलाइनों को जारी किया गया है, जिसमें यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े आदेश दिए गए हैं कि निर्धारित किराया सीमा का पालन किया जाए। ये सीमाएं तब तक

- **इंडिगो एयरलाइन्स के संकट के दौरान अन्य एयरलाइन्स द्वारा भारी किराया वसूली की शिकायतों के बाद केन्द्र सरकार ने यह कदम उठाया।**
- **नागर विमानन एवं उड्डयन मंत्रालय ने सभी एयरलाइन्स को निर्देश दिया है कि किराए पर लगी सीमा का सख्ती से पालन किया जाए।**
- **मंत्रालय ने कहा कि वह किराए के स्तर पर बारीकी से नज़र रखेगा और एयरलाइन के डेटा व ऑनलाइन प्लेटफार्म्स के डेटा के बीच तालमेल करेगा।**
- **मंत्रालय ने एक पृथक बयान जारी कर इंडिगो को हिदायत दी कि जल्द से जल्द सभी यात्रियों को किराया राशि लौटा दें।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाबू लाल कटारा को केन्द्रीय कारागार में शिफ्ट किया

जयपुर, 6 दिसंबर। वरिष्ठ अध्यापक भर्ती-2022 पेपर लीक मामले में जेल में बंद आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा ने अदालत को जयपुर जिला जेल में अपनी हत्या होने या डिप्रेशन में आकर आत्महत्या करने की बात कही है। वहीं, ईडी कोर्ट

- **वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा पेपरलीक में आरोपी आरपीएससी सदस्य बाबू लाल कटारा ने अपनी हत्या की आशंका जताई, साथ ही डिप्रैशन में आकर आत्महत्या करने की बात कही। इसीलिए उन्हें जिला जेल से केन्द्रीय कारागार में शिफ्ट किया गया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़र्व बैंक द्वारा "रैपो रेट" (ब्याज दर) घटाना "डिमांड" को चमकायेगा

पर, अगर रूपए का मूल्य घटता रहा, डॉलर की तुलना में, तो यह आशावादी कदम, खोखला भी साबित हो सकता है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। भारतीय रिज़र्व बैंक (आर.बी.आई.) द्वारा रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती, ग्रोथ को सपोर्ट करने की दिशा में एक बदलाव है, लेकिन यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब मैक्रोइकोनॉमिक स्थिति अभी भी स्थिर नहीं है। इस कटौती से घरों और बिज़नेस के लिए उधार लेने की लागत कम हो सकती है, लेकिन यह फाइनेंशियल स्थिरता, करेंसी मैनेजमेंट और महंगाई के रास्ते की स्थिरता के बारे में भी कई सवाल खड़े करता है। कुल मिलाकर, यह सावधानी भरी उम्मीद का संकेत है, लेकिन लापरवाही का नहीं।

चिंता का पहला कारण कमज़ोर होता रुपया है, जो पॉलिसी घोषणा से ठीक एक दिन पहले अपने नए निचले स्तर पर फिसल गया था। रेट कटौती से भारत और अमेरिका की ब्याज दरों के फर्क में कमी आती है, जो करेंसी पर दबाव बढ़ा सकती है। अगर अमेरिकी फेडरल रिज़र्व अपनी रेट कटौती को आगे टालता है, जिसकी संभावना बाज़ारों में बढ़ रही है, तो रुपए पर गिरावट का दबाव लगातार बना रह सकता है। इससे आर.बी.आई के लिए, इम्पोर्टेड इन्फ्लेशन (आयातित महंगाई) को नियंत्रित रखना मुश्किल होगा। कमज़ोर रुपया, तेल, फर्टिलाइज़र और अन्य ज़रूरी इंपोर्ट को महंगा कर देता है, जिससे महंगाई में मिली हाल की राहत फिर उलट सकती है।

आर.बी.आई. ने महंगाई में नरमी को इस कटौती का मुख्य आधार बताया है, लेकिन आगे का रास्ता जोखिमों से खाली नहीं है। खाने-पीने की चीज़ों की महंगाई एक लगातार बनी रहने वाली अनिश्चितता है, खासकर जबकि, बारिश के पैटर्न में असमानता और जलवायु से संबंधित रुकावटें ज़्यादा बार होने लगी हैं। सेंट्रल बैंक के अनुमान इस साल खाद्य कीमतों को स्थिर मानकर बनाए गए हैं, लेकिन सप्लाई में किसी भी तरह की रुकवाट उसे अपना रुख फिर बदलने पर मजबूर कर सकती है। अर्थशास्त्री चेतावनी देते हैं कि भारत में महंगाई के चक्र ऐतिहासिक रूप से अस्थिरता वाले होते हैं, और कुछ महीनों के अच्छे आंकड़े लंबे समय के ट्रेंड की गारंटी नहीं देते हैं।

दूसरी बड़ी सावधानी बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी की कमी से संबंधित है। आमतौर पर रैपो रेट घटने

- **ब्याज दर घटने से, पैसा ज्यादा आता है मार्केट में तथा इससे ग्राहकी भी बढ़ती है। पर, यह चक्कर पूरा होने के लिए जरूरी है कि बाहरी माहौल में स्थिरता रहे।**
- **पर, अगर अमेरिका ने ब्याज दर नहीं घटाई और विदेशी इन्वेस्टर भारत से डॉलर को निकालकर अमेरिकी स्टॉक में लगाते रहे तो रिज़र्व बैंक के लिए रूपए को गिरने से रोकना पहली प्राथमिकता हो जाएगी।**
- **इस स्थिति में रेट घटाने से मार्केट चमकेगा नहीं, बल्कि धूमिल होकर रह जाएगा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केस तय समय सीमा में खत्म होने चाहिए

नई दिल्ली, 06 दिसंबर। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट आम आदमी के लिए है। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों को निपटाने के लिए एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति उनकी पहली प्राथमिकता है। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट के दौरान बोलते हुए सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, मेरी पहली प्राथमिकता एक तय समयसीमा और एक एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति (यूनिफाइड नेशनल ज्यूडिशियल पॉलिसी) बनाना है ताकि लंबित मामलों

- **देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, इसके लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय नीति बनाई जानी चाहिए।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी के मुस्लिम वोट बैंक को भारी खतरा पैदा हुआ, हुमायूं कबीर के रूप में

हुमायूं कबीर ममता बनर्जी के पुराने वफादार मुस्लिम इस्लामिक नेता थे, जिसने अब बगावत कर, ममता बनर्जी को दहशत में ला दिया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब अपने ही किए का परिणाम झेल रही हैं।

उनके एक भरोसेमंद साथी, हुमायूं कबीर, जो अब तक ममता के क़रीबी माने जाते थे, ने उनके खिलाफ़ बग़ावत कर दी है। यह ममता के लिए एक ऐसा बड़ा राजनीतिक जाल है, जैसा अब तक उनके सबसे बड़े भाजपा आलोचक भी नहीं बिछा सके थे।

हुमायूं कबीर ने आज, 6 दिसंबर को, अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस की याद में मुर्शिदाबाद ज़िले में, बंगाल की धरती पर बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने यह सब तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व की अवहेलना करते हुए और ममता बनर्जी के प्रति अपनी अवज्ञा व्यक्त करते हुए किया।

यह याद दिलाना ज़रूरी है कि यही वह मुर्शिदाबाद ज़िला है, जहाँ कुछ समय पहले मुस्लिम भीड़ ने एक पिता-पुत्र को उनके घर से घसीटकर बेरहमी से मार दिया था। बाप-बेटे की "गलती" यह थी कि वे हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियाँ बनाते थे। न कोई गिरफ़्तारी हुई, न किसी पर मुकदमा चला।

घटना के समय, कबीर ने धमकी दी थी कि वे बंगाल के हिंदुओं की हत्या कर उनकी लाशें बंगाल की खाड़ी में फेंक देंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि वे मुर्शिदाबाद को हिंदू-मुक्त कर देंगे। अब वही कबीर, एक इस्लामिक राज्य की अपनी आकांक्षा में, ममता बनर्जी को खुली चुनौती दे रहे हैं। यह ममता बनर्जी और, उनके ज़रिए, पूरी तृणमूल कांग्रेस और बंगाल में उनके प्रभुत्व पर एक सीधा निजी हमला है। यह स्थिति कभी न कभी आनी ही थी, ममता बनर्जी की असीमित तुष्टिकरण नीति के कारण।

कबीर जल्द ही अपनी अलग इस्लामी पार्टी बनाने की धमकी दे रहे हैं। माहौल पहले ही तैयार कर लिया गया है और उन्होंने ऐसे तत्वों की सहानुभूति हासिल कर ली है।

अब तक, कुछ अखिल भारतीय मुस्लिम नेताओं ने बंगाल में आने की धमकी दी थी। हैदराबाद के ओवैसी ने भी कई बार बंगाल के मुसलमानों को अपनी ओर खींचने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। ममता बनर्जी हर बार बस यह कहकर बात टाल देती थीं कि ओवैसी हैदराबादी हैं: "उनका घर हैदराबाद है।"

- **हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में एक "बाबरी मस्जिद" के निर्माण की नींव रखी 6 दिसंबर को। उन्होंने अपने इस कृत्य से ममता बनर्जी से बड़ा इस्लामपरस्त नेता होने का दावा किया।**
- **अब तक ममता जी ने अपने आपको सबसे प्रबल इस्लाम समर्थक नेता के रूप में प्रोजेक्ट कर रखा था तथा मुसलमानों ने भी उन्हें जमकर वोट दिए हर चुनाव में।**
- **कई मुस्लिम नेताओं ने बंगाल में पैर जमाने की कोशिश की, पर किसी को सफलता नहीं मिल पाई। उदाहरण के लिए ओवैसी ने जब काफी कोशिश की तो ममता जी ने उन्हें एक ही वार में उड़ा दिया, यह कहकर कि वह हैदराबादी हैं उन्हें वहीं रहने दो।**
- **पर, हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद का है, परस्त हैं, उसने मुर्शिदाबाद को हिंदू मुक्त करने जैसा खतरनाक नारा दिया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति और प्र.मंत्री ने अम्बेडकर को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 06 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित, कई प्रमुख लोगों ने शनिवार को संसद भवन परिसर में डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर को

- **प्र.मंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, हम बाबा साहेब को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर स्मरण करते हैं, न्याय व समानता के उनकी सोच सदैव भारत का मार्गदर्शन करती रहेगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

वांछित आरोपी पकड़ा

बौंली- बामनवास। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित आरोपियों के धर पकड़ अभियान के तहत बौंली थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन में फरार चल रहे वांछित आरोपी मुकेश कुमार मीणा उम्र 38 वर्ष निवासी देवली थाना लालसोट एवं एक अन्य प्रकरण में हेमराज मीणा उम्र 26 वर्ष निवासी चौकीदारों की ढाणी देवली थाना लालसोट को गिरफ्तार किया है। सर्किल इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल जयदेव सिंह की टीम ने दोराने गस्त मुकदमा नंबर 417 /2005 में फरार चल रहे वांछित आरोपी मुकेश मीणा को गिरफ्तार किया है एवं अन्य दूसरे प्रकरण में वांछित फरार आरोपी हेमराज मीणा को हैड कांस्टेबल योगेंद्र सिंह की टीम ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को को न्यायालय में पेश किया गया।

नशा स्वास्थ्य के लिए जानलेवा

शाहपुरा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष भँवरलाल बुगालिया एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने राजकीय बालिका विद्यालय में प्रधानाचार्य सुनिता साही की अध्यक्षता में नालसा योजना 2016 पर शिविर आयोजित किया। इस दौरान "शिक्षा के अधिकार" पर्यावरण संरक्षण एवं नशा स्वास्थ्य के लिए जानलेवा है। नालसा योजना की विधिक जागरूकता की जानकारी दी । विद्यार्थियों से उपरोक्त विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस शिविर में महिला उत्पीड़न समिति की अध्यक्ष सरोज ने उपस्थित विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर सुमन, सोनू, हंसा पलसानिया सहित समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।

महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

राजगढ़ । कस्बे के बस स्टैंड समीप डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर शनिवार 6 दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संविधान के रचयिता बाबासाहेब अंबेडकर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते उनके जीवन से सीख लेने का आव्हान किया। इस अवसर पर भीमराव अंबेडकर समिति के अध्यक्ष अमर सिंह वर्मा एवं आदिवासी सेवा संस्थान के अध्यक्ष रामकिशन मीणा की मौजूदगी में अनेक लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर एन एल वर्मा, गुलाब वर्मा, रामजीलाल, बाबूलाल एवं कैलाश सहित अन्य मौजूद रहे।

फिरौती मांगने वाला पकड़ा

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक के निर्देशन में पुलिस उप-अधीक्षक निवाई रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन एवं निवाई थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने गत 2 दिसम्बर को निवाई बाईपास पर परिवादी अर्जुन कुमावत का अपहरण कर फिरौती मांगने के मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी गुलाब मीणा को करौली के ग्राम झाडोदा के जंगल से गिरफ्तार किया गया है ।

छात्राओं को बैग एवं शिक्षण सामग्री बाटी

राजगढ़। कस्बे के बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 2 में राष्ट्रपति सम्मानित शिक्षिका आशा सुमन दंपति की ओर से करीब पांच दर्जन स्कूली-छात्राओं को बेग एवं शिक्षण सामग्री भेंट की। शिक्षिका दंपति आशा सुमन, दुलीचंद सागर ने विद्यालय के चौमुखी विकास के साथ कायापलट करने का संकल्प व्यक्त किया इससे पूर्व विद्यालय प्रधान नरेश सैनी, अशोक मुखिजा, बलराम गुप्ता, रोशन सैनी, रेणुका तिवारी, सरोज देवी एवं अन्य ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस दौरान विद्यालय प्रधान नरेश सैनी ने शिक्षिका दंपति का स्वागत करते हुए विद्यालय विकास में उनके योगदान के बारे में जानकारी देने के साथ भविष्य में विद्यालय की तरक्की के बारे में अवगत कराया।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सामाजिक न्याय के लिए निरंतर कार्य कर रही है सरकार : भूपेंद्र

किशनगढ़ बास। अलवर सांसद व केंद्र सरकार में मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को किशनगढ़ बास में भूरपहाडी चौंक पर पंडित दीनदयाल के नाम पर रखे गए नवीन बस स्टैंड, पंडित दीनदयाल सद्भावना मडप, महाराणा प्रताप नगर सहित 125 करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इससे पहले मंत्री कोटकासिम के बूढ़ी बावल गौशाला पहुंचे जहां उन्होंने गायों को हरा चारा खिलाया, गौशाला में टीन शेड निर्माण कार्य का उद्घाटन किया बाद में गांव की पीएचसी का लोकार्पण व एम्बूलेंस को हरी झंडी दिखाई।

किशनगढ़ बास पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का पूर्व विधायक रामहेत यादव के नेतृत्व में किशनगढ़ बास, खैरथल, कोटकासिम सहित गांवों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने ढोल बाजे से स्वागत किया और कार्यक्रम स्थल तक लेकर पहुंचे। सभा स्थल पर भाजपा पदाधिकारीयों ने मंत्री यादव का बड़ी माला से सम्मान किया गया। पूर्व विधायक रामहेत यादव ने स्वागत भाषण में किशनगढ़ से खैरथल बाईपास को फोरलेन करने सहित अनेक विकास के कामों को लेकर मांग रखी ।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा हम राजनीति छोटे-मोटे उद्देश्य के लिए नहीं कर रहे और ना ही मेरे तेरे के लिए करते हैं हम राजनीतिक विकास के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा खैरथल में चुनाव के दौरान खैरथल के विकास को आगे बढ़ाने की शपथ ली थी उसे आगे बढ़ाने के लिए में पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। राजस्थान का

अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने किशनगढ़ बास में भूरपहाडी चौंक पर पंडित दीनदयाल के नाम पर रखे गए नवीन बस स्टैंड का लोकार्पण किया।

- **किशनगढ़ बास पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का पूर्व विधायक रामहेत यादव के नेतृत्व में किशनगढ़ बास, खैरथल, कोटकासिम सहित गांवों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने ढोल बाजे से स्वागत किया और कार्यक्रम स्थल तक लेकर पहुंचे।**

खैरथल जिला मैन्युफैक्चरिंग में नंबर वन पर है इसे और आगे लेकर जाएंगे। हम हर आदमी के जीवन में विकास करना चाहते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और भारत का संविधान हमें जो मार्ग दिखाता है, उसी भावना के साथ सरकार गरीब कल्याण, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और सामाजिक न्याय के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मंत्री यादव ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कांग्रेस के लोग फॉर्म भरने में लगे हैं, अगर इतनी चिंता 70 साल में गरीब की कर ली होती तो आज इतने बुरे दिन कांग्रेस के नहीं आते। कांग्रेस मुक्त होने के लिए समर्पित हो चुकी है। उन्होंने कहा यह लोग संसद नहीं चलने देते। 150 साल पहले वंदे मातरम की रचना हुई थी आज हम 150 वर्ष मनाते हैं तो इन्हें तकलीफ होती है। हम भर्तृहरि के नाम को आगे बढ़ाते हैं तो उन्हें तकलीफ होती है। जबकि हम शहर और संस्कृति को आगे बढ़ाने में ही लग रहें हैं । उन्होंने कहा आज बाबा साहेब आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस भी है। बाबा साहब ने देश को संविधान दिया है 70 साल से लोकतंत्र यात्रा को मजबूती से बढ़ाया है। हम संविधान को लेकर प्रधानमंत्री के नेतृत्व विकसित भारत के रास्ते पर गरीब कल्याण में लगे हैं। उन्होंने कहा अलवर सांसद खेल उत्सव में उन्होंने खैरथल के बच्चों की प्रतिभा देखकर खैरथल में इंटरनेशनल लेवल की खेल अकैडमी की घोषणा की है, जिसमें बच्चों को कुश्ती सहित अन्य खेलों की उच्चस्तरीय ट्रेनिंग उपलब्ध कराई जाएगी।

"डॉ.अंबेडकर के विचारों पर चलने का संकल्प"

अलवर। दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति एडवा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने आज भारत रत्न, संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के 70 वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर अलवर के अंबेडकर सर्किल पर अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष कैंडल प्रज्वलित कर विनम्र सादर नमन किया । बाबा साहेब के सम्मान में नारे लगाए । स्वतंत्रता,समानता, सद्भाव, न्याय, बंधुत्व, लोकतंत्र, समाजवाद, धर्म निरपेक्षता, स्वतंत्र विदेशनीति एवं सभी को सस्ती सरकारी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया करवाने के बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के विचारों पर चलने का संकल्प दोहराया।

जाति, जेंडर आधारित सामाजिक भेदभाव व उत्पीड़न, बढ़ती आर्थिक विषमता,मजदूर व किसान की बदहाली, महंगाई, तेजी से बढ़ती

समिति कार्यकर्ताओं ने डॉ.अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष कैंडल प्रज्ज्वलित कर विनम्र नमन किया ।

शिक्षित बेरोजगारी, धर्म की आड़ में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती नफरत के खिलाफ तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए साझा संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डीएसएमएम सह संयोजक फतेह सिंह चौधरी, शेर सिंह एवं श्याम सुंदर, अशोक कुमार वर्मा, जीत सिंह, पवन कुमार, कमलेश कुमार, मनोज आर्य, कुलदीप, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति एडवा की जिला सचिव अनीता जाटव, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी की जिला सचिव रईसा, एडवोकेट शन्नो, एसएफआई पूर्व जिला सचिव कपिलदेव, महेंद्र सिंह सहित बढ़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

'शिक्षा चरित्र निर्माण का आधार'

टोंक। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को मुख्यालय के एक निजी रिसोर्ट में पीएम श्री विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के आमुखीकरण कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया। इस मौके पर दिलावर ने कहा कि शिक्षा मानवीय मूल्यों एवं चरित्र निर्माण का आधार होना चाहिए, शिक्षकों को किताबी ज्ञान के साथ बच्चों में व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए सार्थक प्रयास करने होगें, ताकि हमारे बच्चे किसी भी स्तर पर पीछे नही रहें। हमारा दायित्व है कि बच्चों में सर्वांगीण शिक्षा का विकास हो तथा वह जिस क्षेत्र में भी जाये वहां अपने देश, समाज एवं परिवार का नाम रोशन करें। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान में विगत दो वर्ष में शिक्षा में कई नवाचार किये गये है। इससे न केवल शिक्षा के स्तर में सुधार आया है, बल्कि बच्चों के नैतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान में भी बढ़ोतरी हुई है। देश में राज्य ने शिक्षा के स्तर में सुधार को लेकर लंबी छलांग लगाई है।

डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि

टोंक। भाजपा जनसेवा संवाद केंद्र पर सामाजिक न्याय के पुरोधा, वंचितों और शोषितों के प्रखर स्वर संविधान शिल्पी भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि बाबा साहेब का जीवनदर्शन, संघर्ष और विचार हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी एवं पथप्रदर्शक हैं, भारत के निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान को भुलाया नही जा सकता।

बैठक में वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान पर चर्चा

टोंक। राष्ट्रीय कांग्रेस संगठन के आव्हान पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में वोट चोरी रोकने के महाअभियान एवं वोट चोर गद्दी छोड अभियान को लेकर दिल्ली में प्रस्तावित महारैली की तैयारी के लिए जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा निवर्तमान जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा के अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से जिला संगठन प्रभारी आमेर विधायक प्रशांत शर्मा उपस्थित रहे, विधायक शर्मा ने कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में होने वाली महारैली एक ऐतिहासिक रैली होगी जिसमें लाखों की तादाद में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि हम सब कांग्रेसियों का दायित्व है कि हम रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे, इस दौरान उन्होंने जिलाध्यक्ष और ब्लॉक और मंडल अध्यक्षों को अपने क्षेत्र में सक्रिय रूप से रहकर कार्यकर्ता व पदाधिकारीयों को अधिक से अधिक संख्या में ले जाने के लिए आव्हान किया।

सहकारी संस्थाओं, विद्यालय, पशु चिकित्सालय का निरीक्षण

दौसा। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने शनिवार को दौसा शहर में सहकारी संस्थाओं, बनियाना विद्यालय, बड़ागांव पशु चिकित्सालय एवं बापी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जिला कलक्टर ने दौसा केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड की दौसा शाखा के निरीक्षण के दौरान ग्राहकों एवं किसानों को प्रदान की जा रही बैंकिंग सुविधाओं एवं वर्ष के दौरान अर्जित प्रगति की समीक्षा की। जिला कलक्टर ने निरीक्षण के दौरान शाखा परिसर में साफ-सफाई, ग्राहकों के बैठने के लिए उचित स्थान, पीने का पानी जैसी सामान्य सुविधाएं सुचारू रखने के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान बैंक के मुख्य प्रबन्धक जितेन्द्र कुमार शर्मा ने अवगत करवाया कि बैंक की ओर से क्षेत्र के किसानों को अल्पकालीन फसली ऋण के साथ राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी ऋण योजनाओं यथा सहकारी गोपाल किसान क्रेडिट कार्ड ऋण, राजस्थान सहकारी आजीविका विकास ऋण, सहकार किसान कल्याण ऋण, पॉली हाऊस ऋण, कृषक मित्र योजना एवं अन्य ऋण योजनाओं का लाभ किसानों एवं ठामीणों को प्रदान किया जा रहा है। बैंक के अमानतदारों को एनईएफटी, आरटीजीएस, यूपीआई, एसएमएस अलर्ट, ई-मेल स्टेटमेन्ट, रूपै डेबिट कार्ड आदि सीबीएस सुविधाएं उपलब्ध करवायी जा रही हैं। जिला कलक्टर ने दौसा क्रय-विक्रय सहकारी समिति के निरीक्षण के दौरान किसानों से समर्थन मूल्य पर की जा रही दलहन एवं तिलहन की खरीद की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश प्रदान किए। साथ ही, दौसा सहकारी उपभोक्ता भण्डार में संचालित श्री अन्न मिलेट्स केन्द्र का भी निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देशित किया। इस मौके पर बैंक अधिकारी गौरव कथूरिया व पवन कुमार गुप्ता भी उपस्थित थे। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने श्री दामोदर प्रसाद खंडेलवाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बनियाना का निरीक्षण कर विद्यालय की आईसीटी लैब, साइंस लैब, व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत संचालित आईटी लैब एवं हेल्थ केयर लैब की गहनता से जांच की और विद्यार्थियों से सवाल-जवाब किए। उन्होंने 12 वीं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों से पौधों के पत्तों का हरे रंग का होने का कारण, गुणसूत्र, डब्ल्यूबीसी-आरबीसी आदि की जानकारी परखी।

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that the Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF & CC), has accorded Environmental Clearance for Proposed Construction of Residential Apartment "The Generals Retreat" at Khasra no 211, Plot No. 9 (Phase II), Sardar Patel Marg, Jaipur (Raj) which is promoted by M/s TRIMURTY LANDCON (INDIA) PRIVATE LIMITED vide File no. 21-480/2024-IA III dated 02/01/2025. General Public is further informed that copy of said Environmental Clearance letter is available on the websites of https://parivesh.nic.in/ For M/s TRIMURTY LANDCON INDIA (PRIVATE) LIMITED

तोपखाना देश गृह निर्माण सहकारी समिति लि.
मंत्री कार्यालय 2, हथरोई, अजमेर रोड़, जयपुर
सूचना
श्री कैलाश शर्मा पुत्र श्री भंवर लाल शर्मा निवासी टोंक फाटक, जे.पी. कोलोनी, जयपुर द्वारा समिति को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर समिति की योजना **बुध विहार के भूखण्ड संख्या 238** के मूल आवंटन पत्र, साइट प्लान एवं रसीद इत्यादि जो कि **श्री कैलाश शर्मा पुत्र श्री भंवर लाल शर्मा के नाम से दिनांक 06.06.1995** को जारी होना बताया गया है, का गुम होना बताया है। उपरोक्त भूखण्डधारी द्वारा समिति से डुप्लीकेट दस्तावेज चाहे गये है। यदि किसी को आपत्ति हो तो 7 दिवस में समिति कार्यालय को अवगत करावें अन्यथा समिति द्वारा उक्त भूखण्ड के डुप्लीकेट दस्तावेज प्रार्थी द्वारा दिये गये दस्तावेजों के अनुसार जारी कर दिये जावेंगे।
वास्ते तोपखाना देश गृह निर्माण सहकारी समिति लि.
दिनांक : 05.12.2025 जरिये अध्यक्ष

राजस्थान आवासन मण्डल
वृत-तृतीय, जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल, जयपुर
क्रमांक 4763 दिनांक 01/12/2025
-: आम जाहिर सूचना :-
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या 5/MA/68 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर क्षेत्रफल 97.60 वर्ग मीटर का आवंटन श्री मूल चन्द पुत्र श्री रामकिशन को किया गया था। मूल पट्टा अपंजीबद्ध है।
तत्पश्चात श्री मूल चन्द पुत्र श्री रामकिशन के द्वारा उक्त अपंजीबद्ध पट्टे का मुख्त्यारनामाआम श्री कांती लाल सेठ पुत्र श्री माणक चन्द सेठ को नियुक्त किया गया। उक्त मुख्त्यारनामाआम अपंजीबद्ध है।
तत्पश्चात मुख्त्यारनामा आम धारक श्री कान्ती लाल सेठ के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्रीमती सुशीला देवी अग्रवाल पत्नी श्री कैलाश चन्द अग्रवाल को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 25/06/2008 को पंजीबद्ध है।
तत्पश्चात श्रीमती सुशीला देवी अग्रवाल पत्नी श्री कैलाश चन्द अग्रवाल ने उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्री चौबे लाल मीना पुत्र श्री राम भरोसी मीना को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 28/02/2013 को पंजीबद्ध है।
श्री चौबे लाल मीना पुत्र श्री राम भरोसी मीना के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का नवीन पट्टा अपने पक्ष में जारी करवाने हेतु आवेदन किया गया है। जिसके क्रम में आवेदक के द्वारा प्रस्तुत प्रपत्रों में मुख्त्यारनामाआम की छाया प्रति प्रस्तुत की गयी है। उक्त हस्तान्तरण अथवा मुख्त्यारनामा आम के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री चौबे लाल मीना पुत्र श्री रामभरोसी मीना का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर उनके पक्ष में उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा जारी करने की कार्यवाही कर दी जायेगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

खोया पाया

मैं मधु पत्नी श्यामबाबू जाति वैश्य निवासी पवन कुंज कॉलोनी, तहसील कामां, जिला डीग (राज.) शपथपूर्वक यह है कि मैंने अपना नाम मधु खंडेलवाल पत्नी श्यामबाबू परिवर्तित कर लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

नाम परिवर्तन

मैं, Samundar Kanwar wife of No. 07762305 L/NK रेवत सिंह (लेट रिटायर्ड), VPO-परडोली बड़ी, सीकर (राजस्थान)। मेरे पति के सर्विस डॉक्यूमेंट में मेरा नाम Samunder Kaur और D.O.B. 01.07.1937 गलत दर्ज है। मेरे डॉक्यूमेंट्स आधार/PAN कार्ड में मेरा सही नाम Samundar Kanwar और D.O.B. 01.01.1933 है।

कार्यालय ग्राम पंचायत बलरिया,
पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा, जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-2025-26/31 **ई-निविदा सूचना संख्या-04/2025-26** दिनांक-1/12/25
पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा के अधीन ग्राम पंचायत बलरिया में एसबीएम+पन्द्रहवा वित्त आयोग ग्राम पंचायत मद योजनान्तर्गत कचरा संग्रहण केन्द्र निर्माण निर्माण कार्य बलरिया हेतु निर्धारित प्रपत्र मे निविदा दर (तकनिकी एवं वित्तीय अलग अलग) निविदा से संबंधित नियम, शर्तें एवं सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेवसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किया जा सकता है। **NIB No. ZSM2526A0685, UBN No. ZSM2526WSOB00780**
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत बलरिया पं.स.चौथ का बरवाड़ा (स.मा.)
प्रशासक ग्राम पंचायत बलरिया पं.स.चौथ का बरवाड़ा (स.मा.)

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज.)

क्रमांक:-3978 दिनांक: 05.12.2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण एवं हितधारकों को सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदकान द्वारा 90ए/90 बी के अन्तर्गत अपने भूखण्ड का नियमन कर पट्टा चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया, जिनके आवेदन पत्र परिषद में प्रक्रियाधीन हैं।

अत: कोई व्यक्ति/संस्था/हितधारक उक्त पत्रावलियों/दस्तावेजों का अवलोकन करना चाहे अथवा कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहे तथा किसी भी आवेदक की पत्रावली के संबंध में कोई जानकारी चाहते हो, वह अन्दर अवधि 07 योम/दिवस लिखित रूप में अपनी आपत्ति/उज्र इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है, वाद गुजरने म्याद कोई आपत्ति स्वीकार/समाहित नही की जावेगी तथा पट्टा जारी करने की कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।

क्र.सं.	नाम आवेदक	पिता/पति का नाम	खसरा नं.	भूखण्ड सं.	वर्गगज
1	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	18,19	201.66
2	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	12,13	280
3	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	33,34	165
4	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	27	98.67
5	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	24,25	288.48
6	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	16,17	212.5
7	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	10	141.1
8	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	09	146.66
9	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	26	126.66
10	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	23	170
11	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	22	133.33
12	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	21	133.33
13	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	20	219.24
14	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी ला मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	32	120
15	श्री मनमोहन शर्मा	श्री रामरतन शर्मा	6989	58	146.78
16	श्रीमति सुगन बाई	श्री रामनिवास	7224	22	100
17	श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा श्री मधुसुदन शर्मा	स्व श्री राधावल्लभ शर्मा	499,500	39.40	266.66
18	श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता	श्री दिनेश चंद गुप्ता	4881	04	138.33
19	श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता	श्री दिनेश चंद गुप्ता	4881	03	128.33
20	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	29	209.5
21	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	07	137.76
22	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	06	149.43
23	श्री लज्जाराम जंगम	श्री बाबू लाल जंगम	5232	50	140
24	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	08	139.16
25	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	14,15	208.33
26	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	5	167.5
27	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	07	137.76
28	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	7255	01,02	266.66
29	श्रीमति विजय देवी	श्री ओमप्रकाश शर्मा	4934	27	166
30	श्री विष्णु चंद शर्मा श्री शम्भूदयाल शर्मा	स्व. श्री सियाराम शर्मा	7036	11	133.33
31	श्री मांगीलाल जाटव	श्री घमण्डी जाटव	6988	19	182.77
32	श्री कृष्ण प्रताप सिंह	चौरजी सिंह	500	05	133.33
33	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	28	204.69
34	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	11	149.58
35	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	31	124.16
36	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	03.04	176.66
37	श्री रामलखन मीना, श्री शिवकैलाश मीना, श्री जयसिंह मीना	श्री रामभरोसी मीना, श्री मांगी लाल मीना, श्री रंगलाल मीना	5078	01,02	196.66
38	श्री नरेन्द्र कुमार मीना	श्री रामनाथ मीना	5709,5703	08	170
39	श्री हरिचरण लाल गुप्ता	श्री प्रभु लाल गुप्ता	4755,4756	3/2	449.77
40	श्रीमति विमला	श्री माधौलाल	4934	94	194.44
41	श्री जगन लाल सैनी	श्री चुन्नी लाल सैनी	5606	112	112
42	श्रीमति धर्म बाई	श्री राजपाल मीना	6979	....	126.49
43	रूखसाना	अब्दुल हलीम	7255	01.02	266.66
44	श्रीमति अंगूरी	श्री रामकुमार	5058,5059	32	163.33
45	श्रीमति कृष्णा गौड	श्री सतीष	828/9783	131	142.22
46	श्री टिंकु सैनी	श्री बच्चू सिंह सैनी	8273,8274	08	113.88
47	श्री मदन मोहन गुप्ता	श्री रामविलास गुप्ता	7001	ए	585.55
48.	श्री हेमराज मीना	श्री रामकेश मीना	8273,8274	65	788.33
49.	श्री राजाराम	श्री रामचरण	8273,8274	62	183

आयुक्त
नगरपरिषद, करौली

पांच मंजिला इमारत में दरारें आई, बिल्डिंग एक ओर झुकी तो 2 क्रेन से सहारा देकर धराशयी होने से रोका

मालवीय नगर स्थित गिरधर मार्ग पर निर्माणाधीन बिल्डिंग में बड़ा हादसा होते-होते बचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में मालवीय नगर क्षेत्र स्थित गिरधर मार्ग पर निर्माणाधीन 5 मंजिला बिल्डिंग में अचानक दरारें आने और इमारत का झुकाव एक तरफ होने से हड़कंप मच गया। इमारत को नीचे गिरने से रोकने के लिए दो क्रेन का सहारा देकर रोका गया।

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, जयपुर विकास

- पुलिस ने आसपास का पूरा क्षेत्र खाली कराया, ट्रैफिक डायवर्ट कर लोगों की आवाजाही भी रोकी
- जेडीए, नगर निगम और सिविल डिफेंस टीम ने किया मौका निरीक्षण

मालवीय नगर इलाके में गिरधर मार्ग पर निर्माणाधीन बिल्डिंग में दरारें आने और इमारत का झुकाव एक ओर से हड़कंप मच गया। इस घटना से आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरा इलाका खाली करवाया, स्थानीय लोगों ने भी घटना के बारे में प्रशासन को जानकारी दी। फोटो-राष्ट्रदूत

प्राधिकरण और नगर निगम के अफसरों ने भी सिविल डिफेंस के साथ मौका निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को खाली करवाया है, साथ ही यहां से गुजरने वाले ट्रैफिक को भी डायवर्ट किया है। बताया जा रहा है कि मालवीय नगर में गिरधर मार्ग पर निर्माणाधीन इस बिल्डिंग से सटाकर अग्रवाल ईएनटी हॉस्पिटल संचालित है, जबकि बिल्डिंग के सामने सामने रोड पार करते ही पेट्रोल पंप है। बिल्डिंग के दूसरी तरफ एक कॉमर्शियल बिल्डिंग बनी है।

बताया जा रहा है कि शनिवार को निर्माणाधीन बिल्डिंग के बेसमेंट में मिट्टी खिसकने से पूरी इमारत में दरारें आई हैं। सूचना मिलने पर प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आसपास की इमारतों और इलाके को खाली करवा दिया। साथ ही, यहां से गुजरने वाले ट्रैफिक को भी डायवर्ट कर दिया गया। बिल्डिंग को सहारा देने के लिए मौके पर 2 क्रेन लगाई गई है, ताकि बिल्डिंग गिर ना जाए।

स्थानीय बीजेपी नेता और महिला आयोग की पूर्व चेयरपर्सन सुमन शर्मा का कहना है कि, समय रहते बिल्डिंग में हुई इस तकनीकी खामी का पता चल गया, इस कारण बड़ा हादसा होने से टल गया। जेडीए और नगर निगम की टीम सिविल डिफेंस के साथ मिलकर बिल्डिंग का निरीक्षण करेगी और जरूरत पड़ने पर पूरी बिल्डिंग को गिराया भी जा सकता है।

जेडीए के तरफ से अब इस बिल्डिंग को गिराने के संबंध में लीगल और तकनीकी दोनों राय ली जा रही है। अगर दोनों ही राय जेडीए के फेवर में आती है तो संभावना है कि कल जेडीए इस बिल्डिंग को ध्वस्त करने की कार्रवाई कर सकता है। हालांकि प्रशासन की ओर से अभी कुछ बयान नहीं आया है।

हाईकोर्ट के आदेश पर अतिक्रमण नहीं हटा तो 3 साल बाद लगी अवमानना याचिका

वैशाली नगर क्षेत्र में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और अनाधिकृत गेट हटाने के लिए राजस्थान हाईकोर्ट ने वर्ष 2022 में दिए थे आदेश

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश के 3 साल बाद भी वैशाली नगर क्षेत्र में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और अनाधिकृत गेटों पर कार्रवाई नहीं हुई। इस पर परिवादी हर्ष कुमार ने अब पुन: हाईकोर्ट पहुंचकर अवमानना याचिका दायर की है।

हर्ष के अधिवक्ता मनीषा मीणा ने बताया कि, राजस्थान हाईकोर्ट ने वर्ष 2022 में जयपुर के वैशाली नगर में सहकारी समिति द्वारा बसाई गई कॉलोनी के आसपास अवैध निर्माण, अतिक्रमण और अनाधिकृत रूप से बने गेटों को हटाने के लिए जेडीए के जोन-7 प्रशासन को आदेश दिए थे।

उस समय अदालत ने जेडीए को निर्देश दिए थे कि, 3 माह में स्थानीय लोगों के साथ मिलकर अवैध अतिक्रमण चिन्हित करें और उन पर तुरंत कार्रवाई की

- कुछ स्थानीय लोगों ने हाईकोर्ट पहुंचकर अवमानना याचिका प्रकरण में कार्रवाई के आदेश से पूर्व उनका पक्ष सुनने का आग्रह किया, परंतु अदालत ने इन लोगों को 8 दिसंबर को जेडीए उपायुक्त के समक्ष अपना पक्ष रखने को कहा है।

जाए। परंतु हैरानी की बात यह है कि जेडीए के अफसरों ने उच्च न्यायालय के आदेश के 3 साल बाद तक इस प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं की। इस कारण अब पीड़ित हर्ष कुमार ने पुन: राजस्थान हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की है।

इस अवमानना याचिका में पक्षकार बनने के लिए कई स्थानीय लोगों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.के. अग्रवाल ने हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखना चाहा और कहा कि इस क्षेत्र में उनके मुवक्किल की 20 वर्ष से ज्यादा पुरानी दुकानें और मकान हैं। ऐसे में अतिक्रमण हटाने के आदेश से पूर्व अदालत उनका पक्ष भी सुने। उच्च न्यायालय ने इन लोगों को कहा कि, उन्हें इस अवमानना याचिका में शामिल नहीं किया जा सकता। अगर किसी व्यक्ति को कोई पक्ष रखना है तो वह जेडीए के समक्ष 8 दिसंबर 2025 को सुबह 11 बजे उपायुक्त से मिल सकता है। उधर जेडीए के अधिवक्ता ने हाईकोर्ट में कहा कि, जेडीए प्रशासन ने इस पूरे क्षेत्र में पीटी सर्वे करवा लिया है। शेष जांच चल रही है।

विधवा ने परिचितों पर लगाया पति की हत्या का आरोप

जयपुर। बगरु थाना इलाके में एक विधवा महिला ने अपने पति के दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर तीन परिचितों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जांच अधिकारी एएसआई रामसिंह यादव ने बताया बगरु स्थित सांझरिया गांव निवासी मुकेश जांगिड़ (38) पुत्र रामजीलाल की शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मेडिकल इत्तला मिलने पर पुलिस बगरु के सीएचसी अस्पताल पहुंच और शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

वहीं मृतक की पत्नी तारा देवी का आरोप है कि 4 दिसम्बर को उसके तीन दोस्त मोहन लाल, कानाराम व छोटू सिंह ने उधार दिए गए रुपयों को लौटाने

- आरोप है कि उधारी के पैसे लेने का झांसा देकर परिचतों ने मिलने के लिए बुलाया था
- महिला की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

का झांसा दिया और मिलने के लिए बुलाया। मुकेश आरोपियों के पास पैसे लेने के लिए चला गया और शाम 6 बजे नशे की हालात में घर लौटा और तबियत खराब होने की बात कह कर सो गया। जिसके बाद उसकी मौत हो गई। आरोप है कि शराब में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाने से मुकेश की मौत हुई है।

कालवाड़ रोड पर खुदाई के दौरान टूटी गैस पाइपलाइन

जयपुर । कालवाड़ रोड पर शनिवार सुबह बीसलपुर पानी की लाइन डालते वक्त जेसीबी से खुदाई करते वक्त सीएनजी गैस की पाइन लाइन लीकेज हो गई। गैस लाइन लीकेज होने की सूचना पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई और स्थानीय लोगों ने दहशत का माहौल बन गया। घटना स्थल से पहले ही वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात जाम हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंची करधनी थाना पुलिस ने सीएनजी के टेक्निकल अधिकारियों को मामले से अवगत करवाते हुए गैस सप्लाई बंद करवाई। सूचना पर सीएनजी गैस लीकेज को सही करने पहुंचे टेक्निकल कर्मचारियों ने करीब आधा घंटे की कडी मशक्कत के बाद टूटी हुई गैस लाइन को सही कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने यातायात सुचारु करवाया।

थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि झोटवाडा एसीपी ऑफिस के पास बीसलपुर पानी की लाइन डालने का कार्य चल रहा है। शनिवार सुबह जेसीबी से खुदाई करते वक्त टोरेंट कंपनी की गैस

- बीसलपुर पेयजल सप्लाई की लाइन डालते के लिए खुदाई के दौरान टूटी लाइन
- पाइपलाइन से गैस लीकेज होने से लोगों में दहशत फैली, पुलिस ने तुरंत टेक्निकल अफसरों को सूचित कर गैस सप्लाई बंद करवाई

लाइन क्षतिग्रस्त हो गई ओर उसमें से गैस लीकेज शुरु हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामले की जानकारी टोरेंट कंपनी के अधिकारियों को दी। जिसके बाद कंपनी के टेक्निकल अधिकारियों ने गैस सप्लाई को तुरंत बंद कर दिया। मौके पर पहुंची टेक्निकल टीम ने करीब आधा घंटे की कडी मशक्कत के बाद टूटी हुई गैस लाइन को सहीं कर दिया। जिसके बाद गैस सप्लाई सुचारु की गई।

डीएलबी निदेशक व जयपुर निगम कमिश्नर ने लिया प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों का जायजा

जलमहल पर रंग रोगन, जालियों की मरम्मत और सफाई अभियान का निरीक्षण

जयपुर । आगामी 10 दिसंबर को आयोजित हो रहे प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारीयों को लेकर शनिवार को स्वायत्त शासन निदेशक प्रतीक जुईकर और डॉ. गौरव सैनी ने शहर की सफाई व्यवस्था एवं सौंदर्यकरण के संबंध में तैयारियों का जायजा लिया।

नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने सर्वप्रथम जेएलएन मार्ग से अपना दौरा शुरू किया, जिसके बाद

- हवामहल के सामने अस्थाई अतिक्रमण देखकर नाराजगी जताई और तुरंत हटाने के आदेश दिए

वे मोती डूंगरी गणेश मंदिर सांगानेर, चौड़ा रास्ता, आमेर होते हुए जल महल की पाल पर पहुंचे। जल महल की पाल पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने जल महल की पाल पर चल रहे रंग रोगन कार्य, जालियों के मरम्मत कार्य और यहां चलाये जा रहे सफाई अभियान का निरीक्षण किया। उन्होंने निगम के इंजीनियर विंग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार, जोन उपायुक्त सीमा चौधरी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता

जलमहल की पाल पर पहुंचकर डीएलबी निदेशक प्रतीक जूईकर और जयपुर नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने प्रगतिरत कार्यों का जायजा लिया।

श्रवण वर्मा, अधीक्षण अभियंता किशनलाल मीणा, अधिशाषी अभियंता बहादुर सिंह सहित अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को अवैध बैनर, पोस्टर हटाने निराश्रित गायों को हिंगोनिया गौशाला भेजने के निर्देश दिए। साथ ही जहां-जहां पर टूटे हुए डस्टबिन मिले, उनकी मरम्मत करवाने अथवा बदलवाने के निर्देश दिए। हवा महल रोड पर आयुक्त ने अस्थाई अतिक्रमण देखकर नाराजगी जाहिर की तथा तत्काल रूप से हटाने के निर्देश दिए।

राजस्थान गृह रक्षा स्थापना दिवस पर उत्कृष्ट सेवा के लिए डिस्क प्रदान की

राजस्थान गृह रक्षा स्थापना दिवस समारोह में शनिवार को उत्कृष्ट सेवा के लिए अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

जयपुर । देश की आंतरिक सुरक्षा और नागरिक सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गृह रक्षा विभाग का 63वां स्थापना दिवस केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गृह रक्षा जयपुर में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महानिदेशक एवं महासमादेष्टा गृह रक्षा मालिनी अग्रवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भव्य परेड की सलामी ली। पर निदेशक केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गृह रक्षा द्वारा भारत सरकार के गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, विभागीय मंत्री बाबूलाल खराडी के प्रेरक संदेशों का पठन किया गया।

मुख्य अतिथि अग्रवाल द्वारा विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जाँबाज़ अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। वर्ष 2024 के लिए भारत सरकार गृह मंत्रालय नई दिल्ली से घोषित डीजीसीडी कमेन्डेशन डिस्क एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। समादेष्टा स्वाति शर्मा को सिल्वर डिस्क मय प्रशस्ति पत्र, जबकि प्लाटून कमाण्डर सत्यनारायण देवडा को ब्रॉन्ज डिस्क मय प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त चार अन्य कर्मचारियों व स्वयंसेवकों को भी ब्रॉन्ज डिस्क प्रदान किए गए। स्थापना दिवस 2025 के अवसर पर डीजी गृह रक्षा अग्रवाल ने कुल 21 अधिकारियों, कार्मिकों और स्वयंसेवकों को महानिदेशक प्रशस्ति पत्र एवं प्रशस्ति डिस्क से सम्मानित किया। इसमें 3 अधिकारियों, 6 कार्मिकों, और 4 स्वयं सेवकों को डिस्क मय प्रशस्ति पत्र दिया गया। जबकि 8 मंत्रालयिक कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर राजस्थान के लिए गर्व की बात रही कि गृह मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा 5 अधिकारियों सहित कुल 9 कार्मिकों के लिए राष्ट्रीय स्तर के पदकों की घोषणा की गई। गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा रजत पदक एवं प्रशस्ति पत्र के लिए समादेष्टा सुमन द्वाका और उप समादेष्टा रामजी लाल का नाम घोषित हुआ है। वहीं कांस्य पदक एवं प्रशस्ति पत्र के लिए उप महा समादेष्टा बादोराव मीणा, उप समादेष्टा धर्म सिंह बांकावत और प्रियंका कडवासरा सहित 3 कार्मिकों और 2 स्वयंसेवकों के नामों की घोषणा की गई।

सार-समाचार

सरस संकुल में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

जयपुर । जवाहरलाल नेहरू मार्ग स्थित सरस संकुल मुख्यालय परिसर में शनिवार प्रात: 8 बजे कैलाश दुग्धीश्वर महादेव की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इस शुभ अवसर पर शिव पंचायत एवं भगवान हनुमान जी की प्रतिष्ठापना की गई। राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की प्रशासक एवं प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने समस्त अधिकारियों के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन, हवन पूरे विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की। पंडित उमाशंकर मिश्र एवं उनके सहयोगियों ने पूजा अर्चना करवाई। कैलाश दुग्धीश्वर महादेव मंदिर की स्थापना के बाद सभी श्रद्धालुओं एवं उपस्थितजनों को भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर जयपुर डेयरी के अध्यक्ष श्री ओम पूनिया सहित आरसीडीएफ एवं जयपुर डेयरी के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ यह आयोजन सरस संकुल परिवार के लिए एक महत्वपूर्ण और पावन क्षण रहा।

पुलिया निर्माण का शिलान्यास किया

जयपुर । मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 126 सेक्टर 6 और 15 के मध्य नाले पर नगर निगम द्वारा बनाई जा रही नई पुलिया के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने बताया कि सेक्टर 6 और 15 के मध्य नाले पर जो पुलिया बनी हुई है, वह काफी समय से क्षतिग्रस्त है। स्थानीय लोगों की मांग पर विधायक सराफ के प्रयास से नगर निगम द्वारा एक करोड़ रूपये की लागत से नई पुलिया का निर्माण करवाया जा रहा है, जिसका शनिवार को शिलान्यास किया गया। नटवर कुमावत ने बताया कि सेक्टर 15 मालवीय नगर में विधायक कोष द्वारा प्रदत्त राशि से 6 सुरक्षा गेट लगवाए गये, जिनका सराफ ने शनिवार को लोकार्पण किया। स्थानीय लोगों एवं विकास समिति के सदस्यों के द्वारा सराफ का जोरदार स्वागत कर आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर सेक्टर 6 विकास समिति अध्यक्ष मोहन चावला, सेक्टर 12 विकास समिति अध्यक्ष बाबूलाल चौधरी,सेक्टर 15 विकास समिति अध्यक्ष गंगाविष्णु चौहान,ओम स्वामी मंडल अध्यक्ष हरीश खड़िया, वी डी बंसीवाल, रोहित खन्ना, मानसिंह खन्ना, रामप्रसाद शर्मा, हिमांशु जैन, नरेंद्र सिंह, अशोक चौधरी, गजेंद्र सिंह, जयनायक एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

मुरलीपुरा में जनजागरण रैली निकाली

जयपुर । अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से मुरलीपुरा की शंकर विहार कॉलोनी स्थित नव दुर्गा वाटिका (पार्क) में रविवार, 7 दिसंबर को मां दुर्गा की नौ प्रतिमाओं और नव दुर्गा से जुड़े 9 औषधीय पौधों के मध्य पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ से पूर्व शनिवार को पतजंलि किसान सेवा समिति और उत्थान सेवा समिति की ओर से सुबह जन जागरण और नशा मुक्ति रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से नशा मुक्ति, नारी सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। शाम को नव दुर्गा की सैकड़ों दीपकों से महाआरती की गई। पूरे पार्क में सैकडों दीए जलाए गए जिससे यहां दीपावली का नजारा बन गया।रविवार सुबह नौ बजे शहीदों के परिजन दीप प्रज्जवलित कर गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ करेंगे। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की टोली प्रज्ञा गीतों के साथ यज्ञ संपन्न कराएंगी। यज्ञ के दौरान औषधीय पौधों का पूजन किया जाएगा। यज्ञ निशुल्क है। किसी को कोई सामग्री लाने की आवश्यक्ता नहीं है। गायत्री परिवार की संस्थापक भगवती देवी शर्मा की अगले वर्ष मनाए जाने वाली जन्म शताब्दी वर्ष और अखंड दीपक शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मुरलीपुरा में गत वर्ष निकाली गई ज्योति कलश यात्रा में सहयोग करने वाले लोगों का सम्मान भी किया जाएगा।

सीपीआर और अग्निशमन का प्रशिक्षण

जयपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर शनिवार को 63वां नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस अरावली क्लब गणपति नगर प्रांगण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक जयपुर रवि जैन ने झंडा फहराकर किया। साथ ही अपर मंडल रेल प्रबंधक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रेलवे हॉस्पिटल जयपुर और मंडल के अधिकारियों के साथ-साथ स्काउट्स कैडेट्स और और अलग-अलग स्टेशनों के सभी विभागों के सिविल डिफेंस सदस्यों ने इस समारोह में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। पूजा मित्तल वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर के अनुसार नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस पर उपस्थित स्टाफ को आग बुझाने के लिए अग्निशमन यंत्र और फायर बॉल से लाइव ट्रेनिंग, फर्स्ट एड, सीपीआर और किसी भी आपदा के समय मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी गई। सीनियर डिविजनल सिविल डिफेंस ऑफिसर मनमोहन मीना के नेतृत्व में आपदा बचाव प्रदर्शन स्काउट्स कैडेट्स द्वारा किए गया। साथ ही विंग द्वारा अग्निशमन यंत्र और फायर बॉल से आग बुझाने का लाइव प्रदर्शन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रेलवे हॉस्पिटल जयपुर डॉ. संजय शाह ने सीपीआर तकनीक के बारे में विस्तार से डेमो दिया और बताया कि कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) एक इमरजेंसी प्रोसीजर है, जिसका इस्तेमाल कार्डियक या रेस्पिरेटरी अरेस्ट के दौरान किया जाता है। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि, मंडल रेल प्रबंधक जयपुर रवि जैन ने स्वयंसेवक कैडेट्स और भाग लेने वाले समस्त स्टाफ के प्रदर्शन की सराहना की।

राज्यपाल ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस (7 दिसम्बर) पर राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व होम करने वाले शहीदों का स्मरण करते हुए श्रद्धा-सुमन अर्पित किए है। राज्यपाल ने कहा कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस शहीदो एवं उनके परिजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर हैं। उन्होंने इस अवसर पर सैनिको और शहीदों के परिजनों के कल्याण के लिए सभी से सामर्थ्य अनुसार उदारता पूर्वक सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने सहस्त्र सेना झण्डा दिवस पर देश के सभी जवानों, पूर्व सैनिकों, उनके परिजनों और समस्त देश-प्रदेशवासियों को बधाई भी दी है।

ARBiT
it happens here...

Celebrating Global Connectivity Through Aviation

International Civil Aviation Day is observed every year on December 7 to recognize the importance of aviation in connecting the world. Established by the International Civil Aviation Organization (ICAO) in 1994, the day highlights how air travel fosters global connectivity, trade, tourism, and cultural exchange. It also emphasizes the need for safe, efficient, and sustainable air transport systems. The theme each year focuses on advancing innovation and cooperation in aviation to support the United Nations' goals for sustainable development, reminding the world that civil aviation remains vital to global peace and prosperity.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
07 December 2025
A-B

#THE FREEMAN FIELD MUTINY

A Respect Deserved

This day, 104 Tuskegee Airmen Arrested for Defying Segregation in the U.S. Army Air Corps

The Freeman Field Mutiny stands as one of the most significant moments in the fight for racial integration within the U.S. military. On this day in April 1945, 104 African American officers from the Tuskegee Airmen, a group of pioneering Black aviators, were arrested for challenging segregation at Freeman Field in Indiana, an Army Air Corps base. This event would go on to highlight the tensions of racial segregation in the military, ultimately helping to pave the way for the desegregation of the armed forces after World War II.

The Tuskegee Airmen and Racial Segregation in the Military

The Tuskegee Airmen were a group of African American pilots, navigators, and support personnel who were trained at the Tuskegee Army Airfield in Alabama during World War II. Despite the U.S. military's segregationist policies, the Tuskegee Airmen became the first Black aviators to serve in the Army Air Corps. Over 1,000 men flew combat missions in Europe and North Africa, earning distinction for their bravery and skill.

However, despite their success and heroism, the Tuskegee Airmen faced extreme racial discrimination, both within the military and in broader American society. They were segregated from their White counterparts, given lower ranks and fewer opportunities for advancement. The discrimination extended to all aspects of military life, including the places they could go and the privileges they could enjoy, even while serving their country in wartime.

The Freeman Field Incident: Defying Segregation

The Freeman Field Mutiny occurred in April 1945, when the Tuskegee Airmen were stationed at Freeman Field, which was an Army Air Corps base that trained Black pilots. The incident stemmed from a series of discriminatory policies at the base, specifically the enforcement of segregated officer's clubs.

The Army Air Corps had a Whites-only officers' club at Freeman Field, despite the fact that the Tuskegee Airmen were officers in the U.S. Army Air Corps. This discriminatory rule infuriated many of the men who were not only military officers but had served with distinction in combat. They were subjected to this blatant racial segregation and refused to tolerate it any longer.

In early April 1945, 104 Black officers, led by Lieutenant Colonel B.O. Davis Jr., who was later promoted to the rank of General, defied the segregationist policy and attempted to enter the White officers' club. When the officers tried to access the club, they were denied entry based on the color of their skin. The officers insisted that, as commissioned officers of the U.S. military, they were entitled to access the club, regardless of race.

When the 104 men refused to leave the premises, they were arrested and taken into custody. This act of civil disobedience was a powerful stand against the racial discrimination that Black servicemen were forced to endure in the military. The mutiny was not a violent uprising, but rather a peaceful protest that sought to challenge the ingrained racial segregation of military facilities.

The Aftermath: Arrests and Court Martial Proceedings

After the mutiny, the 104 Black officers were charged with violating base regulations and faced court martial proceedings. The charges against them ranged from disobeying orders to disturbing the peace. However, despite the severity of the charges, the men's arrest and subsequent trials received widespread attention from civil rights activists, the public, and the media.

While many of the officers were found guilty of the charges, the court martial proceedings had little long-term effect on the men's careers. In fact, the incident helped to highlight the absurdity of segregation within the military and the broader society. It brought national attention to the racial injustices faced by the Tuskegee Airmen, and many civil rights organizations, including the National Association for the Advancement of Colored People (NAACP), rallied in support of the men.

Though none of the men were convicted or punished in the long term, the Freeman Field Mutiny was one of the key moments that drew attention to the need for desegregation in the armed forces. In the years that followed, President Harry S. Truman would sign an executive order in 1948, officially ending racial segregation in the U.S. military, under the Executive Order 9981.

Asif Ullah Khan
A veteran journalist who has written for The Khaleej Times and The Brunei Times.

120 Bahadur, Paltan
Legends Of Indian Courage

The defeat in the 1962 war hung heavy over India. It affected not only military morale but also the national psyche. But the Indian Army, resilient and introspective, spent the following years rebuilding, reorganising, and preparing for the future. By 1967, the situation on the India-China border had shifted. The Sikkim border, then a protectorate under India, became a hotspot of escalating tensions. China wanted to extend its control; India was determined not to cede an inch. This set the stage for the Battle of Nathu La, a confrontation that would permanently alter India's relationship with China.

Col Bishan Singh with the then Gen Chibber during the Army Day Parade in Jammu. Col Bishan Singh led the parade.

Col Bishan Singh being awarded Sena Medal by the then Army Chief Gen P P Kumaramangalam.

#INDIAN SOLDIERS

Col Bishan Singh, wife, Jatan Kanwar and other family members.

Two filmmakers, two eras, two cinematic styles, connected by one timeless truth: the courage and sacrifice of Indian soldiers is eternal. Farhan Akhtar's recently released *120 Bahadur* and J.P. Dutta's *Paltan* (2018) portray different battlefields of the India-China conflict, separated by five tumultuous years of geopolitical tension. Yet, the soul of both films is the same: in the harshest, most unforgiving conditions, Indian soldiers, many of them from the rugged lands of Rajasthan, stood like mountains, unshakable and unbroken.

Where 120 Bahadur brings alive the legendary Battle of Rezang La of 1962, Paltan resurrects the lesser-known but equally significant 1967 clash at Nathu La. Both battles, though separated in time and terrain, represent chapters of extraordinary defiance, stories carved into the granite of Indian military history. And in telling these stories, both Farhan and Dutta have been driven by the same conviction: these sacrifices must never fade from public memory.

The Battle of Rezang La (1962): When 120 Men Made History

The Battle of Rezang La is one of the most heroic last stands in the history of modern warfare. Situated at an icy 16,000 feet in Ladakh, Rezang La was a remote, wind-swept mountain pass where survival itself was a challenge, let alone war.

On the morning of 18 November 1962, just 120 soldiers of Charlie Company, 13 Kumaon Regiment, almost all of them Ahirs from the plains of Haryana, found themselves facing a massive Chinese assault. The company was commanded by Major Shaitan Singh, a soft-spoken but iron-willed officer from Rajasthan. His leadership would later become the stuff of legend.

The Chinese launched wave after wave of attacks, sometimes, with forces ten times larger than ours. The temperature was around -30°C, the oxygen thin, and the men exhausted. But the defence they put up defied all known military logic and training. Out of the 120 soldiers, 114 were martyred. Most were found still lying in their trenches, frozen in firing positions, their fingers still on their triggers, rifles pointing towards the enemy.

Rezang La became a symbol of what it means for a soldier to fight to the last breath, the last bullet, the last heartbeat. It was here that Major Shaitan Singh, mortally wounded but refusing evacuation, continued directing his men until the very end. For this unmatched gallantry, he was awarded the Param Vir Chakra, India's highest wartime gallantry honour.

This is the emotional spine of Farhan Akhtar's *120 Bahadur*, a film that reintroduces the nation to a battle that should be spoken of alongside Thermopylae, Saragarhi, and other iconic last stands of world history.

The Road From Rezang La to Nathu La: A Nation Seeking Redemption

The defeat in the 1962 war hung heavy over India. It affected not only military morale but also the national psyche. But the Indian Army, resilient and introspective, spent the following years rebuilding, reorganising, and preparing for the future.

By 1967, the situation on the India-China border had shifted. The Sikkim border, then a protectorate under India, became a hotspot of escalating tensions. China wanted to extend its control; India was determined not to cede an inch.

This set the stage for the Battle of Nathu La, a confrontation that would permanently alter India's relationship with China.

The Battle of Nathu La (1967): India Strikes Back

If Rezang La was a saga of resistance against impossible odds, Nathu La was the story of decisive Indian retaliation.

Nathu La, perched at 14,200 feet, was, and remains, one of the world's most strategically important mountain passes. In 1967, the Chinese PLA repeatedly attempted to encroach upon Indian positions, testing boundaries both literally and metaphorically. Major (later Colonel) Bishan Singh of 2 Grenadiers, the protagonist of *Paltan*, was at the centre of these confrontations. Known for his calm authority and clear strategic mind, he was responsible for holding the forward positions under tremendous provocation. On 11 September 1967, tensions erupted into a full-fledged battle. What began as an attempt by China to alter the boundary line led to fierce exchanges of artillery, infantry fire, and close-quarters combat. The Indian Army held its ground with remarkable determination.

Col Bishan Singh with J.P Dutta, director of *Paltan*.

Unlike 1962, India gave a decisive response, causing significant Chinese casualties and forcing a retreat. It was one of the rare occasions in post-1945 history when China faced a clear battlefield setback. This victory restored Indian morale and sent a message across the Himalayas: 1962 would never happen again.

Colonel (Retd.) Bishan Singh, who later settled in Jaipur and passed away in 2023, often wondered why it took so long for the nation to recognise the soldiers of Nathu La. "After the debacle of 1962, this was the first time India gave a befitting reply to China," he once told me. "It lifted the morale of our soldiers."

His book *Transcending Sorrow & Suffering (Trust-Test-Taste)* is a unique military and spiritual document, part wartime memoir, part philosophical reflection.

"What began as a small skirmish on 6/7 September turned into full-fledged battle on 11 September. The Chinese, who had quietly occupied dominating sites around Nathu La, around 5 am opened heavy fire on the Indian soldiers, causing casualties," Col Bishan Singh said.

Col (then Major) Singh, along with Capt P.S. Dagar, asked the soldiers to take cover and fire at the enemy. In the ensuing battle, the Indian forces inflicted heavy casualties on the Chinese and kept the Nathu La. The brave Capt Dagar achieved martyrdom in the action and Col Bishan Singh told me that he still remembers his last words. As he fell to the Chinese bullets, Capt Dagar said: "Dada, I have done my assigned task as you had told me. I am immortal - Sarvada Shakti Shali." Col Singh too was hit by a Chinese MMG fire on his left arm. But he continued firing till he fell unconscious and evacuated to military hospital in Siliguri.

Another interesting anecdote Col Bishan Singh told me was that while he was recovering at a military hospital in Siliguri, his wife Jatan Kanwar was admitted to a Jaipur hospital where she gave birth to new member of the family.

He got this news at the Siliguri hospital. "My senior came to see, and finding me ok, he said congratulations for a good job done nine months ago. You have been blessed with a baby boy."

J.P. Dutta, known for his obsessive attention to detail, visited him several times, gathering first-hand insights that shaped the screenplay of *Paltan*. Many lines spoken by Sonu Sood in the film are taken almost verbatim from Bishan Singh's recollections.

One such line, "Ek baat ka vada hai sir… hamari paltan itihas rachegi," captures the essence of soldiers who knew the odds but never the meaning of retreat.

Two Filmmakers, One Sentiment

Despite portraying different battles, Farhan Akhtar and J.P. Dutta echo the same emotion.

Dutta once told Col Bishan Singh, "Kahaniyan hum nahi banate, Colonel saab… aap log banate hain. Hum sirf unki awaaz ko buland karte hain."

Farhan, too, expressed similar humility at a public event.

"Main kahaniyan dhoondta nahi; un logon se milta hoon jinhone unhe jiya hai. Film toh unki aankhon mein mil jaati hai."

Both filmmakers understood one fundamental truth: the stories were already written in blood, courage, and sacrifice. Cinema merely gives them new life.

Meeting the Tiger of Nathu La

I first met Col. Bishan Singh in 2018, after a journalist friend, Rameshwar Singh, sent me a clipping about Paltan, saying the film was based on the story of his brother-in-law. When I visited his home in Ambabari, I was struck by the quiet spirituality of his drawing room, lined with books on meditation, philosophy, and inner awakening. It was hard to reconcile this serene figure with the soldier who had once stood at the edge of death at Nathu La, leading men through smoke, sleet, and gunpowder.

As we discussed the film, he gazed at the poster and said softly, "I only did my duty. The men who fought beside me, they were the real heroes." That humility is common to soldiers, rare everywhere else.

Two Legends: One Message

Major Shaitan Singh, the Lion of Rezang La.

Major Bishan Singh, the Tiger of Nathu La.

Two officers from different wars, different regiments, and different generations. But their stories converge on one message:

Indian soldiers do not merely fight battles. They create history.

120 Bahadur and Paltan, across two generations of Indian filmmaking, remind us that behind every uniform is a heartbeat, behind every victory a sacrifice, and behind every battle a story waiting to be told. The filmmakers only raised their voices. The soldiers had already written the legends.

rajeshsharma1049@gmail.com

Col Bishan Singh with Sonu Sood.

Col Bishan Singh (then Major) surrounded by the Chinese soldiers during the Nathu La standoff.

#GLOBAL ICON

The Story of Louis Vuitton

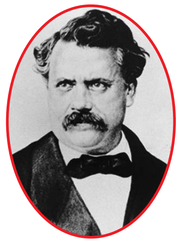

In 1858, Louis Vuitton introduced his revolutionary new design for trunks: a flat-top trunk, rather than the traditional domed variety

Louis Vuitton, the name synonymous with luxury, innovation, and craftsmanship, started his life in relative obscurity. His journey from a modest background to creating one of the most recognized brands in the world is a tale of ambition, creativity, and relentless pursuit of excellence.

Early Life: Born in Rural France

Louis Vuitton was born on August 4, 1821, in the small village of Anchay in the Jura region of France. His father, a farmer, and his mother had little wealth, and when Louis was just 10 years old, his mother passed away, leaving him to be raised by his father and stepmother.

With limited opportunities in his small village, Louis decided to move to Paris at the age of 13 to pursue a better life. The long journey took him two years, walking the 290 kilometers (about 180 miles) from Anchay to the French capital. This was a remarkable feat for a young boy, and it showed his determination early on.

The Early Years: Training as a Craftsperson

Upon arriving in Paris, Louis Vuitton apprenticed with a prominent Parisian box-maker and packer, Monsieur Marechal, who specialized in making high-quality trunks. This was a turning point in Louis's life. Trunks were the primary luggage of the time, but many were bulky, heavy, and often not waterproof. Louis recognized the need for something more efficient and practical.

After honing his skills, he set up his own workshop in 1854, opening Louis Vuitton Malletier (Malletier meaning 'trunk maker' in French) on the Rue Neuve des Capucines in Paris. His goal was to create light-weight, stackable, and durable trunks that would meet the needs of the growing number of travelers in Europe.

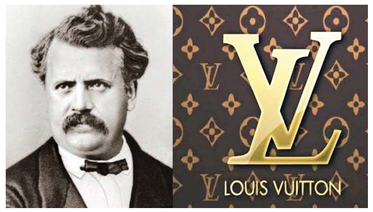

Innovation: The Birth of the Iconic Trunk

In 1858, Louis Vuitton introduced his revolutionary new design for trunks: a flat-top trunk, rather than the traditional domed variety, which made it easier to stack and store. He also used a light gray canvas instead of leather for the outer shell, making it more durable and waterproof. This innovation gained rapid popularity. In 1867, Vuitton's work was showcased at the Exposition Universelle (World's Fair) in Paris, where it received a significant amount of recognition. His reputation grew, and he began attracting elite clients, including royalty and celebrities.

Global Expansion and the Iconic Monogram

In 1871, Louis's son, Georges Vuitton, joined the family business. Georges would go on to play a pivotal role in the brand's future. He helped develop the famous Monogram canvas, which was introduced in 1896. This design, featuring the now-iconic pattern of flowers, diamonds, and the LV initials, was meant to combat counterfeiting, a growing issue as the brand gained in popularity.

By the late 19th century, Louis Vuitton's trunks had become a symbol of wealth, sophistication, and elegance, and the company began to expand its product range to include luxury leather goods, travel accessories, and more.

Louis Vuitton's Legacy

Louis Vuitton passed away in 1892, but the brand he built continued to grow and thrive under the leadership of his son Georges. The company expanded internationally, opening its first store in London in 1885 and continuing to innovate in the field of luxury goods.

Throughout the 20th century, Louis Vuitton's brand became even more synonymous with high-end luxury. The company diversified into handbags, wallets, clothing, and even footwear, becoming a staple in the fashion world.

Louis Vuitton Today

Today, Louis Vuitton is part of the LVMH Group, one of the largest luxury conglomerates in the world, which owns dozens of brands in sectors like fashion, cosmetics, and wines and spirits. The company is still known for its commitment to craftsmanship and quality, and it continues to be a leader in the luxury goods market. Louis Vuitton has evolved into a global symbol of status and sophistication, yet, it remains true to its founder's core values of innovation, quality, and timeless elegance.

The story of Louis Vuitton is one of extraordinary perseverance, vision, and legacy. What started as a small workshop in Paris has grown into one of the most influential and successful luxury brands in the world. Louis Vuitton's ability to innovate and adapt to the changing times has ensured his place not just as a designer, but as a symbol of what can be achieved through hard work and ingenuity.

THE WALL

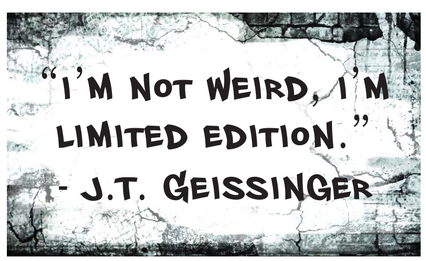

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

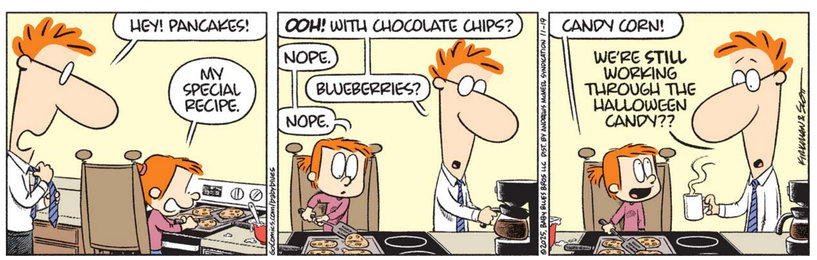

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ 1094 वें दिन भी धरना जारी

एनजीटी के निर्णयों की पालना नहीं होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त

कोटपूतली, (निसं)। जोधपुरा संघर्ष समिति द्वारा अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को लगातार 1094 वें दिन भी बदस्तूर जारी रहा। धरने पर सचिव कैलाश यादव व प्रभुदयाल गुरुजी ने कहा कि खनन विभाग के अधिकारियों द्वारा एनजीटी के निर्णयों की पालना नहीं की जा रही हैं। इसको लेकर ग्रामीण सोमवार से जिला कलैक्टर कार्यालय पर भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) भोपाल द्वारा पारित निर्णय में जिला कलैक्टर को आदेशों की सुनिश्चित अनुपालना हेतु पाबंद किया गया है। उक्त आदेश की पालना में एसडीएम कोटपूतली ने संबंधित सभी विभागों तथा अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के विरुद्ध निर्देश जारी करते हुये यह सुनिश्चित करने के लिये कहा था कि गांव, स्कूल, मंदिर तथा अन्य संवेदनशील संरचनाओं से 500 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार की ब्लास्टिंग नहीं की जायें। इस निषेध क्षेत्र का सीमांकन करने हेतु खनिज विभाग एवं तहसीलदार की टीम द्वारा जोधपुरा संघर्ष समिति के सदस्यों की उपस्थिति में निशान लगाये गये। अल्ट्राटेक को प्रतिबंधित क्षेत्र में ब्लास्टिंग रोकने व चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिये गये, लेकिन उक्त निर्णयों एवं आदेशों का लगातार उल्लंघन किया जा रहा है। रात्रिकालीन समय में ध्वनि प्रदूषण एवं गंभीर प्रदूषण से नींद लेना भी मुश्किल हो रहा है। दमा, श्वांस, एलर्जी कि बिमारियों से जीना मुश्किल हो गया है। सीमेंट प्लांट पर करीब 100 करोड़ रूपये की अवैध खनन (लाईमस्टोन पत्थर चोरी) की पैनल्टी निकाली गई, परन्तु बाद में केवल 37 करोड़ में मामला सैटल कर लिया गया। इसकी सम्पूर्ण जांच पत्रावली की सूचना उपलब्ध करवाई जावे।

इस दौरान समिति उपाध्यक्ष सतपाल यादव, हरभगत बाबूजी, लीलाराम यादव, दिनेश यादव, विजय यादव, रामनिवास योगी, अजय योगी, लीलाराम योगी, हरिराम यादव, रामनिवास वर्मा, श्रीपाल यादव, राकेश योगी, सचिन यादव, मूलचंद योगी, प्रकाश सोरेला, हरिसिंह सोरेला, सीताराम आर्य, सूबेसिंह मीणा, भूपसिंह धानका समेत ग्रामीण महिलाएं मौजूद रही।

जोधपुरा संघर्ष समिति द्वारा अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ दिया जा रहा धरना शनिवार को लगातार 1094 वें दिन भी जारी रहा।

- सोमवार से कलेक्ट्रेट कार्यालय पर भूख हड़ताल पर बैठेंगे ग्रामीण

बीकानेर जिले में 'निकनेम' से बिक रही नशीली दवाइयां

बीकानेर, (निसं)। जिले में प्रीगैबलिन, टेपेन्टाडोल, जोपिकलोन, क्वेटिपाइन साल्ट की नशीली दवाइयां खुलेआम बिक रही हैं। वास्तव में तो ये दवाइयां दर्द निवारक और नींद आने के लिए काम में ली जाती हैं, लेकिन खासकर युवा वर्ग इसको टेबलेट या इंजेक्शन के रूप में अधिक मात्रा में लेकर नशा के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। दुकानदारों को इसका पता होने के बावजूद वे मुनाफा कमाने के लिए बेच रहे हैं। नशे के लिए खरीदार और दुकानदारों ने इन दवाओं के सिग्नेचर, जोडियार, हरा तोता, संती, हरे कैप्सूल और नीला फोर्ड जैसे 'निकनेम' भी रख लिए हैं। खरीदार दुकानों पर जाकर 'निकनेम' से मांगते हैं और उन्हें आसानी से डॉक्टर की पर्ची के बिना ही दवाइयां उपलब्ध हो जाती हैं।

लंबे समय से इन नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त हो रही है जिसकी शिकायत जिला प्रशासन तक भी पहुंची है। अब जिला मजिस्ट्रेट नम्रता वृष्णि ने प्रीगैबलिन, टेपेन्टाडोल, जोपिकलोन, क्वेटिपाइन साल्ट की नशीली दवाइयों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। सहायक औषधि नियंत्रक, संबंधित उपखंड अधिकारी और पुलिस विभाग की टीमें मेडिकल स्टोर का आकस्मिक निरीक्षण करेंगी। दुकानों पर दवाइयां मिलने या अनियमितता पाए जाने पर भारतीय न्याय संहिता, 23 की धारा 223 में कार्यवाही करेंगी। फिलहाल, इन नशीली दवाइयों पर जिला मजिस्ट्रेट की ओर से दो माह के लिए प्रतिबंध लगाया है। भारतीय न्याय संहिता, 23 की धारा 223, लोक सेवक द्वारा विधिवत घोषित आदेश की अवज्ञा से संबंधित है। कोई व्यक्ति किसी पब्लिक सर्वेंट द्वारा जारी किए गए कानूनी आदेश की जानबूझकर अवज्ञा करता है और इससे किसी को असुविधा, हानि, या जीवन/स्वास्थ्य/सुरक्षा को खतरा होता है तो उसे दंडित किया जा सकता है। यदि अवज्ञा से असुविधा या हानि होती है तो 6 महीने तक की कैद, या 2500 रुपये तक जुर्माना, या दोनों की सजा दी जा सकती है। यदि अवज्ञा से दंगा होता है तो 1 साल तक की कैद, या 5000 रुपये तक जुर्माना, या दोनों की सजा का प्रावधान है।

- युवा वर्ग टेबलेट या इंजेक्शन के रूप में लेकर नशा के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, दुकानदारों को इसका पता होने पर भी वे मुनाफा कमाने के लिए बेच रहे हैं
- जिला मजिस्ट्रेट ने प्रीगैबलिन, टेपेन्टाडोल, जोपिकलोन, क्वेटिपाइन साल्ट की नशीली दवाइयों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया

अवैध वसूली का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। खेरोदा थाना पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ उधार दी गई नकदी से अधिक अवैध वसूली करने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित लक्ष्मणसिंह पुत्र भूरसिंह राजपूत निवासी माडिंगपुरा खेरोदा ने आरोपी देवीलाल पुत्र शोभालाल मैनारिया निवासी खरसाण के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि गत दिनों मैने अपने परिचित आरोपी देवीलाल से दो लाख रूपये उधार लिए थे। जिसका चुकारा करने पहुंचा तो आरोपी ने ज्यादा रूपयों की मांग की तथा विवाद होने पर आरोपी अपहरण कर मुझे ले गया तथा वहां पर मेरी जमीन का विक्रय इकरार लिखा-पढ़ी कर 20 लाख रूपयों में बेचना 2023 में दर्शाया था, जबकि मैने आरोपी को जमीन नहीं बेची। आरोपी अवैध वसूली के लिए दबाव डाल रहा है। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

वहीं अम्बामाता थाना पुलिस ने लोकेश कुमार पुत्र वैसाजी निवासी कुम्हारिया खेड़ा पई थाना नाई की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफ न्यू अहिंसापुरी सोनी जी के बंगले के पास चल रहे मकान के निर्माण कार्यस्थल से लोहे के प्लेटें टेंपों में डाल कर चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया।

श्रमिक की हत्या करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शराब के नशे में आपसी विवाद होने पर चाकू से हमला कर साथी श्रमिक की हत्या करने वाले को पुलिस बैकरिया थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार एक दिसंबर को जिले के बैकरिया थाना क्षेत्र उपलावास गांव में शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी होने पर रास बावलवाड़ा निवासी जीवन पुत्र देवीसिंह चाकू से साथी श्रमिक देवरी एमपी निवासी वीरसिंह (23) पुत्र हीरासिंह, वीरन (32) पुत्र सुखनंदन एवं कपूर (21) पुत्र डालू पर हमला कर फरार हो गया। हमले में विरसिंह की मौत हो गई थी। दूसरे दिन घटना का पता चलने पर पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक डूंगरसिंह मय के सुपरविजन में बैकरिया थानाधिकारी उत्तम सिंह ने मामले में आरोपी रास बावलवाड़ा निवासी जीवनसिंह पुत्र देवीसिंह राजपूत को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि बैकरिया थाना क्षेत्र में हाईटेंशन लाईन बिछाने का काम चल रहा है, जहां पर वीरसिंह, वीरन एवं कपूर मजदूरी करते हैं तथा जीवन हिताची मशीन का आपरेटर का काम करता है। घटना वाली रात में साथ मे शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी होने पर वीरसिंह चाकू से हमला कर फरार हो गया था।

हत्या के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार : गोगुन्दा थाना पुलिस ने रास्ता रोक कर व्यक्ति की हत्या करने के मामले में फरार चार आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारियों को डिटेन किया।

प्रकरण के अनुसार 15 मई को दीपाराम गमेती, लक्ष्मण गमेती, गणेशलाल, पन्ना, गिता तथा केसरबाई निवासी काड़ फला नाल गोगुन्दा बाइक पर बैठकर गोगुन्दा जा रहे थे, जहां बीच रास्ते में 13 लोगों ने दीपाराम गमेती, लक्ष्माराम उर्फ लक्ष्मण गमेती को रोककर मारपीट की थी। जिससे दीपाराम की मौत हो गई थी। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गोगुन्दा थानाधिकारी श्यामसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने नाल फला डामरावास गोगुन्दा निवासी वरदा पुत्र होना, थावराराम पुत्र लिम्बा, गणेशलाल पुत्र मोतीलाल, शंकरलाल पुत्र खीमाराम को गिरफ्तार किया, जबकि विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारियों को डिटेन कर सम्प्रेषण गृह भिजवाया।

खेतों में ग्रामीणों पर पैंथर का हमला, तीन घायल

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के गामड़ी आहड़ा के फला गांव में पैंथर ने शनिवार शाम खेतों में चारा लेने गए तीन लोगों पर हमला कर दिया। हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है।

जानकारी के अनुसार राजू देवी ननोमा अपने बेटे आशीष ननोमा के साथ खेत में थी, तभी घास में छुपे पैंथर ने अचानक आशीष पर हमला कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन पैंथर ने वहां से गुजर रहे चेतन डामोर और धुला खराड़ी पर भी हमला कर दिया। धुला खराड़ी के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। सूचना पर 108 एंबुलेंसकर्मी हरिराम ननोमा और पायलट प्रवीण डामोर ने घायलों को गामड़ी आहड़ा सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। घायलों का उपचार जारी है।

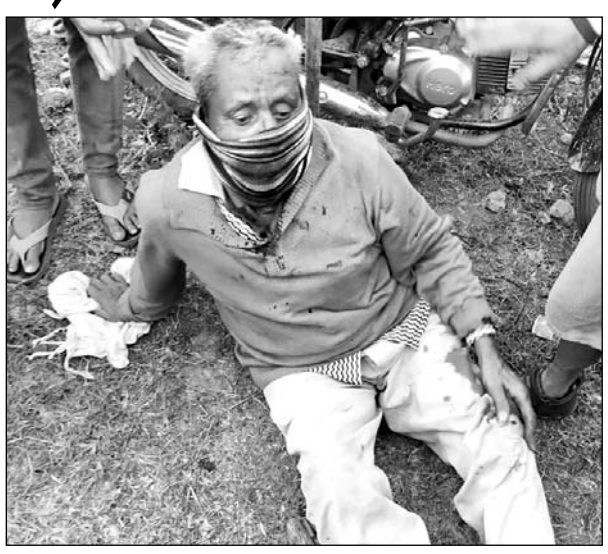

पैंथर के हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

अलवर-जयपुर रोड पर नजर आए बाघ-बाघिन

बाघ-बाघिन (एसटी-2304, एसटी-9) करीब आठ मिनट तक सड़क पर रहे

अलवर, (निसं)। अलवर-जयपुर रोड (वाया भर्तृहरि) पर रात करीब 11 बजे बाघ-बाघिन (एसटी-2304, एसटी-9) नजर आए। करीब आठ मिनट तक दोनों सड़क पर रहे। इस दौरान सड़क के बीच में भी बैठे नजर आए। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। टाइगर-टाइग्रेस को देखकर किसी वाहन चालक की आगे जाने की हिम्मत नहीं हुई। सरिस्का में बाघिन एसटी-9 सदर गेट से आगे आस-पास दिखती रही है। अब यहां करीब एक महीने से टाइगर एसटी-2304 भी नजर आने लगा है। इससे पहले यहां युवराज टाइगर एसटी-21 दिखता था। एसटी-2304 के आने के बाद युवराज एसटी-21 नहीं दिखा है। मतलब इस टेरेटरी में नजर नहीं आता है। वनकर्मी मान रहे हैं कि युवराज 21 दूसरी टेरेटरी में चला गया। अब उसकी टैरेटरी में एसटी-2304 आ गया, जो कई बार टाइग्रेस के आसपास देखा गया है।

- वीडियो भी सामने आया है, किसी वाहन चालक की आगे जाने की हिम्मत नहीं हुई

वृद्धा और नाती की निर्मम हत्या, दामाद पर आशंका जताई

वृद्ध महिला के पैर के टुकड़े-टुकड़े कर हत्यारे जेवर भी निकाल ले गये

उदयपुर, (कासं)। बीती रात सलूंबर जिला मुख्यालय से करीब 60 किमी दूर सेमारी इलाके में एक बुजुर्ग महिला और पांच साल के नाती की निर्मम हत्या कर दी गई। महिला के पैर के टुकड़े-टुकड़े कर हत्यारे जेवर भी निकाल ले गये। मृतका के पति ने दामाद पर हत्या करने के आशंका जताई है।

सेमारी थानाधिकारी गोपाल कृष्ण मीणा के अनुसार शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे सेमारी इलाके के गुडासर गांव के पास जहात फलां में धारदार हथियार से वार किया गया था। देर रात घर में से अचानक चीखने-चिल्लाने की आवाज आई। पड़ोसी पहुंचे तो पैरों तले जमीन खिसक गई। सामने गौरी (65) और उसके नाती सुरेन्द्र (5) के लहूलुहान शव पड़े थे। दोनों के पेट-छाती पर कई वार किए गए थे। सिर में भी गंभीर चोटें थीं। गौरी के पैर पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। उसके पैर के टुकड़े कर चांदी के कड़े ले गए। पुलिस आशंका जता रही है कि बदमाशों की संख्या दो-तीन रही होगी। बुजुर्ग महिला और बच्चा कमरों के आगे बने हॉल में सो रहे थे। परिवार मजदूरी करता है।

घटना के समय परिवार पड़ोस में चल रहे सत्संग कार्यक्रम में गया हुआ था। तभी बदमाश में घर में घुसे और वारदात को अंजाम दिया। सुरेन्द्र कुछ दिन पहले ही अपने नानी के घर आया था। घटना की जानकारी मिलने पर शनिवार सुबह करीब सात बजे सलूंबर एसपी राजेश यादव, डिप्टी चांदमल सिंगारिया समेत एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची। घर से किसी सामान की चोरी हुई है कि नहीं, इसको लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

एसपी राजेश यादव ने बताया कि मामले को लूट दिखाने की कोशिश की गई है। घर के अंदर से चोरी या लूट नहीं हुई है। कड़ों की लूट दिखाने के लिए बुजुर्ग के पांव काटे गए हैं। बुजुर्ग और मासूम के सिर में चोट हैं उसी से दोनों की मौत हुई है। मृतका गोरी के पति धन्ना मीणा के अनुसार उसके दामाद गंगाराम मीणा ने हत्या की। दामाद आए दिन नशा कर बेटी से झगड़ा करता है, कई बार टोकने से वो नाराज था। बार-बार धमकी देता था। दामाद गंगाराम ने उसके किसी साथी के मिलकर सास और उसके बेटे की हत्या की। परिजनों की मांग है कि पहले दामाद गंगाराम को पकड़ा जाए, उसके बाद पोस्टमॉर्टम के लिए सहमति देंगे। फिलहाल बॉडी सेमारी पीएचसी में रखी है। पुलिस परिजनों से समझाइश कर रही है। परिजन गंगाराम को पकड़ने की मांग कर रहे हैं,गंगाराम गांव से फरार है। वह पड़ोस के गांव में रहता है। परिजनों का गंगाराम पर ही हत्या का आरोप है।

- पुलिस आशंका जता रही है कि बदमाशों की संख्या दो-तीन रही होगी

बाबा साहेब को पुण्यतिथि पर नमन किया

करणपुर, (निसं)। भारतीय संविधान के निर्माता और भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर की 70वीं पुण्यतिथि 6 दिसंबर को श्रीकरणपुर में 'महापरिनिर्वाण दिवस' के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में एडवोकेट भगवान दास मेघवाल, कामरेड मुकेश मोहनपुरिया, कांग्रेस के पूर्व नगर अध्यक्ष राजकुमार मोहनपुरिया, लक्ष्मण नायक और रवि दायमा सहित रंजीत कुमार ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उपस्थित समूह ने बाबा साहेब के जीवन और सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने समाज में व्याप्त अंधविश्वासों, पाखंडवाद और कुरीतियों को समाप्त कर डॉ. अंबेडकर के सपनों को साकार करने का आव्हान किया। उन्होंने बाबा साहेब के सिद्धांतों का जीवन में पालन करने पर जोर दिया।

राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के प्रयास हो रहे हैं : मेघवाल

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे, यहां से वे बीकानेर के लिए रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी की मुलाकात, एस आई आर के मुद्दे पर लोकसभा में विपक्ष के हंगामे और डॉलर के मुकाबले गिरते रुपए को लेकर पत्रकारों को जानकारी दी।

राजस्थानी भाषा की मान्यता को लेकर कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि ये हमारी भाषा है। इसको संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यता मिले, यह हमारा प्रयास है। लेकिन इसमें एक सहमति बनाने का प्रयास हमारा हो रहा है, जो हमारे हिन्दी बोलने वाले संगठन हैं, उनके साथ जैसे यह हमारी सहमति बनेगी इस दिशा में कदम आगे उठाए जाएंगे। डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति को लेकर पूछे सवाल पर उन्होंने कहा कि रुपए का व्यापार अब कई अन्य देशों के साथ होने लग गया है, इसलिए रुपए की ताकत बढ़ गई है। पहले आप दुबई जाते थे तो आपको कहते थे डॉलर को चेंज करके लो, लेकिन आजकल कहते हैं रुपए में भी काम हो रहा है। इसलिए रुपए की ताकत बढ़ रही है। रुपए की स्थिति मजबूत हो रही है।

एस आई आर के मुद्दे पर मेघवाल ने कहा कि पिछला हमारा मानसून का जो सत्र था। उसमें विपक्ष ने पूरे समय इस विषय को उठाया। हमने उस समय भी कहा कि सरकार इलेक्शन रिफॉर्म पर चर्चा कर सकती है। एस आई आर इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की एक एक्टिविटी है। इस बार हमने चर्चा की तो उन्होंने दो दिन तक तो हाउस को बाधित किया, बाद में मान गए। अब सोमवार को पहले चर्चा वंदे मातरम् पर होगी। उसके बाद मंगलवार को हम इलेक्शन रिफार्म पर चर्चा करेंगे। हमारी ओर से भी जवाब दिया जाएगा। इंडिगो की फ्लाइट रद्द होने को लेकर देशभर में हुए विवाद पर कहा कि आज इसमें काफी सुधार है। पुतिन और मोदी की मुलाकात पर कहा कि विश्व के प्रमुख देशों के भारत के संबंध अच्छे होने चाहिए। भारत एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है। अब तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। ऐसी स्थिति में हमारे हर देश के साथ अच्छे संबंध होने चाहिए। उनमें से रूस भी उसमें से एक है। रूस हमारा पुराना मित्र रहा है।

- केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने जोधपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों को जानकारी दी

जूनियर अकाउंटेंट बलवीर सिंह ने दहेज मुक्त शादी की

चार दिसम्बर को विवाह मात्र एक रुपये के शगुन पर सम्पन्न हुआ

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना क्षेत्र के ग्राम नालोट निवासी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रामकुमार गुर्जर ने समाज के लिए प्रेरणा प्रस्तुत करते हुए अपने पुत्र बलवीर सिंह (जूनियर अकाउंटेंट) का विवाह पूर्णत: सादगीपूर्ण एवं दहेज मुक्त पद्धित से सम्पन्न करवाया। चार दिसम्बर को बलवीर सिंह का विवाह ग्राम नराडा निवासी एएसआई ताराचंद लोमोड की पुत्री विनीता के साथ मात्र एक रुपये के शगुन पर किया गया।

उल्लेखनीय है कि बलवीर सिंह के राजकीय सेवा में जूनियर अकाउंटेंट के पद पर चयनित होने के बाद ही अधिवक्ता रामकुमार गुर्जर ने सार्वजनिक घोषणा कर दी थी कि वे अपने पुत्र का विवाह बिना दहेज और केवल एक रुपये के नेग पर करेंगे। उन्होंने अपनी घोषणा को न सिर्फ पूरा किया, बल्कि समाज में बढ़ती दहेज प्रथा पर करारा प्रहार भी किया। सादगी, संस्कार और सामाजिक सुधार का संदेश देने वाले इस दहेज मुक्त विवाह की सर्वत्र सराहना की जा रही है।

इस अवसर पर नीमकाथाना अभिभाषक संघ की ओर से अधिवक्ता रामकुमार गुर्जर को सम्मानित करते हुए बधाई भी प्रेषित की गई। यह विवाह उन सभी परिवारों के लिए प्रेरणा है जो सामाजिक कुरीतियों को छोड़कर नई सोच के साथ आगे बढ़ने का संकल्प रखते हैं। इस दौरान एडवोकेट रामनिवास यादव,नीर सिंह मीणा, दर्शन सिंह सैनी, सचिन सैनी, नरेंद्र कुमार सैनी, विजय सोमावत ने वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए एडवोकेट रामकुमार गुर्जर को दहेज मुक्त शादी की बधाई दी।

- सादगी, संस्कार और सामाजिक सुधार का संदेश देने वाले इस दहेज मुक्त विवाह की सर्वत्र सराहना हो रही है

ऊर्जा मंत्री ने विकास पर चर्चा की

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने शनिवार को ओडिशा के पुरी में आयोजित ग्लोबल एनर्जी लीडर्स समिट 2025 में राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र के परिदृश्य एवं विकास के रोडमैप को सभी के समक्ष रखा।

नागर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में विगत समय में राजस्थान की प्रगति की चर्चा की। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने नवीकरणीय एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बीते समय में जो उपलब्धि हासिल की है वह देश के अन्य राज्यों के लिए मिसाल है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि किसानों को अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता बनाने के उद्देश्य से महत्वाकांक्षी पीएम कुसुम योजना का राजस्थान में प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में लगभग 2470 मेगावाट के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किये जा चुके हैं। इन संयंत्रों की क्षमता के आधार पर राजस्थान विकेंद्रित सौर ऊर्जा के मामले में भी देश में अग्रणी पायदान पर आ गया है। समिट में उन्होंने प्रदेश की पीक डिमांड को पूरा करने के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने के लिए सरकार के प्रयासों को भी रखा। उन्होंने कहा कि राज्य में 6000 मेगावाट आवर्स की ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित की जा रही है।

पीबीएम हॉस्पिटल में अव्यवस्थाओं का बोलबाला

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम हॉस्पिटल में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर भाजपा पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल अधीक्षक डॉ. बीसी घीया से मिला तथा व्यवस्था सुधारने के लिए सुझाव दिए। भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष डॉ. भगवान सिंह मेड़तिया, भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष वेद व्यास, देहात अध्यक्ष जसराज सिंवर, विक्रम सिंह राजपुरोहित ने अस्पताल में हो रही बदहाली और अव्यवस्थाओं में सुधार के लिए विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल में लंबे समय से जारी अव्यवस्थाओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कई प्रमुख मुद्दे उठाए। इस मौके पर नगर निगम उपयुक्त यशपाल आहूजा, ट्राफिक इंस्पेक्टर नरेश निर्वाण से फोन पर वार्ता कर परिसर के अंदर खड़ी अवैध एंबुलेंस और बाहर हुए अतिक्रमण को हटाने की वार्ता की। प्रतिनिधिमंडल में एड.रमेश पारीक, के.लाल जोशी, शंकर सोनी, राजेंद्र सिंह कक्कू, ओंकारनाथ सिद्ध, रघुपति सिंह भाटी, विक्रम सिंह राजपुरोहित, भव्य दत्त भाटी, नवल गिरी, लोकेश कच्छावा, नरेंद्र चंचल, हेमंत सुथार, हिमांशु अग्रवाल, ऋषि पारीक, विक्रम कुमावत, विक्रम हर्ष, सुनील रामावत, प्रेम धांधल, वासु रामावत, विनोद व्यास, आदि साथ रहे।

प्रतियोगिता आयोजित : - सूरतगढ़ में राजकीय कॉलेज में शनिवार को महिला प्रकोष्ठ और मतदाता जागरूकता समिति ने संयुक्त रूप से एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया। 'हमारा मत हमारा अधिकार' विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोकतंत्र में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगिता में 17 छात्राओं ने छह समूहों में हिस्सा लिया। इन रंगोलियों में मतदान का अधिकार, राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव और लोकतंत्र की मजबूती जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। छात्राओं ने रंगों के माध्यम से यह दर्शाया कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि देश के प्रति एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है।

- भाजपा पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल अधीक्षक डॉ. बीसी घीया से मिला

हनीट्रैप में फंसाकर वसूली करने वाली महिला गिरफ्तार

गैंग के छह अन्य सदस्य इससे पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं

पाटन, (निसं)। पाटन पुलिस ने हनी ट्रैप के जरिए लोगों को ब्लैकमेल कर भारी रकम वसूलने वाले बावरिया गैंग के षड्यंत्र का भंडाफोड़ करते हुए एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह महिला लंबे समय से दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज करवाने और धमकी देकर उगाही करने के मामले में वांछित चल रही थी।

पाटन थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ममता उर्फ नाथी (28) पत्नी मदनलाल, निवासी नेहरा की ढाणी, वार्ड नंबर 2, थाना खंडेला, जिला सीकर है। पुलिस टीम ने आरोपी को जयपुर से हिरासत में लिया और प्रारंभिक पूछताछ के बाद विधिवत गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी महिला सुनियोजित तरीके से लोगों को अपने प्रेमजाल में फंसाती थी। वह पहले फोन पर लगातार संपर्क कर भरोसा जीतती, फिर अचानक दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर लाखों रुपये की मांग करती थी। इसी गैंग के छह अन्य सदस्य इससे पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। यह पूरा मामला उस समय उजागर हुआ, जब 21 नवंबर को ग्राम धाधेंला निवासी ई-मित्र संचालक अनुज कुमार सैनी ने पाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। परिवादी ने बताया कि आरोपियों ने उसे बार-बार फोन कर प्रेमजाल में फंसाया और बाद में दुष्कर्म केस की धमकी देकर दो लाख रुपये की डिमांड की। शिकायत के आधार पर पाटन थाने में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। पुलिस अब गैंग के बाकी सदस्यों और नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है।

आरोपी गिरफ्तार : कोटा, (निसं)। जवाहर नगर पुलिस टीम ने मोटरसाईकिल चोर को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चोरी की गई मोटरसाईकिल को बरामद किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि फरियादी प्रकाश बारिया ने जवाहर नगर थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा था कि वह अपनी बाईक को पड़ोस के मकान के बाहर खड़ी करके अंदर गया और जब वापस आया तो मोटरसाईकिल नही मिली। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने नाकाबंदी के दौरान शातिर बाइक चोर शिवपुरा निवासी दिनेश सिंह को गिरफ्तार किया और चुराई गई बाईक को भी बरामद किया गया।

- महिला लंबे समय से दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज करवाने और धमकी देकर उगाही करने के मामले में वांछित चल रही थी

ट्रक और कार की भिड़ंत में दादी-पौती की दर्दनाक मौत, तीन घायल

एक साथ उठी दादी-पौती की अर्थी, हर आंख हुई नम, परिवार में कोहराम मचा

छबड़ा, (निसं)। बारां के मंडोला के निकट शुक्रवार देर रात्रि को हुए भीषण सड़क हादसे में दादी-पौती की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य गंभीर रुप से घायल हो गए, जिनका उपचार कोटा चिकित्सालय में चल रहा है। शनिवार को दादी-पौती का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इस घटना से कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी अनुसार कस्बे के ब्रह्मपुरी मोहल्ला निवासी मुन्नी देवी (80) पत्नी कैलाश नारायण भारद्वाज, कामिनी (31) पुत्री सुरेश भारद्वाज, उर्मिला (50) पत्नी सतीश भारद्वाज, सतीश (55) व पवन (52) पुत्र कैलाश नारायण भारद्वाज कार में सवार हो कोटा की तरफ से आ रहे थे। वहीं दूसरी और से आ रहे ट्रक व उनकी कार में भिड़न्त हो गई। हादसे में दादी मुन्नी बाई व पौती कामिनी की मृत्यु हो गई वही गंभीर घायल सतीश, पवन व उर्मिला कोटा चिकित्सालय में उपचाराधीन है। मौके पर पुलिस भी पहुंच गई थी। बताया जा रहा है वे मुन्नी बाई के स्वास्थ्य की जांच आदि के लिए कोटा गए थे, छबड़ा आने से पूर्व ही रास्ते में मंडोला के निकट हादसा हो गया। भिड़न्त इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही परिवारजनों में मातम पसर गया। उनका रो-रोकर बुरा हाल था और चीख-पुकार मची हुई थी।

बारां से किसी कार्यक्रम से लौट रहे छबड़ा प्रधान हरिओम नागर, मंडोला पूर्व सरपंच आशीष नागर, पूर्व पार्षद राज मोहम्मद, अजमत अली आदि को जब इस घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने इंसानियत दिखाते हुए तत्परता से राहगीरों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला और चिकित्सालय पहुंचने में सहायता की। विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने इस घटना पर दु:ख प्रकट करते हुए ईश्वर से परिवारजनों को इस विपदा की घड़ी में सम्बल प्रदान करने व घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

- बताया जा रहा है दादी (मुन्नी बाई) के स्वास्थ्य की जांच आदि के लिए कोटा गए थे, छबड़ा आने से पूर्व ही रास्ते में मंडोला के निकट हादसा हो गया

भारत-पाक बॉर्डर पर खेतों में पाकिस्तानी बैलून मिला

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस लिखे बैलून को पुलिस ने बरामद किया, जांच शुरू

बीकानेर, (निसं)। भारत पाकिस्तान सीमा पर एक बार फिर संदिग्ध बैलून मिला है। पाकिस्तान लिखे इस बैलून को पुलिस ने बरामद किया और खुफिया एजेंसियों को इसकी सूचना कर दी है।

इसके बाद से सुरक्षा एजेंसियों ने भी पड़ताल शुरू कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि ये तस्करी का कोई संकेत हो सकता है। जिले के सीमावर्ती क्षेत्र खाजूवाला के 6एस एस एम सीयासर चौगान के खेतों में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस लिखा एक एयर बैलून मिला है। ग्रामीणों से मामले की सूचना मिलते ही सरपंच खलील खां ने पुलिस और बीएसएफ को बताया, जिस पर खाजूवाला पुलिस व बीएसएफ टीम तुरंत मौके पर पहुंची। देर रात सुरक्षा एजेंसियों ने गुब्बारे की जांच-पड़ताल की। हालांकि एयर बैलून में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

बॉर्डर क्षेत्र में इस तरह के पाक लिखे गुब्बारे पहले भी कई बार मिल चुके हैं। हवा के रुख के साथ ये बैलून आए दिन भारतीय सीमा में प्रवेश कर जाते हैं। सीमावर्ती गांवों के ग्रामीण इन गतिविधियों से पूरी तरह सतर्क रहते हैं और संदिग्ध वस्तु दिखते ही सुरक्षा एजेंसियों को इसकी सूचना भी देते हैं। खाजूवाला और आसपास के इलाकों में पहले भी ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की डिलीवरी की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसके चलते सुरक्षा एजेंसियां लगातार अलर्ट मोड पर हैं। एक ही तरह का बैलून बार-बार पाकिस्तान से भारतीय सीमा में क्यों प्रवेश कर रहा है? इसी सवाल पर सुरक्षा एजेंसियां छानबीन कर रही है।

- पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, तस्करी का संकेत होने की आशंका

हादसे में बालक की मौत

उदयपुर, (कासं)। बैकरिया थाना क्षेत्र में सड़क पार करते समय जीप ने बालक को चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिसंबर को गोगरूद देवला निवासी भूरा उर्फ सतीश (9) पुत्र जग्गाराम की मौत हो गई। शुक्रवार भूरा अपनी मां शारदा देवी के साथ नदी पर नहाने के लिए गया था, जहां से वापस घर लौट रहा था। इस दौरान पिण्डवाड़ा की तरफ से आ रही जीप ने उसे चपेट में ले लिया था। हादसे में गंभीर घायल होने पर उसे देवला चिकित्सालय से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई अमरसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

मंदिर में हुई चोरी की घटना का खुलासा, तीन गिरफ्तार

आरोपियों के पास से चोरी हुए चांदी के छत्र और मुकुट बरामद किए

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने बाड़ा कला गांव स्थित स्वांगिया माता मंदिर में हुई चोरी की घटना का खुलासा कर पाली और बालोतरा के तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से चोरी हुए चांदी के छत्र और मुकुट बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अशोक खारवाल निवासी मेव जिला पाली, बजरंग सिंह राजपूत निवासी गूगड़ी जिला बालोतरा और राजू सिंह जाट निवासी खारड़ा भारतसिंह, बस स्टैंड बालोतरा के रूप में हुई है। आरोपियों ने वारदात से तीन दिन पहले मंदिर की रेकी की थी। तीन दिसंबर की रात बदमाशों ने मंदिर की खिड़की तोड़कर अंदर घुसपैठ की और मूर्ति पर लगे चांदी के छत्र व मुकुट चुरा ले गए। मंदिर ट्रस्ट की शिकायत पर पीपाड़ शहर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने घटना से तीन दिन पूर्व ही मंदिर परिसर की रेकी कर ली थी और पूरी योजना बनाकर इस वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल पुलिस तीनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है।

चार साल की मासूम से नाबालिग किशोर ने दुष्कर्म किया

आरोपी नाबालिग हिरासत में, पीड़िता बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी के फूलबाग थाना क्षेत्र में एक चार साल की मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। रिपोर्ट में पास में ही किराए पर रहने वाले एक 16 साल के नाबालिग पर आरोप लगाया गया है। नाबालिग किशोर मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया किझारखंड निवासी एक युवक ने रिपोर्ट दी, जिसमें बताया कि घर के सभी लोग दिन में मजदूरी के लिए बाहर गए थे। घर पर अकेली बच्ची को पड़ोस में रहने वाला आरोपी किशोर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। शाम को जब परिजन घर लौटे, तो बच्ची ने दर्द की शिकायत की। बच्ची से पूछताछ करने पर घटना का खुलासा हुआ, जिसके बाद परिवार ने तत्काल फूलबाग पुलिस को सूचना दी।

- काम से बाहर गया था परिवार, मासूम को पड़ोस में रहने वाला किशोर बहलाकर ले गया था

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। उसके खिलाफ दुष्कर्म की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

महिला थाने की सब इंस्पेक्टर कुमारी गिरिजा ने बताया किपीड़िता बच्ची का मेडिकल परीक्षण और पूछताछ की प्रक्रिया जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। शहर के भुपालपुरा थाना क्षेत्र में युवक ने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीएन कॉलेज के सामने सुभाषनगर निवासी सुनिल नायक (25) पुत्र मोहनलाल ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। शनिवार को इसका पता चलने पर एएसआई भगवतीलाल ने मौके पर पहुंच कर मृतक को फंदे से नीचे उतार कर चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित करने पर मोर्चरी में रखवाया। एएसआई अमृतलाल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। प्रारंभिक अनुसंधान में पता चला कि 20 दिन पूर्व सुनील की पत्नी निर्मला अपने पीहर चले जाने से परेशान था एवं इसी के चलते उसने फांसी लगा ली थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

राशन डीलर पर 336 क्विंटल गेहूं गबन का आरोप

दंतौर पुलिस ने जिला रसद विभाग की शिकायत पर केस दर्ज किया

पूंगल, (निसं)। क्षेत्र के दंतोर कस्बे में राशन डीलर के खिलाफ 336 क्विंटल गेहूं गबन का आरोप लगा है। जिला रसद विभाग की शिकायत पर दंतौर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला फरवरी 2024 में आवंटित सरकारी राशन के दुरुपयोग से जुड़ा है।

जिला रसद विभाग के इंस्पेक्टर दीपक पूनिया ने चक 5 पूली के उचित मूल्य दुकानदार नेमीचंद के खिलाफ दंतौर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार नेमीचंद को फरवरी 2024 में 336 क्विंटल गेहूं आवंटित किया गया था, जिसे लाभार्थियों को वितरित किया जाना था। आरोप है कि दुकानदार ने इस गेहूं का गबन कर लिया, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान हुआ और पात्र उपभोक्ताओं को उनका हक का राशन नहीं मिल पाया। इंस्पेक्टर पूनिया की जांच में रिकॉर्ड भी संदिग्ध पाया गया। दुकानदार ने भी इस संबंध में कोई संतोषजनक प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। इन्हीं तथ्यों के आधार पर दंतौर पुलिस ने नेमीचंद के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शादी का झांसा देकर महिला का देहशोषण

जोधपुर, (कासं)। जिला पूर्व में लिव इन में रहने वाली एक महिला को शादी का झांसा देकर उसका देहशोषण किया गया। आरोपी ने उससे 70 हजार रूपए ऐंठने के साथ उसकी नबालिग बेटी से अश्लील हरकतें की। आरोपी पीड़िता को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर अब ब्लैकमेल करने पर उतर आया। घटना को लेकर पीड़िता की तरफ से शुक्रवार को पुलिस में इसकी रिपोर्ट दी गई है।

जिला पूर्व की पुलिस ने बताया कि 40 साल की एक महिला ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह एक व्यक्ति के साथ काफी समय से साथ रह रही है। उसने शादी का झांसा दिया और उसका देहशोषण करता रहा। आरोपी ने उससे 70 हजार रूपए भी ऐंठ लिए। एक दिन वह उसकी नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ करते देखा गया तो आपत्ति की गई। इस पर वह मारपीट करने लगा, फिर वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। पुलिस ने बताया कि पीड़िता शुक्रवार को थाने पहुंची और केस दर्ज कराया गया। उसका मेडिकल करवाने के साथ ही अग्रिम जांच शुरू की गई है।

- नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ की, वीडियो वायरल की धमकी दी

दुष्कर्मी सहित तीन गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीखक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक वल्लभगर के सुपरविजन में भीण्डर थानाधिकारी पूनाराम मय टीम ने दुष्कर्म के मामले में मुख्य आरोपी मोहम्मद अरबाज पुत्र हारून उर्फ पुत्तन एवं इसकी मदद करने वाले समीर उर्फ छोटू पुत्र अब्दुल मलिक, नौशाद पुत्र रईस अहमद को गिरफ्तार किया।

बाइक पर आए दो बदमाशों ने कॉलेज में घुसकर छात्रा से छेड़छाड़ की

अलवर, (निसं)। अलवर में बाइक पर आए दो बदमाशों ने कॉलेज में घुसकर छात्रा के साथ छेड़छाड़ की वारदात को अंजाम दिया। इतना ही नहीं छात्रा ने जब इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट कर दी। छात्रा आर्ट्स कॉलेज में शनिवार को प्रथम वर्ष की परीक्षा देने आई थी। जब छात्रा ने कॉलेज परिसर में चीख-चीखकर मदद मांगी, तब वहां मौजूद टीचर्स और स्टूडेंट्स देखते रहे, लेकिन किसी ने आरोपियों को पकड़ने की कोशिश तक नहीं की। इस दौरान दोनों युवक बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। दोनों आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए।

घटना के बाद कुछ छात्र नेता भी मौके पर पहुंचे और कॉलेज में हंगामा कर दिया। इसी दौरान पीड़िता के दादा, जो जिला पार्षद हैं, वे भी कॉलेज पहुंच गए। छात्रा ने रोते हुए अपने दादा को पूरा घटनाक्रम बताया, जिसके बाद पीड़िता के दादा और छात्र नेता प्रिंसिपल ऑफिस पहुंचे, जहां सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। सीसीटीवी फुटेज में दोनों आरोपियों की पहचान जीप्पीन यादव और आसिफ के रूप में हुई, जो कॉलेज के छात्र नहीं हैं।

पीड़िता के दादा ने बताया कि दोनों युवक सीसीटीवी में साफ दिखाई दे रहे हैं और उनके खिलाफ शिवाजी पार्क थाने में शिकायत दे दी गई है। वहीं पीड़ित छात्रा ने बताया कि वह अपनी सहेलियों के साथ बैठी थी, तभी दोनों युवक बाइक से आए और उन्हें घूरते हुए छेड़ने लगे। विरोध करने पर एक युवक पेड़ से डंडा तोड़ने लगा और दूसरे युवक ने उसके गाल पर थप्पड़ मार दिया। आरोपियों ने सीने पर भी लात भी मारी। इस दौरान उसके चिल्लाने पर लोग इकठ्ठा तो हो गए, लेकिन कोई हस्तक्षेप नहीं किया। दोनों आरोपी उसे पीटकर फरार हो गए। छात्रा ने कहा कि यह घटना लाइब्रेरी के पास हुई, जहां लाइब्रेरी के सर भी पहुंच गए, लेकिन आरोपी हाथ नहीं आए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

- छात्रा ने जब इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट कर दी
- किसी ने आरोपियों को पकड़ने की कोशिश नहीं की, दोनों युवक फरार हो गए

धोखे से लाखों का माल हड़पा

उदयपुर, (कासं)। भुपालपुरा थाना पुलिस ने पीड़ित से लाखों का माल खरीद कर नकदी का भुगतान नहीं करने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित माला मोटवानी पत्नी जगदीश प्रोपराईटर देवाशीष मिनरल्स प्रथम तल लोढ़ा कॉम्प्लेक्स कोर्ट चौराहा के पास ने आरोपी महेश फुलतरिया पुत्र जयश्री भाई प्रोपराईटर महाकाल ग्लोबल कार्पोरेशन शुभ कॉपरेटिव हब महेन्द्र नगर रोड़ मोरवी गुजरात, धुना कार्पोरेट हब महेन्द्र नगर मोरवी गजरात के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि आरोपी ने अगस्त 2025 में हमारी कंपनी से 24 लाख 70 हजार 760 रूपये का फेल्सपार पाउडर खरीदा था एवं दूसरे दिन माल ट्रांसपोर्ट में फंसने की बात कहते हुए मुझसे 4 लाख 60 हजार रूपये नगद उधार ले गया। इस पर आरोपी ने मुझे चैक दिए थे, जो बैंक में प्रस्तुत करने पर अनादरित हो गए। इस संबंध में संपर्क किया तो आरोपी ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

725 स्थानों पर दबिश, 318 बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। पुलिस ने शनिवार तड़के सात सौ पच्चीस स्थानों पर दबीश देकर तीन सौ अठारह अपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशों को गिरफ्तार किया।

महानिरीक्षण पुलिस उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव व जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अपराधिक घटनाओं के रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ करने व रेड़ एरिया डोमिनेस की कार्रवाई करने के के आदेश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, अंजना सुखवाल एवं जिले के सभी पुलिस उप अधीक्षकों के सुपरविजन में प्रत्येक थानाधिकारियों के नेतृत्व में करीब 103 टीमों में 425 पुलिस अधीकारी एवं कर्मचारियों ने शनिवार तडके जिले में करीब 725 स्थानों पर दबीश दी।

इस दौरान 318 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया, जिनमें आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम, हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती सहित अन्य अपराधों में वांछित 13 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया व 34 स्थाई वारंटी, 11 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। निरोधात्कम कार्रवाई में नवीन विधिक प्रावधानों के तहत247 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

अभियान के दौरान स्थानीय माईनर एक्ट की कार्रवाई के 20 प्रकरण दर्ज कर 13 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। जिनमें आकबारी के 11 प्रकरण दर्ज कर 4 अभियुक्त, एनडीपीएस एक्ट में 1 प्रकरण एक अभियुक्त, आर्म्स एक्ट में 4 प्रकरण 4 अभियुक्त व अन्य मामलों में 4 प्रकरण दर्ज कर 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इसी दौरान 56 हिस्ट्रीशिटरों के घर दबिश देकर उनसे पूछताछ की गई।

- 103 टीमों में 425 पुलिस अधीकारी एवं कर्मचारियों ने 725 स्थानों पर दबीश दी

आगरा-बांदीकुई रेलवे मार्ग पर रेलवे ट्रैक पर पत्थर रखे, लोको पायलट ने मालगाड़ी को रोका

अज्ञात लोगों ने रेलवे ट्रैक पर सीमेंट के फैंसिंग ब्लॉक रख दिए गए थे, जिसके बीच से रात को मालगाड़ी गुजर रही थी

अलवर, (निसं)। अलवर के खेड़ली कस्बे से नदबई की ओर जाने वाले आगरा-बांदीकुई रेलवे मार्ग पर शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे मालगाड़ी के लोको पायलट की सावधानी से बड़ा हादसा टल गया। किसी अज्ञात ने रेल की पटरी पर पत्थर के बड़े ब्लॉक रख दिए गए। लोको पायलट ने पहले ही मालगाड़ी को रोक दिया। वहीं कस्बे से करीब तीन किलोमीटर दूर अज्ञात लोगों ने इंटरसिटी खजुराहो एक्सप्रेस पर पथराव भी किया, जिससे एक कोच का शीशा भी टूटा है। इंटरसिटी के जयपुर पहुंचने के बाद रात करीब साढ़े दस बजे कंट्रोल रूम से खेड़ली रेलवे स्टेशन पर पथराव की सूचना भेजी गई। इसके बाद आरपीएफ ने मौके पर जांच शुरू की और अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

आरपीएफ ने मौके पर जाकर जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार रेलवे ट्रैक पर सीमेंट के फेसिंग ब्लॉक रख दिए गए थे, जिसके बीच से रात को मालगाड़ी गुजर रही थी। सीमेंट ब्लॉक मालगाड़ी के नीचे फंस गए और मालगाड़ी अचानक रुक गई। गनीमत रही कि मालगाड़ी की रफ्तार कम थी और लोको पायलट की नजर ब्लॉक पर पड़ गई, जिससे मालगाड़ी पलटने से बच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और आरपीएफ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पटरी से ब्लॉक हटाकर करीब 20 मिनट बाद मालगाड़ी को रवाना किया गया।

आगरा-बांदीकुई डबल लाइन प्रोजेक्ट के काम के लिए भूमि समतलीकरण चल रहा है। इसी कारण रेलवे भूमि पर सीमेंटेड पोल और तारबंदी की गई थी, लेकिन कई स्थानों पर यह तारबंदी क्षतिग्रस्त हो चुकी है। बदमाशों ने इसी क्षतिग्रस्त जगह से सीमेंटेड ब्लॉक उठाकर पटरी पर रख दिए। यह ब्लॉक पुराने और जर्जर होने के कारण मालगाड़ी से टकराते ही चूर-चूर हो गए, अन्यथा डी-रेलमेंट की संभावना थी। घटना की सूचना मिलने पर आरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट, मथुरा रात में ही मौके पर पहुंच गए। इसके बाद आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट आगरा भी घटनास्थल पर पहुंचे।

- सीमेंट ब्लॉक मालगाड़ी के नीचे फंस गए और अचानक रुक गई, गनीमत रही कि मालगाड़ी की रफ्तार कम थी, जिससे ट्रेन पलटने से बच गई
- खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी ट्रेन पर भी पथराव किया, कोच की खिड़की का कांच टूट गया

सेवद टोल प्लाजा पर हिस्ट्रीशीटर और साथी ने तोड़फोड़ की

पैसों की डिमांड करके दोनों ने स्टाफ को जान से मारने की धमकी भी दी

सीकर, (निसं)। सीकर के सदर थाना इलाके में स्थित सेवद टोल प्लाजा पर हिस्ट्रीशीटर और उसके साथी ने तोड़फोड़ की। पैसों की डिमांड करके उन्होंने स्टाफ को जान से मारने की धमकी भी दी। टोल मैनेजर ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है।

दौसा के सिकंदरा निवासी राजेंद्र कुमार ने बताया कि वह सेवद टोल पर मैनेजर है। टोल पर रात को 1:30 बजे के करीब एक बोलेरो कैंपर गाड़ी आई। बोलेरो गाड़ी में दो लोग बैठे थे। इन्होंने टोल पर अपनी गाड़ी को रोका इसके बाद वहां पर लड़कों के साथ मारपीट करना शुरू किया और टोल के सामान को तोड़ने लगे। टोल के कर्मचारी भाग कर ऑफिस में गए तो मारपीट करने वाले दोनों बदमाश भी उनके पीछे ऑफिस में गए, जहां पर एक बदमाश ने उन्हें कहा कि मुझे गजू सिंगडोला कहते हैं, मैं नेछवा थाने का हिस्ट्रीशीटर हूं। आपको टोल चलाना है तो मुझे हर महीने 50 हजार रुपए देने होंगे। इतने दिन से टोल चला रहे हो उसके बदले 2 लाख रुपए दो। मेरी गैंग का कोई भी आदमी टोल पर आकर नाम लेता है तो उससे टोल भी नहीं लोगे। हर महीने मेरा आदमी आएगा उसको 50 हजार रुपए दोगे। वरना, जान से मार दूंगा, गाड़ी की सीट के नीचे हर वक्त पिस्टल रखता हूं। कहना नहीं माना तो जान से मार दूंगा। इसके बाद दोनों बदमाश वहां से चले गए। अब सदर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सदर थाना एसएचओ इंद्रराज मरोड़िया कर रहे हैं।

हिस्ट्रीशिटर पर इनाम घोषित

उदयपुर, (कासं)। पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने हिस्ट्रीशिटर नरेश हरिजन पर पचार हजार रूपये इनाम की घोषणा की।

आरोपी नरेश हरिजन पुत्र श्यामलाल हरिजन निवासी नाड़ा खाड़ा सूरजपोल हॉल समतानगर सुखेर को बंदी बनाने एवं करवाने या बंदी बनाने के लिए सही सूचना देने वाले व्यक्ति को पचार हजार रूपये नकद पुरस्कार दिया जावेगा तथा सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जावेगा। नरेश हरिजन के खिलाफ 37 अपराधिक प्रकरण दर्ज होकर पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। जिला पुलिस अधीक्षक ने पूर्व में नरेश हरिजन पर 25 हजार रूपये का इनाम घोषित किया था, जिसे महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज गोरव श्रीवास्तव ने निरस्त कर पचास हजार रूपये इनाम देने की घोषणा की।

जोधपुर-पाली-मारवाड़ इंडस्ट्रियल एरिया बन रहा है देश का नया मैन्युफैक्चरिंग हब

3600 हैक्टेयर भूमि पर विकसित हो रहा है औद्योगिक क्षेत्र प्रदेश की सबसे बड़ी औद्योगिक टाऊनशिप बनेगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि राजस्थान में बड़े औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएं, जो पूर्ण इंडस्ट्रियल टाउनशिप के रूप में उभरें। इन टाउनशिप में मैन्युफैक्चरिंग एवं सर्विस के साथ-साथ लॉजिस्टिक, वेयरहाउसिंग तथा सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सभी आवश्यक सहायक सेवाओं का समावेश हो, ताकि ये क्षेत्र अपने आप में आर्थिक विकास के प्रमुख केंद्र बन सकें।

- देखा जाए तो पश्चिमी राजस्थान, अब देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों में उभर रहा है। पचपदरा में शुरू होने जा रही रिफाइनरी, वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर शुरू होने के बाद तथा अमृतसर-जामनगर हाईवे समेत तेजी से बढ़ते लॉजिस्टिक नेटवर्क के कारण यह क्षेत्र वैश्विक निवेशकों की पसंदीदा जगह बनती जा रही है।
- इस औद्योगिक टाउनशिप में भविष्य में कुल 1200 से अधिक इकाइयां स्थापित होने की संभावना है, जिनसे वर्ष 2042 तक लगभग तीन लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

इसी सोच के अनुरूप जोधपुर-पाली-मारवाड़ इंडस्ट्रियल क्षेत्र लगभग 3600 हैक्टेयर भूमि पर विकसित किया जा रहा है। यह क्षेत्र राज्य की सबसे बड़ी औद्योगिक टाउनशिप के रूप में स्थापित होगा और प्रदेश के आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगा। इस औद्योगिक क्षेत्र में बडे पैमाने पर निवेश के साथ-साथ हजारों लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय व क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ आधार मिलेगा।

डीएमआईसी परियोजना विकसित करने के लिये राजस्थान इंडस्ट्रियल कॉरिडर्स डवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड जोकि एक एसपीवी है, का गठन किया गया है जिसमें राजस्थान सरकार की ओर से रीको की 51 प्रतिशत अंशपूंजी है तथा भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारे विकास कार्यान्वयन ट्रस्ट की 49 प्रतिशत अंशपूंजी है।

पश्चिमी राजस्थान अब देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों में उभर रहा है। पचपदरा में शुरू होने जा रही रिफाइनरी, वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर शुरू होने के बाद तथा अमृतसर-जामनगर हाईवे समेत तेजी से बढ़ते लॉजिस्टिक नेटवर्क के कारण यह क्षेत्र वैश्विक निवेशकों की पसंदीदा जगह बनती जा रही है।

यह निवेश क्षेत्र दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण नोड है। इसकी रणनीतिक लोकेशन ना सिर्फ उद्योगों की स्थापना के लिये लाभकारी है, अपितु राज्य का सबसे बडा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब भी यहां स्थापित होने से लॉजिस्टिक्स एवं सर्विस सेक्टर के लिये यह उपयुक्त क्षेत्र साबित होगा। यहां वर्क टू होम कल्चर के लिये विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना विकसित कर आवासीय, वाणिज्यिक एवं रिक्रियेशनल गतिविधियों को अनुमत किया जायेगा ताकि इस औद्योगिक टाउनशिप में काम करने वाले व्यक्तियों को एक ही क्षेत्र में सारी सुविधायें प्राप्त हो सकें।

यह औद्योगिक टाउनशिप जोधपुर-पाली के मध्य स्थित होने के कारण राष्ट्रीय राजमार्गो से बेहतर तरीके से जुडी हुई है तथा हवाई अड्डा भी मात्र 30 किमी की दूरी पर स्थित होने के कारण यह लोकेशन उद्योगों एवं सर्विस सेक्टर को देश के उत्तर पश्चिम से दक्षिण पश्चिम बाजारों तक तेज कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

लॉजिस्टिक लागत कम करने के लिये तथा कच्चे माल की आपूर्ति एवं तैयार माल की ढुलाई के लिये लूणी रोहट मारवाड जंक्शन रेल लाइन के दोहरीकरण का कार्य रेलवे द्वारा किया जा रहा है जिससे सीधे वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से कनेक्टिविटी हो सकेगी और निर्यात क्षमता बढ़ सकेगी। औद्योगिक टाउनशिप तक सुविधाजनक पहुंच के लिये एनएच-65 पर अंडर व्हीकूलर पास का निर्माण अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुका है तथा यह मार्च 2026 तक तैयार हो जायेगा जिससे औद्योगिक टाउनशिप तक सरल एवं निर्बाध पहुंच संभव हो सकेगी।

किसी भी निवेश का सबसे बड़ा आधार ऊर्जा एवं जल की निर्बाध आपूर्ति होती है। इस क्षेत्र में स्थापित होने वाली औद्योगिक इकाईयों के लिये सस्ती ऊर्जा महत्वपूर्ण होती है, इसके लिये राज्य में प्रथम बार विद्युत सप्लाई भी रिडको द्वारा ही की जायेगी।

इसके लिये पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 300 करोड़ से अधिक व्यय किये जा रहे हैं। यहां निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु 220 केवी की दोहरी लाईन डाली जा रही है तथा उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर्स लगाये जाएंगे। गैस की उपलब्धता के लिये स्पर लाईन डाली जा रही है।

पानी की आपूर्ति के लिये राज्य सरकार द्वारा 54 एमएलडी जल आरक्षित किया गया है जिसकी आपूर्ति राजीव गॉधी लिफ्ट केनाल जोधपुर से की जायेगी। आपूर्ति लाईन के लिये पीएचईडी के माध्यम से कार्य कराया जा रहा है जो मौके पर जारी है। जल प्रबन्धन के कार्य के लिये लगभग 175 करोड से अधिक व्यय किया जा रहा है।

इस औद्योगिक टाउनशिप में भविष्य में कुल 1200 से अधिक इकाइयां स्थापित होने की संभावना है, जिनसे वर्ष 2042 तक लगभग तीन लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

1578 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाले फेज-ए में भारत सरकार द्वारा रूपये 922 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इसमें रूपये 322.80 करोड़ भारत सरकार की अंश पूंजी के रूप में तथा रूपये 105 करोड़ सॉफ्ट लोन के रूप में उपलब्ध कराया जा रहा है। इस फेज के लिये भूमि रिडको को सौंपी गयी है तथा परियोजना क्रियान्वयन के लिए रूपये 193.60 करोड़ रिडको को भारत सरकार से प्राप्त हो चुके हैं। चरण-बी की अवाप्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है तथा चरण सी के लिये अवाप्ति प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है।

जवाहर सर्किल पार्क में मॉर्निंग वॉक पर पहुंचे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

आमजन से मुलाकात कर सेहत, दिनचर्या और जीवनशैली से जुड़े विषयों पर बातचीत की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार सुबह जयपुर के जवाहर सर्किल पार्क में मॉर्निंग वॉक किया।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार सुबह जयपुर के जवाहर सर्किल पार्क में मॉर्निंग वॉक किया।

उन्होंने 'फिट राजस्थान-फिट इंडिया' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सभी को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस दौरान पार्क में मौजूद लोगों ने भी कदमताल मिलाते हुए मुख्यमंत्री के साथ मॉर्निंग वॉक की। शर्मा ने आत्मीयता के साथ आमजन से मुलाकात की और सेहत, दिनचर्या तथा जीवनशैली से जुड़े विषयों पर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने जवाहर सर्किल पार्क स्थित मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने जूस पीते हुए आमजन के साथ चर्चा भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर हैप्पीनेस एवं फिटनेस ग्रुप की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'फिट राजस्थान-फिट इंडिया' का दिया संदेश

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने समता और न्याय का जो मार्ग दिखाया है, वह सदैव देश और समाज को प्रगति और सद्भाव की ओर अग्रसर करता रहेगा।

पतंजलि योगपीठ और रूस सरकार के मध्य एमओयू

वैलनेस, योग-आयुर्वेद का रूस में विस्तार, रूस व भारत के आध्यात्मिक व सांस्कृतिक संबंध तथा स्किल्ड लेबर का आदान-प्रदान करने पर सहमति

नई दिल्ली। पतंजलि समूह तथा रूस सरकार के मध्य दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें पतंजलि समूह की ओर से स्वामी रामदेव तथा मॉस्को सरकार (रूस) की ओर से भारत-रूस व्यापार परिषद के अध्यक्ष एवं रूस के वाणिज्य मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम में स्वामी रामदेव ने कहा कि यह एमओयू स्वास्थ्य एवं वेलनेस का संवर्धन, स्वास्थ्य पर्यटन, कुशल मानव संसाधन का आदान-प्रदान तथा अनुसंधान आदि विषयों पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि रूस में योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा को लोग पसंद करते हैं तथा इनका अनुसरण भी करते हैं। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम हमें ऋषियों की इस वैलनेस विधा को पूरे विश्व के लगभग 200 देशों में पहुँचाना है जिसका एण्ट्री प्वाइंट रूस ही होगा। इस एमओयू के पहला महत्वपूर्ण बिन्दु रूस में पतंजलि की वैलनेस सेवाओं का विस्तार करना है। हम रूस के साथ मिलकर को करने, पर गहन अनुसंधान करेंगे जिससे गम्भीर रोगों का मानव शरीर में आने से वर्षों पहले ही पता किया जा सकेगा। इसका दूसरा बिन्दु भारत के आध्यात्मिक ज्ञान, संस्कृति, योग, आयुर्वेद तथा भारत की अमूल्य धरोहरों से संबंधित ज्ञान को रूस के साथ साझा करना है। इसके लिए हम भारत की संस्कृति तथा ऋषियों की धरोहर को रूस लेकर जाएंगे। एमओयू का तीसरा बिन्दु रूस को भारत के द्वारा स्किल्ड लेबर व कुशल योगी उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 2 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षण प्रदान करने वाला पतंजलि ही एकमात्र प्राइवेट पार्टनर रहा है। हम रूस को कुशल योगी व कुशल श्रमिक उपलब्ध कराएँगे। साथ ही इस एमओयू के तहत भारत के उच्च स्तरीय ब्रांड्स को रूस में तथा रूसी ब्रांड्स को भारत में प्रोमोट करना है। हम विश्वस्तरीय पतंजलि ब्रांड को रशिया लेकर जाएंगे जिससे पतंजलि के गुणवत्तायुक्त उत्पादों का लाभ रूस के नागरिकों को भी मिलेगा।स्वामी रामदेव ने कहा कि भारत और रूस मित्र देश हैं। भारत का रूस से इमोशनल कनेक्ट आजादी से पहले भी था और आज भी है। भारत में लोग रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतीन को एक सशक्त ग्लोबल लीडर के तौर पर पहचानते हैं। उनके शौर्य, वीरता व पराक्रम से पूरा विश्व परिचित है। भारत व रूस की मैत्री से कुछ बड़े लोग खुश नहीं हैं। लेकिन किसी भी परिस्थिति में रशिया भारत का मित्र था, है और रहेगा।

पतंजलि समूह तथा रूस सरकार के मध्य दिल्ली में हुए समझौता ज्ञापन पर स्वामी रामदेव तथा मॉस्को सरकार (रूस) की ओर से भारत-रूस व्यापार परिषद के अध्यक्ष एवं रूस के वाणिज्य मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने हस्ताक्षर किए।

- आध्यात्मिक, धार्मिक, आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से भारत और रशिया एक-दूसरे के अभिन्न मित्र देश हैं और रहेंगे : स्वामी रामदेव
- पतंजलि के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत बनाएंगे : सर्गेई चेरेमिन

आध्यात्मिक, धार्मिक, आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से भारत व रशिया एक दूसरे के अभिन्न मित्र देश हैं और रहेंगे।

इस अवसर पर सर्गेई चेरेमिन ने कहा कि हम पतंजलि के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पतंजलि के योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ लेकर हम रूस के लोगों की जीवनशैली परिवर्तित करेंगे और उन्हें निरोगी बनाएंगे।

राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र जनवरी के आखिर में बुलाने की तैयारी

राज्यपाल के अभिभाषण से होगी सत्र की शुरुआत, बजट फरवरी में होगा पेश

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र जनवरी के अंत में बुलाने की तैयारी शुरू हो गई है। सरकार के संकेतों के अनुसार राज्य का वार्षिक बजट फरवरी में पेश किया जाएगा, हालांकि बजट पेश करने की सटीक तारीख बाद में तय होगी। सत्र की शुरुआत परंपरा के अनुसार राज्यपाल के अभिभाषण से होगी, जिसके लिए सभी विभागों ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

कैबिनेट सचिवालय ने सभी विभागों को राज्यपाल के अभिभाषण में शामिल होने वाली प्रमुख योजनाओं, उपलब्धियों और महत्वपूर्ण कार्यों का विस्तृत ब्योरा 26 दिसंबर तक भेजने के निर्देश दिए हैं। पिछले कुछ वर्षों की तरह इस बार भी बजट सत्र जनवरी के अंतिम सप्ताह में शुरू होने की संभावना है।

- आंकड़ों में गलती न हो, इसके लिए विभागों को सख्त निर्देश

अभिभाषण के आंकड़ों को लेकर पहले भी विवाद उठते रहे हैं-चाहे कांग्रेस सरकार हो या भाजपा की। इसी कारण इस बार कैबिनेट सचिवालय ने विशेष निर्देश जारी किए हैं कि विकास योजनाओं में किए गए खर्च और अन्य महत्वपूर्ण आंकड़ों को अंकों के साथ-साथ शब्दों में भी भेजा जाए ताकि किसी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न रहेराज्यपाल के अभिभाषण को फाइनल करने के लिए शीघ्र ही वरिष्ठ मंत्रियों की एक कैबिनेट सब कमेटी गठित की जाएगी।

यह समिति सभी विभागों से प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करेगी और अभिभाषण में शामिल किए जाने वाले मुख्य बिंदुओं को अंतिम रूप देगी। बजट सत्र बुलाने के लिए राज्य सरकार जल्द ही राज्यपाल के पास औपचारिक प्रस्ताव भेजेगी।

प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद विधानसभा सत्र बुलाने की अधिसूचना जारी की जाएगी। सत्र की अंतिम तारीख राज्यपाल की स्वीकृति से तय होगी।

वन सेवा के अधिकारी पर फर्जी दिव्यांगता का आरोप

राजस्थान हाईकोर्ट ने वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, यूपीएससी सचिव, पीसीसीएफ और डीओपी सचिव सहित आरएफएस अधिकारी जगदीप सिंह से जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट में राजस्थान वन सेवा के अधिकारी पर सेवाकाल के दौरान सिस्टम का दुरुपयोग कर फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र हासिल करने और उसके आधार पर पहले सलेक्शन स्केल का लाभ और अब आईएफएस पद पर होने वाली पदोन्नित में इसका लाभ मिलने का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की गई है। जिस पर अदालत ने वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, यूपीएससी सचिव, पीसीसीएफ और डीओपी सचिव सहित आरएफएस अधिकारी जगदीप सिंह से जवाब मांगा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश आरएफएस अधिकारी सरिता कुमारी व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि जगदीप सिंह का राजस्थान वन सेवा के अधिकारी के पद पर सामान्य तौर पर चयन हुआ था। उसके पास चालीस फीसदी या अधिक की बेंचमार्क दिव्यांगता भी नहीं है। याचिका में आरोप लगाया गया कि अरण्य भवन में तैनाती के दौरान उन्होंने सिस्टम का दुरुपयोग कर फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवा लिया। याचिकाकर्ता वरिष्ठता सूची में जगदीप सिंह से ऊपर हैं, लेकिन दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर उन्हें याचिकाकर्ताओं से पहले सिलेक्शन स्केल का लाभ दिया गया। वहीं अब उन्हें इसी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर भारतीय वन सेवा में पदोन्नित में लाभ दिया जा सकता है। याचिका में कहा गया फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्रों को लेकर एसओजी में कई प्रकरण दर्ज है और राज्य सरकार भी संदिग्ध अधिकारियों की दिव्यांगता का पुनः परीक्षण करा रही है। इसके बावजूद जगदीप सिंह की दिव्यांगता को लेकर कोई जांच नहीं की गई। आरएफएस से आईएसएफ पद पर पदोन्नित के लिए जल्दी ही पदोन्नित बोर्ड की बैठक होने वाली है। उसमें भी जगदीप सिंह को दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर याचिकाकर्ताओं से ऊपर माना जाएगा। ऐसे में राज्य सरकार पहले जगदीप सिंह की दिव्यांगता की जांच की जाए और उसके बाद ही डीपीसी बोर्ड की बैठक बुलाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

संविदा भर्ती नियमों को अनदेखा कर कर्मचारी को हटाने वाले आदेश पर रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने संविदा भर्ती नियम की अवहेलना कर चिकित्सा विभाग के संविदा कर्मी को हटाने वाले आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में चिकित्सा सचिव और स्वास्थ्य निदेशक सहित संबंधित सीएमएचओ से जवाब तलब किया है। जस्टिस मुनेरी लक्ष्मण की एकलपीठ ने यह आदेश मोहम्मद फैसल खान पठान की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 2016 में मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना में स्वास्थ्य मार्गदर्शक के पद पर संविदा पर लगा था। गत 29 सितंबर को संबंधित प्रमुख चिकित्सा अधिकारी ने शिकायत के आधार पर याचिकाकर्ता की सेवा समाप्त कर दी। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि वह राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी के माध्यम से नियुक्त हुआ था और संविदा भर्ती नियम के तहत पांच साल की सेवा के बाद नियमित होने का अधिकारी हो गया था। इसके बावजूद उसे झूठी शिकायत पर सेवा से अलग कर दिया गया। जबकि संविदा भर्ती नियम के नियम 18 के तहत किसी संविदा कर्मी के खिलाफ यदि कोई आरोप सिद्ध होता है तो उसे सेवा से हटाया जा सकता है, लेकिन इससे पूर्व उसे सुनवाई का पूरा अवसर दिया जाएगा। याचिकाकर्ता को काम के प्रति लापरवाही बरतने और उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना का आरोप लगाकर सेवा से हटाया गया है, लेकिन इससे पूर्व उसे सुनवाई का कोई मौका नहीं दिया गया। ऐसे में उसे सेवा से हटाने के आदेश को अवैध घोषित कर निरस्त किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को सेवा से हटाने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

आरक्षण के मुद्दे पर प्रदर्शन को लेकर दर्ज एफआईआर की जांच की मॉनिटरिंग करें डीएसपी

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने करीब ढाई साल पहले भरतपुर में सैनी समाज को आरक्षण के मुद्दे पर हो रहे प्रदर्शन को लेकर दर्ज एफआईआर की जांच की मॉनिटरिंग स्थानीय पुलिस उप अधीक्षक को सौंपी है।

वहीं अदालत ने जांच अधिकारी को कहा है कि वह प्रकरण की जांच करे और यदि जांच में याचिकाकर्ता दोषी पाए जाए तो उसे नोटिस देकर विधि अनुसार आगे की कार्रवाई करे। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश नवल व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता वेदप्रकाश सैनी ने अदालत को बताया कि भरतपुर के वैर में 21 अप्रैल, 2023 को सैनी समाज को आरक्षण देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा था। घटना को लेकर पुलिस ने 22 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसमें याचिकाकर्ता को भी बतौर आरोपी शामिल कर लिया गया।

याचिका में कहा गया कि वह छात्र है और मौके पर मौजूद ही नहीं था। पुलिस ने उसे मामले में गलत तरीके से फंसा दिया है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में जांच अधिकारी को अभ्यावेदन भी दिया, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि घटना को लेकर हुई शिनाख्त परेड से साबित है कि याचिकाकर्ता मौके पर ही मौजूद था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने मामले में जांच अधिकारी को निर्देश देते हुए डीएसपी को प्रकरण की मॉनिटरिंग करने को कहा है।

फ्लाइट्स रद्द होने से जयपुर एयरपोर्ट पर परेशान घूमते रहे यात्री

जयपुर। इंडिगो एयरलाइंस की 17 फ्लाइट्स रद्द होने के कारण शनिवार को जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे यात्री परेशान घूमते रहे। कई टूरिस्ट ग्रुप भी अटक गए। एयरपोर्ट काउंटर पर सुबह से लंबी लाइनें लगी रही। लोगों का कहना था कि पहले शुक्रवार को फ्लाइट कैंसिल हुई, फिर मैसेज आया कि आज फ्लाइट जाएगी। हम सामान लेकर एयरपोर्ट पहुंचे तो जवाब मिला कि आज की फ्लाइट भी रद्द हो गयी है। अब कह रहे हैं कि बस से दिल्ली चले जाओ। इससे नाराज होकर यात्रियों ने हंगामा भी किया। ज्ञात रहे कि जयपुर से बीते 6 दिन में 81 फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट की है। लगातार कैंसिल फ्लाइट के कारण जयपुर-मुंबई रूट पर दूसरी एयरलाइंस ने किराया बढ़ा दिया है। शनिवार को मुंबई के लिए किसी भी फ्लाइट में सीट उपलब्ध नहीं थी। रविवार को स्पाइसजेट की दोनों उडानों शाम 6:15 बजे और रात 11:20 बजे का किराया बढ़कर 37 हजार 977 रुपए तक पहुंच गया।

बुमराह दादा गेंदबाज़ हैं। बुमराह को लेने के लिए भी अक्ल होनी चाहिए ना। आपने उन्हें सफ़ेद गेंद का गेंदबाज़ बनाया, तो वो लाल गेंद के गेंदबाज़ कैसे बन गए? - रवि शास्त्री

पूर्व भारतीय गेंदबाज, बुमराह के चयन को लेकर बोलते हुये।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी आंद्रे रसेल

अबू धाबी नाइट राइडर्स ने टी-20 प्रारूप में 500 विकेट लेने वाले आंद्रे रसेल को सम्मानित किया है। आंद्रे रसेल ने यह उपलब्धि डीपी वर्ल्ड आईएल टी-20 के दौरान अबू धाबी नाइट राइडर्स और डेजर्ट वाइपर्स के बीच खेले गये मुकाबले में हासिल की। इसी के साथ वह इस प्रारुप में 500 विकेट पूरे करने वाले दुनिया के कुछ ही खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए, अबू धाबी नाइट राइडर्स ने रसेल को एक कस्टमाइज्ड '500' जर्सी भेंट की, जो टीम और टी-20 क्रिकेट में उनके शानदार योगदान का जश्न मनाती है।

क्या आप जानते हैं ?... कोहली ने 100 के स्ट्राइक रेट के साथ अपने वनडे करियर में 36 शतक ठोके हैं। इस मामले में दूसरे नंबर पर एबी डिविलियर्स हैं।

रोहित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 20,000 रन बनाने वाले एलीट क्लब में शामिल हुए

विशाखापत्तनम, 6 दिसंबर। रोहित शर्मा शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के चल रहे एकदिवसीय मैच के दौरान पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20 हजार रन का आंकड़ा पार करने वाले चौथे भारतीय क्रिकेटर बन गए। वह सचिन तेंदुलकर (34,357 रन), विराट कोहली (27,910 रन) और राहुल द्रविड़ (24,208 रन) जैसे महान बल्लेबाजों के खास ग्रुप में शामिल हो गए हैं। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज की गेंद पर एक रन लेकर यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने खूबसूरती से लॉन्ग-ऑफ की तरफ खेला, जिससे दर्शकों की तालियों के बीच यह रिकॉर्ड बन गया। उनकी पारी ने उनकी टाइमिंग और पावर दोनों को दिखाया, जिससे वह दुनिया के क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं। अपने आक्रामक स्ट्रोकप्ले के लिए जाने जाने वाले रोहित ने एकदिवसीय में छक्के लगाने का एक अनोखा रिकॉर्ड भी बनाया है। उन्होंने हुक और पुल शॉट का इस्तेमाल करते हुए सीमर्स के खिलाफ 114 छक्के लगाए हैं, जो उपलब्ध बॉल-बाय-बॉल रिकॉर्ड में क्रिस गेल के 48 छक्कों के अगले सर्वश्रेष्ठ आंकड़े से काफी आगे है। ऐतिहासिक 20,000 रन का आंकड़ा छूने के बावजूद, रोहित अपनी पारी को शतक में नहीं बदल पाए। महाराज ने आखिरकार उन्हें आउट कर दिया, जब मैथ्यू ब्रीत्ज़के ने उन्हें डीप मिड-विकेट पर कैच कर लिया। रोहित ने 73 गेंदों में 75 रन बनाए, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे। इसके बाद विराट कोहली भारत के लिए पारी को संभालने आए। रोहित के 15 साल से ज्यादा लंबे करियर में कई रिकॉर्ड बने हैं, जिसमें वनडे में कई दोहरे शतक बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी होना भी शामिल है, और सीमर्स के खिलाफ उनके छक्कों का आंकड़ा टॉप क्लास बॉलिंग अटैक पर हावी होने की उनकी असाधारण क्षमता को दिखाता है।

रोहित-विराट ने मुझे लय तय करने में मदद की : जायसवाल

विशाखापत्तनम, 6 दिसंबर। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मुझे लय तय करने में मदद की। दक्षिण अफ्रीका पर नौ विकेट से मिली जीत के बाद प्लेयर ऑफ द मैच यशस्वी जायसवाल ने कहा कि मैं वास्तव में बहुत खुश और धन्य महसूस कर रहा हूं। रोहित और मैंने इस बारे में बहुत बात की है कि हमें कैसे खेलना है और किस तेज़ी से आगे बढ़ना है। मैं शुरुआत को बड़े स्कोर में बदल नहीं पा रहा था। मैं बस यही सोच रहा था कि पारी को कैसे संतुलित रखना है। कभी-कभी मुझे ज्यादा आक्रामक होना पड़ता है और कभी सिंगल लेकर पारी को संभालना होता है। मुझे अपने विचारों पर नियंत्रण रखना होता है। कहां और कौन-से शॉट खेल सकता हूं। मुझे गेंदबाज़ों पर हमला करना होता है, और यह जानना कि कब ऐसा करना है, मदद करता है। जब विराट पाजी आए, तो उन्होंने कई शॉट खेले। उन्होंने मुझे लक्ष्य तय करने में भी मदद की। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि मेरे लिए यह काफी मुश्किल था। कुछ ख़राब गेंदें और अच्छे शॉट्स थे। मुझे सोचना था कि वापसी कैसे होगी। क्रिकेट की यही अच्छा चीज़ है कि आपको दूसरा मौक़ा मिलता है। मैंने अच्छी लेंथ पर गेंद डालने के साथ स्टंप पर रखने की कोशिश की। मैं ओस या फिर परिस्थितियों को दोष नहीं देना चाहूंगा। खिलाड़ी के तौर पर हमसे ऐसी परिस्थितियों का सामना करने की उम्मीद रहती है। अर्शदीप और हर्षित ने जिस तरह की शुरुआत की उन्हें भी क्रेडिट मिलना चाहिए। फिर कुलदीप ने विकेट निकाले तो गेंदबाजी यूनिट के रूप में हमने अच्छा किया। पिछले मैच के बाद मैं दबाव में था।

गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा : राहुल

विशाखापत्तनम, 6 दिसंबर। भारतीय टीम के कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल ने कहा कि गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा। दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से शिकस्त देने के बाद केएल राहुल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि टॉस जीतने के बाद टीम जितने गर्व से मेरी ओर देख रही थी वैसा कुछ और करने पर देखती। पहले दो मैचों में हमने कठिन परिस्थितियों का सामना किया था। गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा। पिच अच्छी थी और हमने गुच्छों में विकेट हासिल किया। हमें पता था कि जो टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है वह 400 भी चेज़ कर सकती है और लगातार विकेट गंवाकर जल्दी आउट भी हो सकती है। प्रसिद्ध ने जो 2-3 विकेट लिए वो अहम थे फिर कुलदीप ने भी विकेट निकाले। इसी तरह वनडे में आप टीमों पर दबाव बनाते हैं। डी कॉक की बल्लेबाजी शानदार रही। सबसे सुखद चीज वो रही जैसा हमने दबाव को झेला। हर मैच में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने हमारे ऊपर दबाव डाला। प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार से नवाजे गये विराट कोहली ने कहा, इस सीरीज में जिस तरह से मैंने खेला है, वह मेरे लिए सबसे संतोषजनक रहा है। मैं बहुत फ्री महसूस कर रहा हूं, पूरा खेल एक साथ जुड़ता हुआ लग रहा है। मैंने अपने स्टैंडर्ड को बनाए रखने और प्रभाव छोड़ने की कोशिश की है। मैं लंबी पारी खेल सकता हूं और परिस्थिति के अनुसार ढल सकता हूं। कई बार ऐसा होता है जब आपको संदेह होता है। आप घबराते भी हैं, खासकर बल्लेबाज़ी में, जहां एक गलती महंगी पड़ सकती है। यह एक पूरी यात्रा है बेहतर बनने की, एक बेहतर इंसान बनने की। मुझे खुशी है कि मैं अभी भी टीम के लिए योगदान दे पा रहा हूं। जब मैं खुलकर खेलता हूं, तो मुझे पता है कि मैं छक्के मार सकता हूं। मैं बस अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना चाहता था और अच्छा करना चाहता था। पहली पारी इस सीरीज़ की मेरी सर्वश्रेष्ठ पारी थी।

यशस्वी का नाबाद शतक, भारत ने दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराया और सीरीज में 2-1 से जीत

विशाखापटनम, 6 दिसंबर। 'प्लेयर ऑफ द मैच' यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' विराट कोहली (नाबाद 65) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को शनिवार को तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय मुकाबले में 61 गेंदे शेष रहते नौ विकेट से रौंद दिया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज भी 2-1 से अपने नाम कर ली।

यह कोहली का एकदिवसीय में 12वां जबकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 22वां प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार है। सचिन तेंदुलकर के पास कुल 20 प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार थे। 271 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 155 रनों की साझेदारी कर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की खूब खबर ली और अपने-अपने अर्धशतक पूरे किये। रोहित ने अपने जाने-माने पुल शॉट्स खेले और बाउंड्री की झड़ी लगने से वह 100 रन बनाने के करीब लग रहे थे। 26वें ओवर में केशव महाराज ने रोहित शर्मा को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को पहली और एकमात्र सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 73 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 75 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विराट कोहली ने 10 ओवर तक संभल कर खेलने के बाद जायसवाल ने साथ यकायक ऐसा गियर बदला और भारत को जीत दिला दी।जायसवाल ने 50 रन बनाने के बाद टी-20 मोड में खेलना शुरू कर दिया और अपना पहला शतक रन बनाया। कोहली ने 40वां ओवर कर रहे लुंगी एन्गिडी की पांचवीं गेंद पर चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई। भारत ने 39.1 ओवर में एक विकेट पर 271 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। यशस्वी जायसवाल ने 121 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 116) रनों की पारी खेली। वहीं विराट कोहली ने 45 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए (नाबाद 65) रन बनाये।

इससे पहले भारत ने कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा (चार-चार विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका 270 के स्कोर पर ढेर कर दिया था। आज यहां टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में रायन रिकलटन (शून्य) का विकेट गंवा दिया। उन्हें अर्शदीप ने विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान टेम्बा बावुमा ने डी कॉक के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन जोड़े। 21वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने बावुमा को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। टेम्बा बावुमा ने 67 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 48 रन बनाये। इसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके (24) को प्रसिद्ध कृष्णा ने पगबाधा आउट किया। इसी ओवर में कृष्णा ने एडन मारक्रम (एक) का भी शिकार कर लिया। इसी दौरान 30वें ओवर में हर्षित राणा की गेंद पर डी कॉक ने छक्का मारकर अपना शतक पूरा किया। भारत के खिलाफ यह उनका सातवां शतक है। इसी के साथ उन्होंने भारत के खिलाफ सबसे अधिक एकदिवसीय शतक के मामले में सनत जयसूर्या की बराबरी की। इसके अलावा उन्होंने भारत में किसी भी विदेशी बल्लेबाज के सबसे ज़्यादा शतक का एबी डीविलियर्स का रिकॉर्ड की भी बराबरी की।

33वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने क्विंटन डी कॉक को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को पांचवां झटका दिया। क्विंटन डी कॉक ने 89 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 106 रनों की पारी खेली। इसके बाद कुलदीप यादव ने 39वें ओवर में पहले डेवाल्ड ब्रेविस (29) और इसी ओवर की तीसरी गेंद पर मार्को यानसन (17) का शिकार कर लिया। कॉर्बिन बॉश (नौ) और लुंगी एन्गिडी (एक) को भी कुलदीप ने आउट किया। 48वें ओवर की पांचवी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने ऑटनील बार्टमैन (तीन) को बोल्ड कर 270 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत कर दिया। भारत के लिए कुलदीप यादव ने 41 रन देकर चार विकेट लिये। प्रसिद्ध कृष्णा को भी चार विकेट मिले। अर्शदीप सिंह और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया जीत और 3-0 की बढ़त के करीब

ब्रिस्बेन, 6 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड पर जीत हासिल करने और 2-0 की बढ़त बनाने के करीब पहुंच गया है। इंग्लैंड ने तीसरे दिन स्टंप्स तक अपने छह विकेट 134 रन पर खो दिए हैं और वह अभी मेजबान टीम की पहली पारी की बढ़त से 43 रन पीछे हैं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क, माइकल नेसर और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को इस डे -नाईट टेस्ट में जीत की किरण दिखा दी है। ऑस्ट्रेलिया ने गाबा में अपना दबदबा बनाए रखा, और एक और सेशन जीत लिया। इंग्लैंड के ओपनर्स ने डिनर से पहले पहले 6 ओवर में 45 रन बनाकर उन्हें जबरदस्त शुरुआत दी, लेकिन स्कॉट बोलैंड के आते ही चीज़ें तेजी से बदल गईं। एक गेंद नीची रही और डकेट को पूरी तरह धोखा दे गई, जो इंटरवल के ठीक बाद बोल्ड हो गए। क्रॉली और पोप ने मिलकर एक मजबूत स्टैंड बनाया, लेकिन नेसर ने दोनों को तेजी से कैच-एंड-बोल्ड करके आउट कर दिया। रूट उम्मीद जगाने वाले लग रहे थे लेकिन वह ज़्यादा देर तक नहीं टिक पाए, स्टार्क ने उन्हें कैच आउट कर दिया।

बोलैंड ने ब्रूक को कैच आउट कराया, जबकि जेमी स्मिथ भी जल्द ही विकेट के पीछे कैच आउट हो गए। आखिरी सेशन दिन का सबसे ड्रामैटिक रहा, जिसमें लगभग हर गेंद पर कुछ न कुछ हो रहा था। पहले दो दिनों में, पुरानी पिंक बॉल के सामने बैटिंग करना आसान लग रहा था, लेकिन आज रात पूरी तरह से अलग टेस्ट था। अभी, इंग्लैंड अभी भी 43 रन पीछे है और उसके हाथ में सिर्फ़ चार विकेट हैं। इंग्लैंड की तरफ से जैक क्रौली ने सर्वाधिक 44, ओली पोप ने 26 और पहली पारी के शतकधारी जो रुट ने 15 रन बनाये।

भारत सेमीफाइनल में जर्मनी से भिड़ेगा

चेन्नई, 6 दिसंबर। मेजबान भारत रविवार को सेमीफ़ाइनल में सात बार की चैंपियन जर्मनी से भिड़ेगा। भारत ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप दो बार जीता है, और उसकी आखिरी जीत 2016 में हुई थी, जब यह टूर्नामेंट लखनऊ में उसके घर पर हुआ था। मंगलवार को मदुरै इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में पुरुषों के रोमांचक क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जोश से भरे भारत ने अपना धैर्य बनाए रखते हुए शूट-आउट में बेल्जियम को 4-3 से हराया। प्रिंसदीप सिंह ने शूटआउट में भारतीय हॉकी टीम के लिए शानदार बचाव किया। प्लेयर ऑफ़ द मैच चुने गए प्रिंसदीप ने कहा, "(कोच) पीआर श्रीजेश से बहुत कुछ सीखा है और उन्हें देखकर, उनसे सीखकर आत्मविश्वास बढ़ा है। यह एक शानदार मैच था और चेन्नई में दर्शकों का समर्थन अविश्वसनीय था।" शारदा नंद तिवारी भी भारत के शूटआउट में डटे रहे, उनके पेनल्टी स्ट्रोक्स ने भारत को मुकाबले में बनाए रखा। उन्होंने तीन गोल किए, जबकि अंकित पाल ने भारत के लिए विनिंग गोल किया।

जस्टिन ग्रीव्स का ऐतिहासिक दोहरा शतक, न्यूज़ीलैंड बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट मैच हुआ ड्रॉ

क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड), 6 दिसंबर। प्लेयर ऑफ द मैच जस्टिन ग्रीव्स (दो विकेट/ नाबाद 202), शाई होप (140) और केमार रोच (नाबाद 58) की जुझारू पारियों के दम वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पांचवें दिन शनिवार को दूसरी पारी में छह विकेट पर 457 का स्कोर कर मैच को शानदार तरीके से ड्रा कराने में सफल रहा। और उसने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चरण के अपने छठे टेस्ट में पहला अंक हासिल किया।

आज यहां वेस्टइंडीज ने कल दो विकेट पर 217 रनों से आगे खेलना शुरु किया। वेस्टइंडीज का पांचवां विकेट 93वें ओवर में 268 के स्कोर पर शाई होप के रूप में गिरा। शाई होप ने 234 गेंदों में 15 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 140 रनों की पारी खेली। कुछ देर बाद जैक फाउल्क्स ने टेविन इमलाच (चार) को आउट कर न्यूजीलैंड के मैच जीतने की उम्मीद को हवा दी। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये केमार रोच ने जस्टिन ग्रीव्स के साथ न्यूजीलैंड के गेंदबाजों का सामना बहादुरी से किया और पिच पर टिके रहे। इसी दौरान ग्रीव्स ने पहले अपना शतक और उसके बाद दोहरा शतक पूरा किया। इसी के साथ ग्रीव्स टेस्ट की चौथी पारी में डबल सेंचुरी बनाने वाले चौथे वेस्टइंडियन और कुल मिलाकर सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। न्यूजीलैंड के लिए जेकब डफी ने तीन विकेट लिये। माइकल ब्रेसवेल, जैकरी फॉक्स और मैट हेनरी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जस्टिन ग्रीव्स की शानदार बल्लेबाजी की वजह से उन्हें इस एक ही पारी में अपने 12-टेस्ट करियर की आधी से अधिक गेंदों का सामना करना पड़ा, और वेस्टइंडीज ने क्राइस्टचर्च में 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चरण के अपने छठे टेस्ट में पहला अंक हासिल किया। उन्होंने कुल 163.3 ओवर खेले, जो 95 सालों में वेस्टइंडीज के लिए टेस्ट में चौथी पारी में सबसे ज्यादा ओवर हैं। तीसरे दिन 92 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद वेस्टइंडीज को बचाने वाली 196 रन की पार्टनरशिप में शाई होप का साथ देने के बाद, जब होप (140) और टेविन इमलाच जल्दी-जल्दी आउट हो गए, तो ग्रीव्स पारी की जान बन गए।

उन्होंने आखिरी ओवर से ठीक पहले जैकब डफी की गेंद को बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से मारकर अपना पहला शानदार टेस्ट दोहरा शतक पूरा किया। यह आखिरी सेशन में उनका सिर्फ दूसरा चौका था, और उनके साथी खिलाड़ियों ने खड़े होकर उनका तालियों से स्वागत किया। ग्रीव्स ने 388 गेंदों में 19 चौके लगाते हुए नाबाद 202 रनों की पारी खेली।

एफसी गोवा की नजरें खिताब बचाने पर

फातोर्दा, 6 दिसंबर। कोलकाता की बड़ी टीम ईस्ट बंगाल रविवार को फातोर्दा के जेएलएन स्टेडियम में एआईएफएफ सुपर कप 2025-26 के फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन एफसी गोवा से भिड़ेगी। ईस्ट बंगाल बनाम एफसी गोवा का फाइनल रविवार शाम 7:30 बजे शुरू होगा। 2018 में फेडरेशन कप के बाद शुरू हुआ सुपर कप, इंडियन फुटबॉल का टॉप-टियर डोमेस्टिक कप कॉम्पिटिशन है और जीतने वालों को 2026-27 एएफसी चैंपियंस लीग टू प्ले-ऑफ में जगह मिलेगी। ईस्ट बंगाल एफसी गोवा के खिलाफ बिना हारे फाइनल में पहुंचा है। उन्होंने सेमीफाइनल में पंजाब एफसी को 3-1 से हराने से पहले ग्रुप ए में एक जीत और दो ड्रॉ के साथ टॉप किया था। दूसरी ओर, गौर्स अपना ग्रुप बी मैच नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से हार गए, लेकिन जमशेदपुर एफसी और इंटर काशी को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे, जहां उन्होंने मुंबई सिटी को 2-1 से हराया। बिपिन सिंह और अर्जेंटीना के केविन सिबिल गोल के सामने ईस्ट बंगाल के लिए मुख्य खतरा बन सकते हैं, दोनों ने दो-दो गोल किए हैं। स्पेन के बोर्जा हेरेरा और सर्बिया के डेजान ड्राज़िक गोल के सामने गोवा के सबसे खतरनाक खिलाड़ी रहे हैं।

राजस्थान ने दिल्ली को 3 विकेट से हराया

अहमदाबाद, 6 दिसंबर। मुकुल चौधरी (नाबाद 62) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत राजस्थान ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी के रोमांचक मुकाबले में दिल्ली को तीन विकेट से हरा दिया।

176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पांचवें ओवर में दो तथा छठे ओवर में 38 के स्कोर पर एक और विकेट गंवाया। शुभम गढ़वाल (29), दीपक हुड्डा (शून्य) तथा महिपाल लोमरोर (चार) रन आउट हुये। इसके बाद करण लांबा और कुणाल सिंह राठौड़ ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट लिए 60 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में सुयश शर्मा ने करण लांबा (31) को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मुकुल चौधरी ने कुणाल सिंह राठौड़ के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 15वें ओवर में सुयश शर्मा ने कुणाल सिंह राठौड़ (26) को आउट कर राजस्थान को पांचवां झटका दिया। हालांकि मुकुल चौधरी एक छोर थामे छक्के उड़ाते रहे। साहिल धीवान और अशोक शर्मा (दो-दो) रन बनाकर आउट हुये। राजस्थान ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 177 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया।

दिल्ली के लिए नवदीप सैनी ने तीन और सुयश शर्मा ने दो विकेट लिये। आयुष बदोनी ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 175 रनों का स्कोर खड़ा किया। प्रियांश आर्य और यश ढुल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 73 रन जोड़े। नौवें ओवर में मानव सुथार ने प्रियांश आर्य को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। प्रियांश आर्य ने 20 गेंदों में दो चौके ओर तीन छक्के लगाते हुए 32 रन बनाये। सुथार ने इसी ओवर की चौथी गेंद पर यस ढुल को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। यस ढुल ने 31 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 38 रनों की पारी खेली। कप्तान नीतीश राणा 16 गेंदों में (21) और आयुष बदोनी 23 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुये। तेजस्वी दहिया 21 गेंदों में 33 रनों की नाबाद पारी खेली। मयंक रावत 12 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान के लिए मानव सुथार और अशोक शर्मा ने दो-दो विकेट लिये। महिपाल लोमरोर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

डी कॉक ने भारत के खिलाफ जड़ा 7वां शतक, विराट रिकॉर्ड, सचिन-रोहित के क्लब में शामिल

विशाखापटनम, 6 दिसंबर। दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ क्विंटन डी कॉक ने अपने 13,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं और इस विशिष्ट क्लब में शामिल होने वाले अपने देश के सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इस अनुभवी विकेटकीपर ने भारत के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पहले दो मैचों में दो कम स्कोर से उबरते हुए प्रोटियाज़ के लिए अपना 23वाँ एकदिवसीय शतक जड़ा। उन्होंने 89 गेंदों में आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से 119.10 के स्ट्राइक रेट से 106 रन बनाए। भारत में अपने सातवें शतक के साथ, डी कॉक विदेशी धरती पर सर्वाधिक वनडे शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर (यूएई में सात शतक), पाकिस्तान के सईद अनवर (यूएई में सात शतक), एबी डिविलियर्स (भारत में सात शतक) और रोहित शर्मा (इंग्लैंड में सात शतक) की श्रेणी में शामिल हो गए हैं।

बीसीसाई ने सैयद मुश्तक अली ट्रॉफी सुपर लीग मैचों को इंदौर से पुणे स्थानांतरित किया : सैकिया

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को 'लॉजिस्टिक कारणों' से सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल सहित सुपर लीग चरण के मैचों को इंदौर से पुणे स्थानांतरित करना पड़ा। बीसीसीआई सचिव सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप का ग्रुप लीग चरण अभी हैदराबाद, लखनऊ, अहमदाबाद और कोलकाता में चल रहा है। सुपर लीग चरण और फाइनल पहले इंदौर में आयोजित होने वाले थे। सुपर लीग चरण 12 दिसंबर से शुरू होगा और फाइनल 18 दिसंबर को खेला जाएगा। बीसीसीआई सचिव सैकिया ने कहा, "हां, हमने सुपर लीग चरण के मैचों का स्थल इंदौर से पुणे स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।" जानकारी मिली है कि यह कदम मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ के अनुरोध पर उठाया गया जिसने उस समय होटल कमरों की कमी का हवाला दिया क्योंकि आठ टीम के बड़े सहयोगी सदस्यों और ब्रॉडकास्ट क्रू को एक साथ आवास देना मुश्किल हो रहा था। साथ ही उस समय कुछ शादी समारोहों और डॉक्टरों के सम्मेलन (13 से 16 दिसंबर) के कारण पांच सितारा होटलों में पर्याप्त कमरे उपलब्ध नहीं थे। सुपर लीग में आठ टीमें शामिल होंगी (प्रत्येक एलीट ग्रुप से शीर्ष दो) जिन्हें दो समूहों में बांटा गया है और शीर्ष दो टीमें फाइनल में आमने-सामने होंगी। पुणे में कुल 13 मैच खेले जाएंगे जिसमें 12 सुपर लीग मैच और एक फाइनल होगा। ये मैच दो स्थल गहुंजे स्टेडियम और पुराने एमसीए मैदान हैं।

सुरुचि सिंह स्वर्ण पदक और सम्राट राणा ने कांस्य जीता पदक

दोहा, 6 दिसंबर। भारतीय निशानेबाजों शनिवार को सुरुचि सिंह को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक तथा सैन्याम ने रजत तथा सम्राट राणा ने पुरुषों की स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। पेरिस ओलंपिक 2024 की पदक विजेता मनु भाकर भी फाइनल में पहुंचीं, लेकिन एलिमिनेशन स्टेज के दौरान पीछे रहने के बाद पांचवें स्थान पर रहीं। अपने पहले वर्ल्ड कप फाइनल में हिस्सा ले रही सुरुचि ने 245.1 पॉइंट्स हासिल करके शानदार प्रदर्शन किया और एक नया आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। 19 साल की भारतीय निशानेबाज ने आखिरी शॉट्स में अपना संयम बनाए रखा, जिसमें 10.5 से ज़्यादा के कई स्कोर शामिल थे। सुरुचि सिंह का 245.1 पॉइंट्स का नया जूनियर निशानेबाजी विश्व रिकॉर्ड मनु भाकर के पिछले 244.7 के रिकॉर्ड से बेहतर है, जो 2019 से कायम था। वर्ल्ड रैंकिंग में दूसरे स्थान पर रहीं सुरुचि सिंह इस साल पिस्टल इवेंट्स में सबसे बेहतरीन निशानेबाजों में से एक रही हैं, उन्होंने इस साल पहले तीन आईएसएसएफ विश्व कप में इसी निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीते हैं।

इस बीच, सैन्याम शुरुआती और बीच के चरणों में सुरुचि से आगे थीं। हालांकि, सुरुचि ने आखिरी चरणों में निर्णायक बढ़त बना ली। 2023 की जूनियर वर्ल्ड चैंपियन सैन्याम ने 243.3 पॉइंट्स के साथ सिल्वर मेडल जीता। चीन की याओ कियानक्सुन, जो महिलाओं की 50मी पिस्टल में वर्ल्ड चैंपियन हैं, ने 219.4 पॉइंट्स के साथ कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया की पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन ओह ये-जिन चौथे स्थान पर रहीं (199.1) और उनके बाद मनु भाकर रहीं, जिन्होंने 179.2 पॉइंट्स हासिल किए। मनु भाकर महिलाओं की 25मीटर पिस्टल इवेंट में भी हिस्सा ले रही हैं। इससे पहले क्वालिफाइंग राउंड में, सुरुचि सिंह 586 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। मनु भाकर पांचवें स्थान पर थीं, जबकि सैन्याम ने काउंटबैक पर फ्रांस की ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट कैमिला जेड्रजेव्स्की को हराकर आठवां और आखिरी स्थान हासिल किया।

वर्ल्ड कप का ग्रुप आई बना ग्रुप ऑफ डेथ

वॉशिंगटन, 6 दिसंबर। 2026 फीफा वर्ल्ड कप का ड्रॉ शुक्रवार को जॉन एफ. केनेडी सेंटर में हुआ, जिससे फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के पहले 48-टीम एडिशन के लिए माहौल तैयार हो गया। कनाडा, मेक्सिको और अमेरिका में बढ़े हुए ग्रुप फॉर्मेट और पहले कभी नहीं हुए मैचों की संख्या के साथ, ड्रॉ सेरेमनी में कई हेडलाइन बनाने वाले मुकाबले तय हुए। लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के जमाने के बाद, किलियन एम्बाप्पे और एर्लिंग हालैंड दुनिया के फुटबॉल के दो सबसे बड़े स्टार बनकर उभरे हैं। उनकी नेशनल टीमें, फ्रांस और नॉर्वे, ग्रुप आई में एक साथ आने के बाद ग्रुप स्टेज की शुरुआत में ही मिलेंगी। अफ्रीका की सबसे मजबूत टीमों में से एक सेनेगल, ग्रुप को और मजबूत बनाती है। यूरोपियन प्ले-ऑफ से यूक्रेन, स्वीडन, पोलैंड और अल्बानिया में से जो भी जीतेगा, वह उस ग्रुप को पूरा करेगा जिसे कई लोग पहले से ही "ग्रुप ऑफ डेथ" कह रहे हैं। पिछले वर्ल्ड कप का सरप्राइज पैकेज मोरक्को, ब्राज़ील के साथ ग्रुप सी में आ गया है, जिससे स्कॉटलैंड और हैती पर ग्रुप में काफ़ी दबाव है। इंग्लैंड और क्रोएशिया खुद को ग्रुप एल में एक साथ पाते हैं, दो ऐसी टीमें जिन्हें बड़े पैमाने पर टाइटल के लिए चुनौती देने में काबिल माना जाता है। घाना और पनामा के लिए, इस ग्रुप से आगे बढ़ना एक बड़ी चुनौती होगी। अगर इटली यूरोपियन प्ले-ऑफ से आगे बढ़ता है, तो वह ग्रुप बी में कनाडा, कतर और स्विट्जरलैंड के साथ शामिल हो जाएगा। इस ग्रुप से कौन सी टीमें आगे बढ़ेंगी, यह अभी भी पक्का नहीं है।

एशिया कप कोर्फबाल में भारतीय टीम में राजस्थान के 2 सदस्य

9 से 14 तक सलांगोर मलेशिया में आयोजित होगी प्रतियोगिता

जयपुर, 6 दिसंबर। सचिव, राजस्थान कोर्फबाल संघ परस राम शर्मा के अनुसार 8 दिसंबर से 14 दिसंबर तक सारंगपुर मलेशिया में होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए राजस्थान से रजत सैनी का खिलाड़ी के रुप में भारतीय टीम में चयन किया गया है। साथ ही राजस्थान से भारतीय टीम के मुख्य कोच के रुप में राजेश सैनी को नियुक्त किया गया है। सचिव परस राम शर्मा, अध्यक्ष नरेश शर्मा इन्द्रप्रकाश टिक्कीवाल, एम.आई.नकवी व राजस्थान कोर्फबाल संघ के सभी सदस्यों और खिलाड़ियों ने खुशी जताई और बताया कि भारतीय टीम ने कड़ी मेहनत की है और इस प्रतियोगिता में आवश्यक रूप से मेडल प्राप्त करके लौटेगी। राजेश कुमार सैनी को कोर्फबॉल लिए महाराणा प्रताप पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। सचिव परस राम शर्मा व अध्यक्ष नरेश शर्मा ने भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन की कामना की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कोटा, जोधपुर एवं जयपुर संभाग के भाजपा जिला अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों व कार्यकर्ताओं की बैठक ली।

हमारे दो साल कांग्रेस के पांच साल पर भारी, सरकार की उपलब्धियों से कांग्रेस को दें करारा जवाब-भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कोटा, जोधपुर एवं जयपुर संभाग के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की

- **मुख्यमंत्री ने कहा, कार्यकर्ता की निष्ठा ही संगठन की शक्ति है, कार्यकर्ता जनता और सरकार के बीच कड़ी बनें व सरकार की योजनाएं जन-जन तक पहुँचाएं।**
- **मुख्यमंत्री ने इस दौरान बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित की।**

जयपुर, 6 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर कोटा, जोधपुर एवं जयपुर संभाग के भाजपा जिला अध्यक्षों एवं मंडल अध्यक्षों सहित, कार्यकर्ताओं के साथ संगठन से संबंधित विषयों पर चर्चा की। बैठक की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, अशोक परनामी, सांसद सी.पी. जोशी, राजेन्द्र गहलोत एवं पूर्व सांसद नारायण लाल पंचारिया उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्त्ता की निष्ठा ही संगठन की मजबूती का आधार है और यह मजबूती ही हमारी शक्ति है। संगठन के कार्यों को धरातल पर पहुंचाने में प्रदेश से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे जनता और सरकार के बीच कड़ी बनें और इन योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की नीति साफ एवं स्पष्ट है। हमारी सरकार ने सिर्फ दो साल में ही कांग्रेस की पिछली सरकार की तुलना में कई गुना काम किए हैं। यमुना जल समझौता, रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा गंगनहर के सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों से प्रदेश में पानी की भरपूर उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। हमारी सरकार ने पहले ही साल में राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट का आयोजन करके 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए, जिसमें से 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। अब तक लगभग 92 हजार युवाओं को नियुक्तियां प्रदान की जा चुकी हैं। दिसम्बर माह में और एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग एवं 15 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्तियां दी जाएंगी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि एसआईआर के लिए बीएलए की नियुक्तियां भी की गई हैं। सभी पदाधिकारियों को सुनिश्चित करना है कि वे बीएलए का बीएलओ एवं मतदाताओं के साथ समन्वय एवं सम्पर्क स्थापित करें।

रेल्वे देश में नौ विशेष ट्रेनें चलाएगी

नयी दिल्ली, 06 दिसंबर। रेलवे ने निजी विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने के कारण देशभर में फंसे यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए नौ विशेष ट्रेनों का परिचालन करने और 37 प्रीमियम ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया है।

- **इंडिगो संकट के मद्देनज़र रेल्वे ने यह कदम उठाया है इसी के साथ 37 प्रीमियम ट्रेनों में 116 कोच और जोड़े जाएंगे।**

रेलवे की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है हवाई यात्रा बाधित होने के कारण अचानक काफी संख्या में यात्रियों ने रेलवे की ओर रुख किया है।

यात्रियों की इस तत्काल बढ़ी हुई मांग को देखते हुए नौ विशेष ट्रेनों का परिचालन करने का फैसला किया गया है। वहीं, देशभर की 37 प्रीमियम ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच जोड़े हैं, जिससे हजारों की संख्या में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हो गयी हैं।

'सत्ता पक्ष में बैठे लोगों का मकसद नेहरु को बदनाम करना है

सोनिया गांधी ने यह भी कहा इन लोगों का लक्ष्य नेहरु को मिटाना मात्र नहीं, बल्कि उस आर्थिक, सामाजिक राजनैतिक नींव का नष्ट करना है जिस पर हमारा राष्ट्र बना है

- **सोनिया का यह बयान राजनाथ सिंह की उस टिप्पणी के जवाब में आया जिसमें उन्होंने कहा था कि नेहरु सरकारी पैसे से बाबरी मस्जिद बनाना चाहते थे पर पटेल ने ऐसा नहीं करने दिया।**

नई दिल्ली, 06 दिसंबर। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने बीजेपी पर करारा अटैक किया है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी का मुख्य मकसद जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना है। उन्होंने बीजेपी पर भारत के पहले प्रधानमंत्री को अपमानित करने, नीचा दिखाने और बदनाम करने का आरोप लगाया।

जवाहर भवन में नेहरू सेंटर इंडिया के उद्घाटन के मौके पर सोनिया गांधी ने कहा कि नेहरू के योगदान का विश्लेषण और आलोचना का स्वागत है। हालांकि, उनकी लिखी और कही गई बातों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सोनिया गांधी ने नेहरू को लेकर सत्तापक्ष की ओर से टिप्पणियों पर सख्त प्रतिक्रिया दी। हालांकि, उन्होंने अपनी बात रखते हुए सीधे तौर पर बीजेपी या आरएसएस का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके निशाने पर कौन था, ये उनकी टिप्पणियों से साफ जाहिर था। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने दो टूक कहा कि इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए कि आज सत्ता में बैठे लोगों का मुख्य उद्देश्य नेहरू को बदनाम करना है। उनका लक्ष्य सिर्फ उन्हें मिटाना नहीं है, बल्कि वास्तव में उस सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक नींव को नष्ट करना है जिस पर हमारा राष्ट्र बना है।

सोनिया गांधी की यह टिप्पणी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि नेहरू सार्वजनिक धन का इस्तेमाल बाबरी मस्जिद बनाने के लिए करना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया था। कांग्रेस ने इस दावे को झूठ बताते हुए राजनाथ सिंह पर ध्रुवीकरण फैलाने का आरोप भी लगाया था।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि नेहरू पर हमले में शामिल समूह एक ऐसी विचारधारा को मानता है, जिसकी स्वतंत्रता आंदोलन या संविधान निर्माण में कोई भूमिका नहीं थी। जिसने नफरत को हवा दी, यहां तक कि जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई। कांग्रेस सांसद ने दो टूक कहा कि आलोचना करें, लेकिन विरासत को न तोड़ें।

'विपक्ष स्थगन प्रस्ताव लाए या अविश्वास प्रस्ताव हम तैयार है'

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पत्रकारों से कहा इनके साथ डीके शिवकुमार भी थे

- **सिद्धारमैया ने कहा नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर मैं और शिवकुमार आलाकमान का निर्णय मानेंगे।**

बंगलूरू, 06 दिसंबर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को कहा कि अगर विपक्ष 8 दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र के दौरान अविश्वास प्रस्ताव लाता है तो उनकी कांग्रेस सरकार इसका सामना करने के लिए तैयार है। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार उनके साथ मौजूद थे। उन्होंने दोहराया कि नेतृत्व के मुद्दे पर वह और शिवकुमार दोनों हाईकमान के निर्णय का पालन करेंगे।

सिद्धारमैया ने एक सवाल के जवाब में कहा, वे (विपक्ष) अविश्वास प्रस्ताव लाएं या स्थगन प्रस्ताव या कोई और प्रस्ताव, हम सामना करने के लिए तैयार हैं। हमारी सरकार खुली किताब की तरह है, पारदर्शी सरकार है। हम किसी भी चीज का सामना करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने साफ किया कि पार्टी ने जेडीएस के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के बारे में अभी तक कोई चर्चा या फैसला नहीं किया है।

कर्नाटक विधानसभा का शीतकालीन सत्र 8 दिसंबर से शुरू होकर इस महीने की 19 तारीख तक चलेगा। नेतृत्व परिवर्तन से जुड़े प्रश्न पर प्रतिक्रिया देने से बचते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान बहुत मजबूत है। उन्होंने कहा, डीके शिवकुमार और मैं दोनों हाईकमान के किसी भी निर्णय के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे।

इससे पहले दिन में बंगलूरू में शिवकुमार ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को विधान सौध बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की 69वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के बाद हवाई अड्डे तक छोड़ा। इस दौरान दोनों के बीच संभावित बातचीत को लेकर नेतृत्व परिवर्तन पर अटकलें तेज हो गई थीं।

राज्य में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल का आधा हिस्सा 20 नवंबर को पूरा होने के बाद, मुख्यमंत्री बदलने की चर्चाओं के बीच सत्ताधारी दल के भीतर शक्ति संघर्ष देखने को मिला था। इन चर्चाओं के बीच हाल ही में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने हाईकमान के निर्देश पर एक-दूसरे के आवास पर नाश्ते की बैठकें की थीं।

राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मोदी ने इससे पहले सोशल मीडिया एक्स पर बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए लिखा, ''महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का स्मरण करते हैं। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता और संविधानवाद के प्रति डॉ. अम्बेडकर की अटूट प्रतिबद्धता भारत की राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनसे मानवीय गरिमा को बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मज़बूत करने की पीढ़ियों ने प्रेरणा ली है। ईश्वर करे कि उनके आदर्श हमें एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर करते रहें।''

सीतालक्ष्मी सहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीबीआई को गोपनीय सूचना मिली थी कि आईटीएटी जयपुर बेंच में लंबे समय से अपीलों को तय करने में धांधली चल रही है। इस पर सीबीआई ने आईटीएटी जयपुर बेंच में रिश्वत लेकर फैसले देने के मामले में न्यायिक सदस्य सीता लक्ष्मी व वकील राजेन्द्र को 25 नवंबर को गिरफ्तार किया था। वहीं, सीता लक्ष्मी की कार से 30 लाख रुपए और दलाल राजेन्द्र के घर से 80 लाख रुपए बरामद किए थे। इसके अलावा, सीबीआई ने मामले में पक्षकार और रिश्वत देने वाले कोटा निवासी मुज्जमिल को भी गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने अपनी कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए एक अन्य अधिकारी कमलेश राठौड़ को भी गिरफ्तार किया। सीबीआई ने कमलेश से भी 20 लाख रुपए बरामद किए थे।

रिज़र्व बैंक द्वारा ''रैपो रेट'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से ई.एम.आई. कम होती है और कर्ज़ की मांग बढ़ती है। लेकिन इस बार इस कटौती का असर उम्मीद से धीमा हो सकता है। बैंक अभी भी डिपॉजिट ग्रोथ से जूझ रहे हैं जो कर्ज़ की तेज बढ़त के मुकाबले धीमी है। इसलिए नई जमा आकर्षित करने के लिए ऊँची ब्याज दरें बनाई रखनी पड़ रही हैं। इस संरचनात्मक कमी की वजह से बैंक इस कटौती का पूरा लाभ तुरंत ग्राहक तक नहीं पहुँचा पाएंगे। जो लोग लोन रेट में तुरंत गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें राहत तुरंत मिलने के बजाय धीरे-धीरे मिल सकती है।

वित्तीय बाज़ार की प्रतिक्रियाएं भी सावधानी का संकेत देती हैं। शेयर बाज़ारों ने रेट-सेंसिटिव सेक्टरों में मामूली बढ़त के साथ प्रतिक्रिया दी, जबकि करेंसी की चिंताओं के कारण व्यापक सूचकांक कमज़ोर रहे। बॉन्ड बाज़ार ज़्यादा उत्साहित थे, लेकिन वहाँ भी इस सोच के कारण उत्साह कुछ कम था कि आर.बी.आई. की रेट कटौती की प्रक्रिया सीमित रहेगी। सेंट्रल बैंक का न्यूट्रल रुख बनाए रखना यह बताता है कि वह तेजी से लगातार कटौतियों की दिशा में नहीं जा रहा, बल्कि हर मीटिंग में पॉलिसी को एक-एक करके एडजस्ट कर रहा है।

वैश्विक हालात तीसरा बड़ा जोखिम हैं। जियोपॉलिटिकल टेंशन, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, और ग्लोबल इन्वेस्टर की जोखिम उठाने की इच्छा, ये सभी कारक भारत के बाहरी संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। कच्चे तेल की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी आर.बी.आई. की आगे की कटौतियों की गुंजाइश कम कर सकती है। इसी तरह अगर वैश्विक निवेशक सुरक्षित बाज़ारों में पैसा लगाना शुरु कर दें, तो भारत जैसे उभरते बाज़ारों को अपनी मुद्रा को संभालने के लिए, ढील देने के बजाय, दखल देना पड़ेगा।

घरेलू निवेश के रुझान भी अनिश्चितता बढ़ाते हैं। आर.बी.आई. 2025-26 के लिए 7.3 प्रतिशत की मज़बूत जी.डी.पी. ग्रोथ का अनुमान लगा रहा है, लेकिन प्राइवेट सेक्टर का इन्वेस्टमेंट अभी भी ठीक नहीं है। अगर खपत तेजी से नहीं बढ़ी तो सरकार को ही पूँजीगत खर्च का बोझ उठाना पड़ सकता है। इकोनॉमिस्ट चेतावनी देते हैं कि अकेले मॉनेटरी ईजिंग से इन्वेस्टमेंट रिवाइव नहीं हो सकता, जब तक कि इसे मज़बूत डिमांड, कम इनपुट कॉस्ट और बेहतर ग्लोबल स्थितियों का सपोर्ट न मिले।

आर.बी.आई. का हालिया रेट कट भारत के मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल्स में विश्वास को दिखाता है। फिर भी, आगे का रास्ता सतर्कता की मांग करता है। महंगाई फिर से बढ़ सकती है, रुपया और कमज़ोर हो सकता है, और ग्लोबल मुश्किलें बिना किसी चेतावनी के तेज़ हो सकती हैं। पॉलिसी बनाने वालों, बिज़नेस और आम लोगों के लिए मैसेज साफ़ है: राहत का आनंद लें, लेकिन उतार-चढ़ाव के लिए तैयार रहें।

केस तय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर जल्द फैसला हो सके। मैं ये नहीं कह रहा कि सभी बकाया मामले खत्म कर दिए जाएंगे। ऐसा कभी नहीं होगा। ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि लिटिगेशन (मुकदमेबाजी) एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। लोगों को न्यायिक व्यवस्था पर भरोसा और विश्वास है।

सीजेआई ने कहा, नए मामले दायर होंगे, लेकिन पुराने मामलों का निपटारा होना भी जरूरी है। मध्यस्थता का भी इस्तेमाल किया जाएगा और ये गेम चेंजर साबित हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, मैं एक सख्त और स्पष्ट संदेश देना चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट आम आदमी के लिए है और सामान्य मुकदमेबाजी के लिए भी सुप्रीम कोर्ट में पर्याप्त जगह है। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि वह अकेले इस काम को नहीं कर सकते और उन्हें इसमें अन्य जजों का भी सहयोग चाहिए।

मनमाने हवाई किराए पर केन्द्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लागू रहेंगी, जब तक स्थिति पूरी तरह से स्थिर नहीं हो जाती। इस निर्देश का उद्देश्य बाजार में मूल्य निर्धारण अनुशासन बनाए रखना, संकट में फँसे यात्रियों का शोषण रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि जिन नागरिकों को तुरंत यात्रा करनी है, जिनमें वरिष्ठ नागरिक, छात्र और मरीज शामिल हैं, उन्हें इस दौरान वित्तीय कठिनाई का सामना न करना पड़े।''

मंत्रालय ने यह भी कहा कि वह हवाई किरायों की निगरानी वास्तविक समय के आंकड़ों के माध्यम से करता रहेगा और एयरलाइनों और ऑनलाइन यात्रा प्लेटफार्मों के साथ मुस्तैदी से समन्वय करेगा।

एक अलग बयान में, मंत्रालय ने कहा कि उसने इंडिगो से सभी यात्रियों के रिफंड बिना किसी देरी के जारी करने का निर्देश दिया है। बयान में कहा गया, ''मंत्रालय ने यह आदेश दिया है कि सभी रद्द या प्रभावित उड़ानों की रिफंड प्रक्रिया को 7 दिसम्बर 2025, रविवार, रात 8:00 बजे तक पूरी तरह से पूरा कर लिया जाए। एयरलाइनों को यह निर्देश भी दिया गया है कि वे उन यात्रियों से कोई पुनर्निर्धारण शुल्क न लें, जिनकी यात्रा योजनाएं उड़ानों के निरस्तीकरण के कारण प्रभावित हुई थीं।''

दिन की शुरुआत में, इंडिगो की सैकड़ों घरेलू उडानें रद्द कर दी गईं, क्योंकि एयरलाइन का व्यापक संकट पांचवें दिन भी जारी रहा। रोजाना 2,300 उड़ानों का संचालन करने वाली इंडिगो, जिसके उड़ान बेड़े में 400 से अधिक विमान हैं, ने संचालन में विघटन के कारण अपनी समयबद्धता में भारी गिरावट देखी है, और यह संकट और कई दिनों तक जारी रहने की संभावना है। इस संकट का मुख्य कारण पायलटों की कमी है, जिसका पूर्वानुमान योजना की विफलताओं के कारण नहीं किया गया। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं।

राष्ट्रपति के भोज में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और वे उसमें शामिल होंगे। जब उनसे दोनों सदनों के विपक्ष के नेताओं के नाम आमंत्रित लोगों की सूची में नहीं होने के विषय में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि आमंत्रण भेजने का आधार क्या रहा है, लेकिन वे (थरूर) आमंत्रित होने पर निश्चित रूप से सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

थरूर ने यह स्पष्ट किया कि एक सांसद के रूप में अपने निर्वाचन क्षेत्र की बेहतरी के लिए, सरकार के साथ सहयोग करना और काम करना ''एक अलग विषय है,'' और इसका राष्ट्रपति भवन के डिनर के लिए आमंत्रित होने से कोई संबंध नहीं है।

थरूर ने कहा, ''इसका राष्ट्रपति भवन के डिनर के आमंत्रण से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन सच यह है कि सरकार के साथ सहयोग के सवाल पर, आप अपनी विचारधारा या सिद्धांतों को छोड़ते नहीं हैं, बल्कि आप सामान्य जमीन (कॉमन ग्राउन्ड) ढूंढते हैं। मेरा मतलब है, यह लोकतंत्र का एक हिस्सा और सरकार और विपक्ष के बीच सहयोग का एक हिस्सा है - कॉमन ग्राउन्ड तलाश करना। हम कुछ चीजों से असहमत होते हैं, कुछ चीजों पर सहमत भी होते हैं, तथा जिन बिन्दुओं पर हम सहमत हैं, उन पर हमें मिल कर काम करना चाहिए।'' थरूर हाल ही में सरकार के बारे में अच्छा बोलते रहे हैं, जिससे उनकी पार्टी कांग्रेस को काफी निराशा हुई है।

लेकिन थरूर के इस तरह के बयानों और कांग्रेस द्वारा हर समय सरकार के हर कदम की आलोचना के चलते, सरकार के लिए आवश्यक था कि वह एक बड़े राष्ट्रीय सरोकार, जैसे ''ऑपरेशन सिंदूर'' के बारे में जानकारी देने के लिए विदेशों में प्रतिनिधिमंडल भेजना, के लिए विपक्षी दल के किसी नेता को आमंत्रित करे और थरूर को ऐसी एक टीम का सदस्य बनाया गया था, लेकिन यह प्रश्न तो खड़ा होता ही है कि क्या केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद (थरूर) कभी कोई बड़ा कदम उठाएंगे?

थरूर ने इस प्रश्न का एक सटीक और रहस्यमय जवाब दिया, ''मुझे नहीं पता कि यह सवाल क्यों पूछा जा रहा है। मेरा मतलब है, मैं कांग्रेस पार्टी का सांसद हूं। मुझे चुनाव जीतने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। किसी भी अन्य स्थिति के लिए बहुत अधिक चिन्तन और अन्य अनेक पक्षों और बिन्दुओं पर विचार करने की जरूरत होगी।''

उन्होंने कहा कि उनके पास एक काम है- मतदाताओं के लिए काम करना और वे अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं कि उनके प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभा सकें।

उन्होंने कहा, ''आज भी, डिनर से पहले चल रही बातचीतों में, मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुछ चीजों के बारे में यहाँ कुछ सरकारी अधिकारियों से चर्चा कर रहा था, जिनसे डिनर पर मेरा सम्पर्क हुआ था। यह सब अपने लोगों, अपने मतदाताओं, अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए काम करने का प्राण-तत्व है। यह (हमारी) राजनीतिक जिम्मेदारी है।''

इंडिगो ने 1500 से ज्यादा उड़ानें संचालित की

नयी दिल्ली, 06 दिसंबर। पायलटों की कमी और परिचालन संबंधी समस्या का सामना कर रही निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने शनिवार को 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन किया।

इंडिगो की रद्द उड़ानों की खबरों और परेशान यात्रियों की तस्वीरों के बीच

- **एयरलाइन्स ने बताया कि शनिवार को रद्द उड़ानों की संख्या भी घट गई।**

एयरलाइंस ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने शुक्रवार को 700 से अधिक उड़ानों का परिचालन किया था, और शनिवार को आधी रात तक यह संख्या 1,500 से अधिक हो जायेगी।

उल्लेखनीय है कि रोजाना 2,300 से अधिक उड़ानों का संचालन करने वाली इंडिगो की शुक्रवार को एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द रही थीं। एयरलाइंस ने कहा है कि आज रद्द उड़ानों की संख्या घटकर 850 से कम रह गयी। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि शनिवार को इंडिगो ने अपने नेटवर्क में शामिल 138 में से 135 शहरों के लिए उड़ानें भरीं।

'इंडिगो एयरलाइन्स को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **ये कॉरपोरेट हाउस की आपसी प्रतिद्वंदिता में निर्णय लिए जाते हैं, तो आम आदमी का हित गौण हो जाता है और निर्णय शतरंज की चाल जैसे तर्क पर आधारित हो जाते है।**

प्रमुख एयरलाइन और रूझान वाला कंपनी समूह, राजनीतिक विमानन ढांचे में तेजी से विस्तार कर रहे हैं, दबाव बना रहे हैं, जिससे समग्र पारिस्थितिकी तंत्र अस्थिर हो रहा है।

विमानन विशेषज्ञों का कहना है कि यह संकट भारत की विमानन शासन व्यवस्था में एक गहरी संरचनात्मक कमी को उजागर करता है। एक एयरलाइन द्वारा क्षमता का एकाधिकार और एक कॉर्पोरेट समूह द्वारा प्रमुख हवाई अड्डा संपत्तियों पर प्रभुत्व स्थापित करने के बाद, सरकार ने प्रभावी रूप से संतुलन बनाने की अपनी क्षमता खो दी है। ऐसे माहौल में, नीतियों के संकेत सार्वजनिक हित की बजाय कॉर्पोरेट प्रतिस्पर्धा से आकार लेते हैं।

ऐसे व्यवधान सीधे जनता पर असर डालते हैं, बिना किसी प्रणालीगत सुरक्षा के। विश्लेषकों का कहना है कि सरकार की चुप्पी चिंता का विषय है। ऐसा लगता है कि प्रभावित यात्रियों को आश्वस्त करने के लिए निर्णायक कदम उठाने की बजाय, प्राधिकरणों को लगता है कि राजनीतिक शर्मिंदगी से बचने और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने की अधिक चिंता है। इस संघर्ष में सबसे बड़ी हार आम लोगों की हुई है। किराए में वृद्धि, एक साथ फ्लाइट्स कैंसल होना, आखिरी समय में शेड्यूल में बदलाव और हवाई अड्डों पर फैली अराजकता ने यात्रियों को एक कॉर्पोरेट खींचतान का बेजुबान शिकार बना दिया है। रिफंड, पुनर्भरण या सुरक्षात्मक उपायों की कोई स्पष्टता न होने के कारण विमानन प्रणाली में सार्वजनिक विश्वास निचले स्तर तक पहुंच गया है। विमानन क्षेत्र के एक प्रमुख विशेषज्ञ, जिन्होंने भारतीय वायु सेना के साथ तीन दशकों से अधिक समय तक काम किया है, ने कहा कि जब तक सरकार एक पारदर्शी विमानन सिद्धांत नहीं बनाती और ''उपभोक्ता-प्रथम'' नियम लागू नहीं करती, तब तक जनता असुरक्षित तथा शक्तिशाली निजी संस्थाओं और सरकार के बीच जकड़ी हुई, जो उनसे निपटने में संकोच करती है।

बाबू लाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने आरोपी की मन:स्थिति को देखते हुए उसे जिला जेल से केन्द्रीय कारागार में शिफ्ट करने आदेश दिए हैं।

सुनवाई के दौरान, बाबूलाल कटारा अदालत में पेश हुआ। कटारा ने अदालत को बताया कि उसे जेल में कुछ लोगों से जान का खतरा है। इसके अलावा, अत्यधिक तनाव के कारण आत्महत्या के लिए मजबूर होने की जानकारी भी दी। इससे पूर्व कटारा की ओर से उसके अधिवक्ता भानु प्रकाश शर्मा ने प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि गत 28 नवंबर को जिला कारागार से कटारा ने अपने बेटे को फोन कर कुछ लोगों की ओर से परेशान किये जाने की जानकारी दी थी। कटारा ने बेटे को यहां तक कहा कि यदि अब उसके पास फोन नहीं आए तो वह यह मान ले कि उसके साथ कुछ गलत हो गया है। इस पर उदयपुर निवासी बेटे ने इसकी जानकारी उन्हें दी और सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि कटारा जेल में बंद हैं और व्यक्तिगत रूप से अदालत में प्रार्थना पत्र पेश करने में असमर्थ है।

इसलिए बतौर अधिवक्ता यह प्रार्थना पत्र पेश किया जा रहा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने माना कि कटारा की मानसिक दशा स्थिर नजर नहीं आ रही है और उसमें भारी तनाव और डिप्रेशन दिख रहा है। हालांकि प्रार्थना पत्र में कटारा को दूसरे जेल में शिफ्ट करने की गुहार नहीं है, लेकिन सुनवाई के दौरान कटारा ने अपने आप को उदयपुर जेल में शिफ्ट करने की मौखिक गुहार की। वहीं अदालती आदेश की पालना में विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान ने कटारा के आरोपों को लेकर गोपनीय सीलबंद रिपोर्ट पेश की।

ममता बनर्जी के मुस्लिम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **ममता जी के लिए हुमायूं कबीर द्वारा प्रस्तुत चुनौती का जवाब देना बहुत मुश्किल हो रहा है। अगर, उसने मुस्लिम नेता के रूप में सफलता पा ली, जिसकी काफी संभावना लगती है, तो ममता जी का राजनीतिक अवसान भी सकता है।**

लेकिन अब चुनौती बंगाल की उसी मिट्टी से उठ रही है, जिसे ममता अपना राजनीतिक गढ़ मानती हैं। अब यह कहकर बचना संभव नहीं कि कबीर बाहरी हैं। उन्हें स्थानीय जमीन पर ही कबीर की बातों का जवाब देना होगा, जिसमें कबीर यह आरोप लगा रहे हैं कि असल में ममता ही मुसलमानों के खिलाफ़ हैं, और उनके काम इसका प्रमाण हैं।

ममता अब तक मुस्लिम वोट बैंक के दम पर आगे बढ़ी हैं, क्योंकि भाजपा राज्य में हिंदू वोटों का बड़ा हिस्सा लेने में सफल रही है। मुस्लिम मतदाता लगातार चुनाव- दर- चुनाव भारी संख्या में ममता का समर्थन करते रहे हैं।

बदले में ममता ने भी उन्हें भरपूर तुष्टिकरण दिया। वे मुस्लिम धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुईं, मुस्लिम अंदाज़ में कपड़े पहने, बालों को साड़ी में ढककर, और कभी-कभी मुस्लिम मुहावरों या धार्मिक शब्दों का गलत-सही उच्चारण भी किया, जिससे सुनने वालों को काफी मज़ा भी आता था।

उन्होंने कई बार हिंदू त्योहारों और परंपराओं के खिलाफ बयान दिए। त्योहारों पर रास्तों और टाइमिंग पर रोक लगाई। भाजपा ने इन बातों का विरोध किया और हिंदू समुदाय को एकजुट करने की कोशिश की, लेकिन इन विरोधों से ममता को कोई राजनीतिक नुकसान नहीं हुआ।

अब ममता को उसी ज़मीन से अपने अंत की शुरुआत दिख सकती है, जहाँ उन्होंने तुष्टिकरण का बीज बोया था। अगर उन्हें यह नया खतरा झेलना पड़े, तो यह उनके लिए विडंबना होगी। पहले भी इंडियन सैक्युलर फ्रंट जैसे मुस्लिम समूह, जो खुद को ''सैक्युलर'' बताते थे, उभरने की कोशिश कर चुके थे, लेकिन टिक नहीं पाए। लेकिन अब, एक कड़े इस्लामवादी संगठन को बंगाल के मुसलमानों के सामने विकल्प के रूप में पेश किया जा रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908